जबलपुर
मंगलवार 21 जुलाई 2026
- आषाढ़ मास 'शुक्ल पक्ष-7/8
- वर्ष : 21, अंक : 80
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00

मौसम
अधि. 26
न्यून. 23

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी आशुतोष तिवारी से 'हरिभूमि व आईएनएच' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास बातचीत

उनसे सवाल था दतिया में मुकाबला कैसा है?

उनका जवाब -पदाधिकारी और कार्यकर्ता जनता के बीच जा रहे हैं, किसी भी प्रकार का कोई मुकाबला नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दतिया उपचुनाव भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी आशुतोष तिवारी का कहना है कि भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित राजनीतिक दल है, इसको व्यवहार में जीता है। हमारा कार्यकर्ता अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए आजाद है। उसकी भावनाएं वरिष्ठ नेतृत्व सुनता है, समझता है। हमारा कार्यकर्ता देवतुल्य कार्यकर्ता है, भगवान है, जिसकी सेवा मैं आजन्म करता रहूंगा। यह देवतुल्य कार्यकर्ता वरिष्ठ नेतृत्व के सामने अपनी बात तो रखता है पर वरिष्ठ नेतृत्व के आह्वान पर ताकत के साथ भाजपा के साथ आगे बढ़ता है क्योंकि उसकी वैचारिक प्रतिबद्धता भी है। उसे पता है कि हम जातीय, वर्ग व अन्य बातों से हटकर देश की एकता और अखंडता के लिए काम करने वाले लोग हैं। ऐसे में जब वही देवतुल्य कार्यकर्ता भावना को भूलकर पूरी ताकत के साथ पार्टी नेतृत्व के आह्वान पर जब एक साथ आगे बढ़ता है और भाजपा के पक्ष में समर्थन मांगता है। आशुतोष तिवारी से 'हरिभूमि व आईएनएच' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास बातचीत।

दतिया का दम

ये भी बोले आशुतोष तिवारी

- मैं अपना जीवन समर्पित करने दतिया आया हूं
- पार्टी ने नरोत्तम जी के लिए कुछ और बेहतर सोचा होगा
- मतदाता जागरूक हैं, विकास के साथ चलना चाहते हैं
- कार्यकर्ता नेतृत्व की दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं

प्रश्नः दतिया में मुकाबला कैसा है?
उत्तरः मतदाता भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन और आशीर्वाद दे रहा है। पदाधिकारी और कार्यकर्ता जनता के बीच जा रहे हैं किसी भी प्रकार का कोई मुकाबला नहीं है।

उनसे सीधी बातचीत

- **प्रश्नः क्या अभी भी यकीन कर पा रहे हैं कि आप भाजपा से इस चुनाव में प्रत्याशी हैं?**

उत्तरः भाजपा के वरिष्ठ देवतुल्य नेतृत्व ने जो निर्णय किया है इस निर्णय की स्वीकार्यता के बाद मैंने माई के दरबार में माथा टेका। भाजपा के अपने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संवाद किया और अब चुनावी मैदान में हूं तो यह महसूस करने जैसा ही है।

- **प्रश्नः आपके लिए पार्टी का यह निर्णय कितना चौंकाने वाला रहा?**

उत्तरः भाजपा का कार्यकर्ता स्वयं की भूमिका तय नहीं करता है वो एक साधारण कार्यकर्ता के नाते नेतृत्व द्वारा दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन करता है। और इसलिए नेतृत्व समय-समय पर भूमिकाएं बदलता है और बदली हुई भूमिका में तुरंत तो असहज होना एक अलग बाता है। पर पार्टी नेतृत्व सीखाता है, संभालता है और दिशा दिखाता है उस पर कार्यकर्ता आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता है। तो मैं पूरे आत्मविश्वास के साथ पार्टी के नेतृत्व के आशीर्वाद के कारण, कार्यकर्ता, पदाधिकारी और दतिया की जनता, मतदाताओं के पूर्ण आशीर्वाद के कारण मैं पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा हूं।

- **प्रश्नः दतिया जैसे महत्वूर्ण क्षेत्र से आप प्रत्याशी कैसे बने?**

उत्तरःनेतृत्व ही निर्णय करता है। नेतृत्व की विचार प्रक्रिया में कौन कौन से व्यवहार, विचार, परिस्थितियां और नीचे से किस तरह का फीडबैक आया है। ये नेतृत्व तय करता है। कार्यकर्ता को तो नेतृत्व के द्वारा जो कहा जाता है उसके पालन में मैदान में जाना होता है। नेतृत्व के निर्णय और माई के आशीर्वाद से मुझे सेवा के लिए बुलाया है इसका एहसास। दतिया के हमारे सभी मतदाता, भाई, बहन, कार्यकर्ता, पदाधिकारी, परिवार के ऐसे लोग जिन्होंने उंगली पकड़कर मुझे सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ाया।

हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
सामान्य कूपन
21 जुलाई 2026
कूपन नं. 8

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखिए
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

हरिभूमि सहेली
आज के अंक के साथ

5 दिन का मानसून सत्र शुरू

विधानसभा में यूसीसी समेत 14 विधेयक पेश, एक दिन बाद से शुरू होगी चर्चा, इसके बाद बिल होगा पारित

लिव इन में कपट तो 5 वर्ष की जेल और जुर्माने का भी प्रावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र सरकार ने सोमवार को अपने सबसे महत्वाकांक्षी विधेयक मप्र समान नागरिक संहिता (यूसीसी) -2026 विधानसभा में पेश कर दिया। इस विधेयक पर चर्चा एक दिन बाद शुरू होगी। इसके बाद इसे पारित किया जाएगा। सरकार ने साफ कर दिया है कि इस विधेयक को हर हाल में पारित कराया जाएगा। यूसीसी लागू करने से लेकर दंड तक के प्रावधान दिए गए हैं। धारा-396 में स्पष्ट प्रावधान है कि जो सहवासी संबंध लिव इन रिलेशनशिप स्थापित करने के लिए बल, उत्पीड़न या कपट से किसी व्यक्ति की सहमति प्राप्त करेगा, वह ऐसी अवधि के कारावास से जो पांच वर्ष तक का हो सकेगा, से दंडित किया जाएगा तथा जुर्माना भी वसूला जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस से कहा कि मप्र की जनता के हितों को ध्यान में रखकर इस विधेयक को पारित कराएं। हालांकि, कांग्रेस ने अभी तक अपना मंतव्य जाहिर नहीं किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस से कहा कि मप्र की जनता के हितों को ध्यान में रखकर इस विधेयक को पारित कराएं

पार्टनर समाप्ति के 7 वर्ष बीत जाने के बाद नहीं हो सकेगा कोई दावा या सुनवाई

कांग्रेस ने खाद-बीज, उज्जैन में कथित जमीन घोटाले समेत अन्य मुद्दों पर हंगामा किया

कांग्रेस का जमीन घोटाले पर दिया गया स्थगन स्पीकर ने अग्राह्य (अस्वीकार) कर दिया

तात्कालिक मुद्दे ही स्थगन में लिए जाते हैं : तोमर

जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने जमीन घोटाले के मुद्दे पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया। स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि चूंकि सदन में तात्कालिक मुद्दे ही स्थगन में लिए जाते हैं, यह मुद्दा तात्कालिक नहीं है। इसलिए मान्य परंपराओं को देखते हुए स्थगन अग्राह्य (अस्वीकार) करते हैं।

यूसीसी विधेयक कुल 104 पेजों में सिमटा कुल 404 धाराएं

यूसीसी विधेयक कुल 104 पेजों में सिमटा है। इसमें कुल 404 उपबंध (धाराएं) हैं। धारा 397 में स्पष्ट प्रावधान है कि उल्लंघन करने पर 5 वर्ष का कारावास व जुर्माने का भागीदार होगा। इस विधेयक में धारा 397 की उपधारा में प्रावधान है कि कोई भी बात किसी ऐसे व्यक्ति पर लागू नहीं होगी, जिसने सहवासी संबंध समाप्त कर दिया है, किंतु इसकी अवधि 7 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। किंतु कोई भी व्यक्ति 7 वर्ष के भीतर इस पर अपना दावा कर सकेगा कि पार्टनर से सहवासी संबंध रहा है।

कांग्रेस का आरोपः खाद के लिए भटक रहा किसान, सरकार दे रही टोकन

मुख्यमंत्री और कृषि मंत्रियों के मुखौटे पहन कांग्रेस का प्रदर्शन

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सोमवार को मानसून सत्र के पहले दिन कांग्रेस ने मुख्यमंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री और प्रदेश के कृषि मंत्री के मुखौटे पहनकर विधानसभा परिसर में किसानों के मुद्दे पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने खाद संकट, एमएसपी और मुआवजे को लेकर सरकार पर किसानों के साथ छलावा करने का आरोप लगाया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक दल ने यह प्रदर्शन किया।

266 की बोरी 500 रुपए में मिल रही

कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने आरोप लगाया कि किसान घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी खाद नहीं पा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 266 रुपए की खाद की बोरी 500 रुपए और 1350 रुपए की बोरी 2000 रुपए तक में बिक रही है। सरकार खाद की कालाबाजारी रोकने में विफल साबित हो रही है।

खबर संक्षेप

एसडीएम लिखी बोलेरो ने किसान को कुचला

राजगढ़। राजगढ़-ब्यावरा हाईवे पर तेज रफ्तार एसडीएम लिखी बोलेरो ने एक बाइक सवार किसान को कुचल दिया। हादसे में बांसखेड़ी निवासी मांगीलाल तंवर (28) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।परिजनों के अनुसार वारदात के बाद चालक एसडीएम लिखी बोलेरो लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

उधारी के रुपये मांगने पर चाकू से किया था हमला, न्यायालय उठने तक की सजा

जबलपुर। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ऋचा बठेजा की कोर्ट ने करीब दस वर्ष पुराने मारपीट और चाकूबाजी के मामले में आरोपी जबलपुर निवासी सद्दाम राईन को दोषी ठहराते हुए न्यायालय उठने तक के कारावास की सजा सुनाई। उस पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अभियोजन के अनुसार थाना गोहलपुर में वर्ष 2016 में दर्ज मामले में वसीम डांगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 21 अगस्त 2016 की रात लगभग 10.45 बजे वह चारखंबा क्षेत्र में खड़ा था। इसी दौरान सद्दाम राईन वहां पहुंचा। उधारी के रुपये मांगने पर आरोपी ने पहले गाली-गलौज की और फिर चाकू से दोनों घुटनों और जांघ पर वार कर घायल कर दिया।

यूपी के बागपत के रहने वाले थे

त्रिपुरा के डीजीपी धनखड़ ने पीएचक्यू में आत्महत्या की

मजिस्ट्रेट स्तर पर जांच कराने का फैसला

एजेंसी ▶▶ अगरतला

त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ सोमवार को अगरतला स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में अपने कार्यालय कक्ष में मृत मिले। पुलिस उनका शव कार्यालय के भीतर फंदे से लटका मिला। इसके बाद उन्हें तत्काल गोविंद बल्लभ पंत (जीबीपी) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोपहर 12:48 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, मुख्य सचिव जेके सिन्हा, पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी पुलिस मुख्यालय पहुंचे। इसके बाद सभी जीबीपी अस्पताल भी पहुंचे। पूरे पुलिस मुख्यालय परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। राज्य सरकार ने मामले की मजिस्ट्रेट स्तर पर जांच कराने का फैसला किया है। मौत के कारणों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के बिहारीपुर गांव के निवासी अनुराग धनखड़ 1994 बैच के त्रिपुरा कैडर के आईपीएस अधिकारी थे।

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने किया ऐलान

बंगाल में 1 सितंबर से बंगाली भाषा में होगा सरकारी कामकाज

केंद्र और अन्य राज्यों से बंगाली में होगा संपर्क

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को राज्य विधानसभा में एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार एक सितंबर से अपने सभी आधिकारिक कामकाज बंगाली भाषा में करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सितंबर 2026 से राज्य सरकार के हर स्तर पर बंगाली भाषा का उपयोग अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार और अन्य राज्यों के साथ होने वाले सभी पत्राचार में बंगाली भाषा का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार के साथ संपर्क के लिए बंगाली के साथ-साथ हिंदी भाषा का भी उपयोग किया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान उन्हें बंगाली भाषा में एक पत्र लिखा था। इस पत्र में अमित शाह ने राज्य प्रशासन के हर स्तर पर बंगाली भाषा के व्यापक उपयोग के लिए कदम उठाने का आग्रह किया था।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि एसआईटी रिपोर्ट दाखिल कर दी गई

राम मंदिर

अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी जब उत्तर प्रदेश सरकार अदालत को एसआईटी और जांच की स्थिति से अवगत कराएगी

एसआईटी का पुनर्गठन हो....अनुभवी अधिकारी के नेतृत्व में हो निष्पक्ष जांच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं से मिले दान में कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में अदालत ने साफ संकेत दिया है कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और पेशेवर तरीके से होनी चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से विशेष जांच टीम (एसआईटी) के पुनर्गठन पर

आवश्यक निर्देश लेने को कहा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए और जांच अपने तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ अयोध्या राम मंदिर में मिले दान के कथित गबन की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी से जांच की स्थिति रिपोर्ट मांगी थी। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि आदेश के अनुपालन में स्थिति रिपोर्ट दाखिल कर दी गई है।

दान का रिकॉर्ड होना जरूरी

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत में कहा कि मंदिर निर्माण के दौरान ट्रस्ट ने देशभर के श्रद्धालुओं से दान लिया था और इसके लिए रसीदें भी जारी की गई थीं। उनका कहना था कि कई लोगों का आरोप है कि दान की राशि मंदिर तक नहीं पहुंची। उन्होंने सुझाव दिया कि ट्रस्ट के पास मौजूद सभी रसीदों और दान के रिकॉर्ड को सार्वजनिक किया जाए ताकि हर दानदाता यह जान सके कि उसकी दी गई राशि सही स्थान तक पहुंची या नहीं। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि रिकॉर्ड को वेबसाइट पर डालना जरूरी नहीं है, लेकिन जहां भी रसीद जारी हुई है, उसका व्यवस्थित और सुरक्षित रिकॉर्ड जरूर होना चाहिए।

लोकसभा-राज्यसभा आज तक के लिए स्थगित

पहले दिन हंगामे की भेंट चढ़ा संसद सत्र, एक बार भी कोई सार्थक चर्चा नहीं हो सकी, चढ़ावा चोरी, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का मुद्दा गरमाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोमवार को संसद के मानसून सत्र का पहला दिन था। हालांकि पहले ही दिन संसद में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच जबरदस्त तकरार देखने को मिली। संसद के दोनों सदनों में लगातार हंगामा होता और कार्यवाही स्थगित होती रही। कुल 6 बार राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इसके बावजूद भी हंगामे की स्थिति बनी रही और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में नीट परीक्षा और कथित पेपर लीक मामले का विषय उठाया। खड़गे ने सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला है। खरगे ने पेपर लीक और नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं पर अपनी बात रखी।

ये महत्वपूर्ण विधेयक पेश

1. प्रमुख विधेयकों में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या (33 से 37) बढ़ाने के लिए सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन बिल और राष्ट्रगीत के अपमान पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान करने वाला वंदे मातरम (राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण संशोधन) बिल शामिल हैं।
2. आयकर (संशोधन) बिल, 2026ः
3. विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन बिलः
4. एमएसएमई विकास (संशोधन) बिल, 2026ः
5. विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिलः
6. जन्म और मृत्यु पंजीकरण

संसद का मानसून सत्र पहले ही दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया है। दोनों सदनों की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होने के बाद 6 बार स्थगित हुई। एक बार भी कोई सार्थक चर्चा नहीं हो सकी है। विपक्ष के बार-बार हंगामे के कारण दोनों सदनों को मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष ने चढ़ावा चोरी, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के मुद्दे को उठाया।

लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, जबरदस्त तकरार देखने को मिली

संसद में सरकार को घेरने की तैयारी में विपक्ष

राम मंदिर-पेपर लीक पर जवाब दे सरकारः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने साफ कर दिया है कि विपक्ष सदन में जनता की आवाज बनकर सरकार से हर मोर्चे पर जवाबदेही मांगेगा। हर मुद्दे पर सरकार से जवाबदेही तय करेगा। राम मंदिर पर भी जवाब दे।

एथेनॉल मिश्रण मुद्दा भी उठा

खरगे ने 3.5 करोड़ वाहन मालिकों पर जबरन थोपे गए एथेनॉल मिश्रण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार इसे एक 'प्रयोग' बता रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या जनता की कमाई की लूट ही भाजपा का एकमात्र औजार है।

शाह से मिले धर्मेंद्र प्रधान

सत्र के बीच सियासी हलचल तेज हो गई है। एक ओर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है।

आखिर क्यों? वे हमारे ही बच्चे हैं

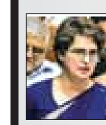

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज का विरोध किया। सरकार को घेरते हुए कहा कि विपक्ष इस विषय पर संसद में चर्चा की मांग कर रहा है।

ये सरकार नहीं अहंकार हैः अखिलेश

सपा सांसद अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि उनके सांसदों को थाने में रखा गया है।बाहर बच्चों को पीटा जा रहा है। यह कैसी सरकार है? आप बच्चों की बात सुनना नहीं चाहते। ये तो अहंकार है।

'कॉकरोच' की तरह हरकत करते प्रदर्शनकारी, संसद मार्च में जुटे हजारों लोग

राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर दिखी हुड़दंगई, जंतर-मंतर पर धक्का-मुक्की और पत्थरबाजी, झड़प में दिल्ली पुलिस का एएसआई घायल, अनशन खत्म किया

नई दिल्ली। संसद मार्च पर अड़े प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच लगातार धक्का-मुक्की हुई। राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर अफरा-तफरी की तस्वीरें सामने आई हैं और जंतर-मंतर इलाके में पत्थरबाजी की भी खबरें हैं। कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को दिल्ली में संसद मार्च निकाला और इसमें बड़ी संख्या में छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। ये सभी शिक्षा व्यवस्था में सुधार किए जाने और नीट पेपर लीक के मामले में जवाबदेही तय किए जाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान संसद परिसर से लगभग 2 किलोमीटर दूर और नीति आयोग की इमारत के पास का इलाका ढोल की थाप और हल्की बारिश के बीच 'जय भीम' सहित कई और नारों से गूंज उठा। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए भारी संख्या में रैपिड एक्शन फोर्स और दिल्ली पुलिस के जवान तैनात थे। दंगा नियंत्रण वाहनों को भी तैनात किया गया।

ढोल की थाप, हल्की बारिश और 'जय भीम' की गूंज कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में जुटे लोग

जब अनुमति नहीं थी, तो संसद मार्च की जिद क्यों? पुलिस

दिल्ली पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के लिए संसद मार्च की अनुमति नहीं दी गई थी। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी उसी दिशा में बढ़ने पर अड़े रहे। नतीजा यह हुआ कि कई जगह बैरिकेडिंग करनी पड़ी और सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती करनी पड़ी। यहीं से टकराव की स्थिति पैदा हुई। सुरक्षा कारणों से कुछ समय के लिए मेट्रो स्टेशन के कई गेट बंद कर दिए गए थे। इसके बाद वहां भारी भीड़ जमा हो गई। वीडियो में धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दिया। विरोध का असर सीधे आम नागरिकों पर पड़ा।

सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले छोड़े

शिक्षा प्रणाली में सुधार और शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों के प्रस्तावित संसद मार्च से पहले हंगामा हुआ। जंतर-मंतर के चारों तरफ बैरिकेडिंग की गई थी। संसद मार्च के दौरान

पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने तक पहुंचे प्रदर्शनकारियों को लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया गया। इसके चलते दिल्ली में संसद परिसर के अंदर सुरक्षा बढ़ा दी गई। सुरक्षाकर्मी हाई अलर्ट पर रहे।

संसद मार्ग के पास प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प, लोगों ने पत्थर फेंके

प्रदर्शनकारियों के साथ हुई झड़प में दिल्ली पुलिस का एक उप-निरीक्षक घायल हो गया। घायल पुलिसकर्मी ने बताया कि हम बैरिकेड के पास खड़े थे। प्रदर्शनकारियों की ओर से हम पर पत्थर फेंके गए। उधर, सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा, पुलिस शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर बेरहमी से कार्रवाई कर रही है और उन्हें पीट रही है। जंतर-मंतर पर भी पत्थरबाजी के आरोप लगे हैं।

वांगचुक ने अस्पताल से मांगी छुट्टी, मैं ठीक हूं

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सफदरजंग अस्पताल प्रशासन से उन्हें छुट्टी देने का अनुरोध किया। स्वास्थ्य संबंधी सभी जांच सामान्य हैं, इसलिए उन्हें 'संसद चलो' मार्च में शामिल होने की अनुमति दी जाए।

सीजेपी का दावा-गीतांजलि के बाल खींचे, मारपीट की

सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने एक्स पर दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट की गई जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि के साथ भी मारपीट की, बाले खींचे।

जंतर-मंतर को खाली कराया गया, हड़ताल खत्म

सीजेपी का प्रदर्शन मंच हटाया, सारे टेंट उखाड़े

सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक हुई। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े हैं। कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। इस बीच पुलिस ने जंतर-मंतर को खाली करा लिया है। सीजेपी के प्रदर्शन के बीच एक बड़ी खबर ये भी आई कि दीपके ने अपना अनशन खत्म कर दिया। वांगचुक पहले ही अपना अनशन खत्म करने के लिए कुछ शर्तें रख चुके हैं और अभी भी सफदरगंज हॉस्पिटल में एडमिट हैं।

खबर संक्षेप

एक परिवार के सभी ने पीया जहर, 3 की मौत

करौली। जिले के सपोटरा उपखंड के बालौती गांव की बैरवा बस्ती में सोमवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक ही परिवार के 4 सदस्यों ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। इस घटना में रामदयाल बैरवा, उनकी पत्नी राजबाई और पुत्र लक्ष्मीनारायणकी मौत हो गई, जबकि विजयराजका जयपुर के एसएमएस अस्पताल में उपचार जारी है। परिवार लंबे समय से बीमारी और उससे जुड़ी परेशानियों से जूझ रहा था।

जवाहर भवन के चौथे तल पर लगी आग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार सुबह करीब 9:40 बजे जवाहर भवन के चौथे तल पर आग लग गई। आग की लपटें और धुआं देख लोगों में अफरातफरी मच गई। कर्मचारियों की सूचना पर फायर ब्रिगेड10 बजे के करीब पहुंची और आग पर काबू पाने में जुटी। इंदिरा भवन जवाहर भवन कर्मचारी संघ के पंकज मेहरोत्रा ने बताया जहां आग व हां कैंटीन, मलेरिया विभाग हैं।

सीएम विजय पर विवादित बयान, विधायक अरेस्ट

चेन्नई। सोमवार को तमिलनाडु पुलिस ने डीएमके विधायक जी आर मार्कंडेयन को गिरफ्तार किया। विधायक ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ अपमानजनक और धमकी भरी टिप्पणी की थी। इस गिरफ्तारी के बाद, डीएमके समर्थकों ने पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी की। फिलहाल विधायक से तूतीकोरिन एसपी ऑफिस में पूछताछ की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर में बारिश ने मचाई भारी तबाही, चहुंओर नुकसान और किसान परेशान

कारगिल में फ्लैश फ्लड ने बरपाया कहर

गांदरबल में बादल फटने से कई घर, कृषि भूमि और बाग-बगीचे क्षतिग्रस्त, एक ही परिवार के 7 की मौत

एजेंसी ▶▶ गांदरबल

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश ने कई इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सोमवार को गांदरबल जिले के सफापोरा स्थित शेख मोहल्ला में बादल फटने की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कारगिल में आए फ्लैश फ्लड ने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जबकि कृषि भूमि और बाग-बगीचों को भी भारी नुकसान हुआ है। सफापोरा के शेख मोहल्ला में अचानक बादल फटने के बाद तेज बहाव के साथ पानी और मलबा रिहाइशी इलाके में घुस गया। इससे स्थानीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचा और लोगों का सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया। घटना के बाद प्रशासन ने हालात का जायजा लेना शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवारों को जल्द राहत उपलब्ध कराने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को शीघ्र बहाल करने की मांग की है।

पुंछ में भूस्खलन की चपेट में आया मकान

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 7 लोगों की मौत हो गई। रविवार को भी यहां भूस्खलन हुआ था। भाजपा के अध्यक्ष रवींद्र रैना ने घटना पर दुख जताते हुए लिखा कि पुंछ में एक घर गिर गया, जिसमें एक परिवार फंस गया। इस घटना में 6-7 लोगों की मौत होने की आशंका है।

कारगिल में कई पेड़ बह गए, मकान धराशायी

कारगिल में फ्लैश फ्लड ने कई इलाकों में तबाही मचाई है। बाढ़ के तेज बहाव से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए जबकि बड़ी मात्रा में कृषि भूमि, खेत और बाग-बगीचे प्रभावित हुए हैं। तेज पानी के बहाव में बड़ी संख्या में पेड़ भी उखड़कर बह गए, जिससे पर्यावरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा है।कई परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।नुकसान से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। प्रशासन और राहत एजेंसियां प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कर नुकसान का आकलन कर रही हैं।

हिमाचल में 3 जगह बादल फटे पांगी और लाहुल में 3 पुल बहे, लोगों ने भागकर बचाई जान

चंबा/मनाली। हिमाचल प्रदेश में मौसम कड़े तेवर दिखा रहा है। जिला चंबा के जनजातीय उपमंडल पांगी में सोमवार को 3 जगह बादल फटे। हिलु, उदीन और थांदल क्षेत्रों में बादल फटने के बाद संबंधित नालों में अचानक फ्लैश फ्लड आ गया, जिससे आसपास के क्षेत्रों में भारी तबाही मची है। उदीन नाले और हिलु नाले पर बने छोटे पुल भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। स्थानीय लोगों की आवाजाही प्रभावित हो गई है। सड़कों को भी भारी नुकसान हुआ है। लोगों ने भागकर जान बचाई। जिला लाहुल-स्पीति के जाहलमा नाले में आई बाढ़ से अस्थायी पुल बह गया है। इस कारण तांदी

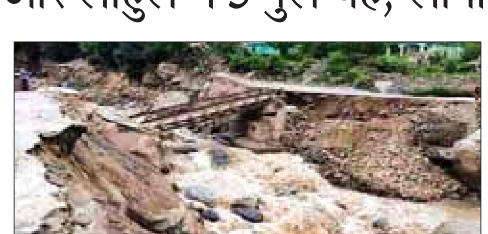

संसारी मार्ग बंद हो गया है। उदयपुर उपमंडल सहित पांगी का लाहुल घाटी से संपर्क कट गया है।

फ्लड से फसलों को नुकसान

पांगी में फ्लैश फ्लड की चपेट में आने से हिलु, उदीन और थांदल गांवों में किसानों की नगदी एवं मौसमी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। तेज बहाव के कारण खेतों में खड़ी फसलें और कृषि भूमि प्रभावित हुई हैं, जिससे किसानों को आर्थिक क्षति होने का अनुमान है।

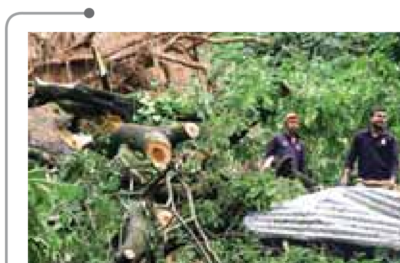

असम में बाढ़ से 1.7 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित, सेना ने ऑपरेशन जल राहत चलाया

गुवाहाटी। भारी बारिश के कारण गुवाहाटी के कई हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे कई निचले इलाके पूरी तरह से जलमग्न हो गए। मेघालय की पहाड़ियों से आने वाले पानी और वशिष्ठ नदी का जलस्तर बढ़ने से यह गंभीर स्थिति पैदा हुई है। रविवार को असम में बाढ़ की स्थिति और भी बिगड़ गई। पूर्वी और ऊपरी असम में बाढ़ का पानी सैकड़ों गांवों में घुस गया है। रेल संपर्क टूट गया है और हालात को काबू में करने के लिए सेना को बचाव कार्यों में तेजी लाते हुए ऑपरेशन जल राहत शुरू करना पड़ा है। 12 जिलों और 30 राजस्व मंडलों के 580 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे 1.7 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। 10,362 हेक्टेयर की खड़ी पानी में डूब गई है।

दावों पर एनटीए का बड़ा खुलासा

कानपुर की आर्या समेत 5 अभ्यर्थियों के आरोप गलत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी 2026 की ओएमआर शीट को लेकर सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावों पर स्पष्टीकरण जारी किया है। एजेंसी ने 5 अभ्यर्थियों के मामलों की जांच के बाद यह बयान जारी किया है। कानपुर की आर्या सिंह ने दावा किया था कि ओएमआर शीट के अनुसार उसे 609 नंबर मिलने चाहिए थे, लेकिन री- नीट के रिजल्ट में उसे 540 नंबर मिले।

मूल ओएमआर शीट सुरक्षित

एनटीए ने कहा कि उनके रिकॉर्ड में मौजूद मूल ओएमआर शीट सुरक्षित है और उसी के आधार पर परिणाम घोषित किए गए हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही कई ओएमआर शीट डिजिटल रूप से बदली गई या फर्जी हैं।

सीधे सुप्रीम कोर्ट आने की प्रथा पर भड़के सीजेआई

भले ही आज इमारत गिरे तो भी तत्काल सुनवाई नहीं होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक संपत्ति को गिराए जाने से बचाने की याचिका को तुरंत लिस्ट करने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस मामले पर सीधे सुनवाई करने से मना कर दिया और दोहराया कि याचिकाकर्ताओं को पहले संबंधित हाई कोर्ट जाना चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने उसी दिन सुनवाई की मांग करते हुए कहा कि मंजूर बिल्डिंग प्लान होने के बावजूद अधिकारी इसे गिराने की कार्रवाई कर रहे थे। निर्माण तालाब वाले इलाके में हुआ है।

संपत्ति को गिराए जाने से बचाने की याचिका पर कहा

पहले हाईकोर्ट क्यों नहीं गए

अंतरिम सुरक्षा आदेश देने से इनकार किया

सीजेआई ने तत्काल सुनवाई करने या कोई अंतरिम सुरक्षा आदेश देने से इनकार कर दिया। सीजेआई ने टिप्पणी की, अगर इसे आज पूरी तरह गिरा भी दिया जाए, तो भी मैं ऐसा नहीं करूंगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर शुरुआती स्तर पर सुनवाई नहीं करेगा। बेंच ने याचिकाकर्ता को संबंधित हाई कोर्ट में जाकर राहत पाने का निर्देश दिया।

हर दावे के तथ्यों की सुनवाई नहीं होगी

कोर्ट ने अवमानना पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है जिनमें आरोप लगाया गया था कि बुलडोजर एक्शन पर जारी गाइडलाइंस का उल्लंघन करते हुए तोड़-फोड़ की जा रही है।

सेवानिवृत्त जजों की सुविधाओं पर बनें सामान नियम, समिति गठित हो

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों और न्यायाधीशों को सेवानिवृत्ति के बाद दी जाने वाली सुविधाओं के लिए समान दिशा-निर्देश तैयार करने के उद्देश्य से एक समिति का गठन करे। पीठ ने निर्देश दिया कि यह समिति 2 सप्ताह के भीतर गठित की जाए। वह 3 महीने में सिफारिशें दे।

हरिभूमि

जबलपुर
मंगलवार, 21 जुलाई 2026

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

भारत को मिली पहली डेंगू वैक्सीन

जापानी कंपनी टाकेदा का बायोलॉजिकल ई के साथ समझौता 5 करोड़ से अधिक डोज बनेंगी

कंपनी के मुताबिक 43 देशों में इसे मंजूरी मिल चुकी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत में डेंगू से बचाव के लिए पहली बार किसी वैक्सीन को मंजूरी मिली है। जापान की दवा कंपनी टाकेदा फार्मास्युटिकल्स की डेंगू वैक्सीन क्यू डेंगा को भारत के दवा नियामक ने मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी ऐसे समय में मिली है, जब भारत में पिछले दो दशक में डेंगू के मामलों में 11 गुना बढ़ोतरी हुई है। कंपनी का कहना है कि दुनिया में डेंगू के कुल बोझ का लगभग एक-तिहाई हिस्सा भारत में है। डेंगू एक वायरल बीमारी है, जो संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलती है।

यह वैक्सीन कैसे काम करती है?

यह वैक्सीन एंटीबॉडी बनाती है। अगर व्यक्ति असली डेंगू वायरस के संपर्क में आता है, तो शरीर पहले से तैयार एंटीबॉडी की मदद से वायरस से तेजी से लड़ने की कोशिश करता है। यह वैक्सीन डेंगू वायरस के चारों प्रकारों से सुरक्षा देने के लिए बनाई गई है और इसे लगवाने के लिए पहले डेंगू होना जरूरी नहीं है। लगाने से पहले किसी तरह की जांच भी नहीं करनी पड़ती।

3 दिन पहले किया गया था लोकार्पण

11.74 करोड़ के स्टेशन की छत से झरने की तरह गिर रहा पानी

लोकार्पण के दौरान स्टेशन की सुविधाएं गिनाईं थी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ छतरपुर

पहला दृश्य उद्घाटन का, दूसरा छत से गिरते पानी का

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जुलाई को जिस रेलवे स्टेशन का वर्चुअली लोकार्पण किया था, उसके शेड से महज तीन दिन बाद ही बारिश का पानी झरने की तरह गिरने लगा। छतरपुर जिले के हरपालपुर रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 11.74 करोड़ रुपए की लागत से अपग्रेड किया गया है। इतनी लागत लगने के बाद भी प्लेटफॉर्म के शेड रविवार शाम को करीब दो घंटे हुई बारिश झेल नहीं पाए। यात्रियों को भीगने से बचने के लिए इधर-उधर हटना पड़ा। इसका वीडियो भी सामने आया है।

रामपुर नैकिन में तेज बारिश के दौरान हादसा

सीधी में कोर्ट परिसर की दीवार बारिश में ढही, दो की हुई मौत

मलबे में दबे दो लोगों की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सीधी

जिले के रामपुर नैकिन न्यायालय परिसर में सोमवार शाम बारिश के दौरान एक भवन की जर्जर दीवार ढहने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया है। शाम करीब 4 बजे अचानक शुरू हुई तेज बारिश से बचने के लिए कुछ लोग परिसर में बने एक भवन की दीवार की आड़ में खड़े हो गए थे। इसी दौरान जर्जर दीवार अचानक ढह गई और चार लोग मलबे के नीचे दब गए। सुखसेन केवट की मलबे में दबने से मौत हो गई, जबकि उनका बेटा राजेश केवट गंभीर रूप से घायल हो गया।

खबर संक्षेप

छोटे भाई-बहू को कुल्हाड़ी से काटा, 1 की मौत

मंडला। जिले के नैनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम देल्हा में सोमवार सुबह जमीन विवाद के चलते बड़े भाई रामगुलाम (57) ने अपने छोटे भाई और बहू पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में शिवदयाल जंघेला (55) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी आशा बाई गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें जबलपुर रेफर किया गया है। वारदात के बाद आरोपी खुद थाने पहुंचकर झूठी शिकायत दर्ज

सिक्किम में निर्माणाधीन सुरंग में 12 फंसे

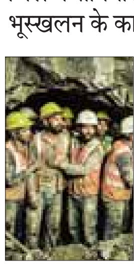

गंगटोक। सिक्किम के नामची जिले में सोमवार दोपहर को भूस्खलन के कारण एक निर्माणाधीन सड़क सुरंग का प्रवेश द्वार बंद हो गया, जिससे उसके भीतर कम से कम 12 मजदूर फंस गए। पुलिस ने बताया कि भूस्खलन के कारण समरदुंग सुरंग के अंदर संदिग्ध गैस रिसाव भी हुआ है। आपातकालीन सेवाओं की टीम बचाव कार्य कर रही हैं। अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू में थोड़ी दिक्कतें भी आई।

पुलिस ने 1,450 किलो नशीले पदार्थ नष्ट किए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जब्त किए गए 1,452 किलोग्राम नशीले पदार्थों को सोमवार को नष्ट कर दिया। इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 897 करोड़ है। 10वां मेगा मादक पदार्थ नष्ट कार्यक्रम विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में जीटी करनाल रोड पर निपटान सुविधा में आयोजित हुआ। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने अभियान चलाकर मादक पदार्थ जब्त किए थे जिन्हे नष्ट किया गया।

विमान संबंधी घटनाओं की रिपोर्ट होगी ऑनलाइन

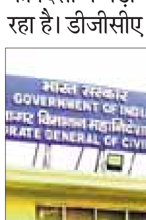

नई दिल्ली। देश में हवाई सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। डीजीसीए जल्द ही एक डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू करने जा रहा है, जिसके जरिए विमानन क्षेत्र से जुड़ी घटनाओं की रिपोर्ट ऑनलाइन दर्ज की जा सकेगी। इससे घटनाओं की जानकारी समय पर मिलेग और जांच की प्रक्रिया तेज होगी। इसके साथ ही कारणों का खुलासा जल्द हो सकेगा।

24 वें दिन पुलिस ने खाली कराया जंतर मंतर, प्रदर्शनकारियों से टकराव, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा लेने के लगे नारे

कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलनकारी 'मार्च' करते हुए संसद के करीब पहुंचे, पुलिस ने बलपूर्वक हटाया

- सीजेपी का आरोप निहत्थों को पीटा, संसद मार्च में भी लाठीचार्ज, कनॉट प्लेस में पुलिस ने पत्थर फेंके
- संसद के मेन गेट को बंद कर दिया गया, पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे
- मार्च में शामिल होने फिल्म अभिनेता प्रकाश राज आए, अभिनेत्री शबाना आजमी भी पहुंची
- उनके बाद तमिलनाडु के सीएम थलपति विजय भी वहां पहुंचे और अपना समर्थन दिया

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलनकारियों को जंतर-मंतर से हटा दिया गया है। पुलिस ने मंच खाली करा लिया है और टेंट भी निकाल दिए हैं। प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर के बाद कनॉट प्लेस से भी खदेड़ दिया गया है। इस दौरान पुलिस ने जबरदस्त लाठीचार्ज भी किया। उधर, सीजेपी ने पहले दावा किया था कि अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया गया। लेकिन बाद में पुलिस और सीजेपी दोनों ने इस बात से इनकार कर दिया।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधि सौरभ दास और आशुतोष रंका केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिले। उनका दावा है कि नड्डा ने उन्हें यह भरोसा दिलाया है कि जंतर-मंतर और उसके आस-पास अब कोई कार्रवाई नहीं होगी

मांग पत्र सौंपा

पुलिस ने पीटा भी और उठाया भी

पुलिस के एक्शन के बाद इसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई। जब बाहर ये हंगामा चल रहा था उस वक्त पीएम समेत सभी सांसद संसद में मौजूद थे

वांगचुक ने हाथ से लिखा संदेश

सरकार शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करे

सफदरजंग हॉस्पिटल से सोनम वांगचुक ने हाथ से लिखा संदेश भेजा है। इसे उनके एक्स हैंडल पर शेयर किया गया है। पोस्ट में लिखा है-मैं तब तक अनशन जारी रखूंगा, जब तक युवा नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिल जाती, या फिर मुझे यहां अस्पताल में ही सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाती।

मुझे उम्मीद है कि सरकार शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करेगी, उससे पहले नहीं। युवाओं ने उकसावे के बावजूद जिस तरह शांति बनाए रखी।

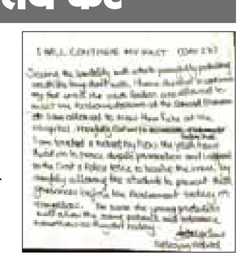

भारत के युवा अंतरिक्ष जैसी असीम ऊंचाइयां छू रहे

सुधारों से मिला नया हौसला

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की प्रगति में युवाओं की भूमिका की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप संस्कृति और नवाचार (इनोवेशन) के बल पर भारत के युवा लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक भारतीय नागरिक की पहुंच और निजी स्पेस स्टार्टअप 'स्काईरूट' की सफलता का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि कम उम्र के नवप्रवर्तकों ने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का परचम लहराया है।

युवाओं की अपेक्षा है कि संसद में सार्थक चर्चा हो

पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी सांसदों से संसद के सुचारू संचालन में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं की अपेक्षा है कि संसद में सार्थक चर्चा हो और राष्ट्रहित के मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाए।

राहुल गांधी बोले- यह युवा विरोधी सरकार

सीजेपी प्रदर्शन के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सरकार को युवा विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि सरकार 152 पेपर लीक मामलों में अपराधियों को सजा देने के बजाए आवाज उठाने वाले मेहनती छात्रों पर लाठियां चला रही है।

हाई कोर्ट में सुनवाई 27 जुलाई तक टली

ज्योतिरादित्य को मिल सकती है पैलेस व शिवपुरी की संपत्ति

बुआओं के दावे का रिकॉर्ड नहीं पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ ग्वालियर

सिंधिया राजघराने की अरबों-खरबों रुपए की पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे को लेकर सोमवार को होने वाली महा-समझौते की सुनवाई फिर टल गई है। हाई कोर्ट से बुआओं के दावे का रिकॉर्ड न पहुंच पाने के कारण अब इस मामले पर 27 जुलाई को सुनवाई होगी।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की ओर से जिला न्यायालय में पेश इस समझौता प्रस्ताव पर उनकी बुआओं-वसुंधरा राजे, यशोधरा राजे और ऊषा राजे के बीच अंतिम सहमति बन चुकी है। इस समझौते का मुख्य आधार जो जहां काबिज है, वही उसका मालिक होगा रखा गया है, जिससे वर्तमान में जयविलास पैलेस और शिवपुरी की संपत्तियां ज्योतिरादित्य सिंधिया के पास रहने की संभावना है। वहीं, दिल्ली की सिंधिया पॉटरीज स्थित कोठियों पर बुआओं का मालिकाना हक तय होगा।

इनके बीच है सीधा विवाद

ग्वालियर जिला न्यायालय में पेश दावों के अनुसार यह महा-समझौता मुख्य रूप से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, वसुंधरा राजे सिंधिया, ऊषा राजे राणा, यशोधरा राजे सिंधिया, कनिका देवी, प्रतिमा देवी और चित्रांगदा राजे के बीच होने जा रहा है। बुआओं की ओर से अगले सप्ताह कोर्ट में आवेदन दाखिल होने की संभावना है, जिसके बाद कोर्ट इस पर अपनी अंतिम सील लगा देगा। सबसे ज्यादा मुकदमे मुंबई की अदालतों में लंबित हैं, जबकि ग्वालियर में भी 5 केस चल रहे हैं, जो अब वापस ले लिए जाएंगे।

वार्ड में दुर्गंध फैली तो मरीजों ने दी सूचना

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के स्टोर रूम में मिला शव

■ कुंडी तोड़ अंदर पहुंची पुलिस

सागर। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अस्थि रोग वार्ड नंबर 14 के अंदर बने स्टोर रूम में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर मोर्चरी भेजा है।

शव दो दिन से अधिक पुराना होना बताया जा रहा है। बीएमसी के वार्ड 14 में दुर्गंध आ रही थी। वार्ड में भर्ती मरीजों ने प्रबंधन को सूचना दी। स्टाफ ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो पता चला कि दुर्गंध स्टोर रूम के अंदर से आ रही है। संदेह पर गोपालगंज थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और स्टोर रूम का दरवाजा खुलवाया। पुलिस ने देखा तो दंग रह गई। स्टोर रूम में पुरुष का शव पड़ा था।

भैरव घाट पर ट्रैवलर ने बाइक को रौंदा

दो की मौके पर मौत, बेकाबू होकर खाई में पलटा

■ मार्ग पर लगा जाम, लोग हुए परेशान

महू। इंदौर-इच्छापुर मार्ग स्थित सिमरोल थाना क्षेत्र के भैरव घाट पर सोमवार को तेज रफ्तार टेंपो ट्रैवलर ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर मारने के बाद टेंपो ट्रैवलर बेकाबू होकर सड़क किनारे बनी गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और घटनास्थल के पास भारी भीड़ जुट गई। हादसे की सूचना मिलते ही सिमरोल थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। दुर्घटना के कारण इंदौर-इच्छापुर मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

दिनदहाड़े वकील की हत्या

जमीन विवाद में की फायरिंग भाई-भतीजे समेत 3 पर आरोप

■ गर्दन और सीने पर साधा निशाना

डबरा। ग्वालियर जिले के डबरा में डेढ़ बीघा जमीन के विवाद ने खूनी रूप ले लिया। दिनदहाड़े वकील रतन सिंह यादव पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर उनकी हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उनकी गर्दन और छाती में तीन गोलियां मारीं।

गंभीर हालत में उन्हें ग्वालियर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हत्या का आरोप चचेरे भाई, भतीजे समेत तीन रिश्तेदारों पर लगा है। सभी आरोपी वारदात के बाद फरार हैं। परिजनों के मुताबिक, भितरवार में हरसी रोड स्थित करीब डेढ़ बीघा विवादित जमीन को लेकर रतन सिंह यादव का अपने रिश्तेदारों से कोर्ट में मामला चल रहा था।

रेत कारोबार से जुड़ी रंजिश, परिजन बोले- जांच जरूरी, किया चक्काजाम

सभी युवक हाथीनाला वाटरफॉल घूमने गए थे, लौटते समय वे सड़क किनारे खड़े होकर तस्वीरें ले रहे थे तभी हाईवा आ चढ़ा

हाईवा की टक्कर में पांच की मौत... क्या हादसा या हत्या?

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नरसिंहपुर

जिले में रविवार शाम इंदिरा नगर के पास सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मृतक युवकों के परिजन ने हत्या की आशंका जताई है। आरोप है कि घटना अवैध रेत कारोबार से जुड़ी रंजिश का परिणाम है।

घटना से गुस्साए लोगों ने दोपहर में एंबुलेंस में शव रखकर पांवला तिराहे पर चक्काजाम कर दिया। शाम करीब 5 बजे सभी का अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि हाईवा चालक को गिरफ्तार किया जाकर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। घटनास्थल पर नरसिंहपुर व जबलपुर पुलिस बल तैनात रहा। मृतक राजेंद्र पटेल के भाई प्रेमसिंह पटेल का कहना है कि उन्हें संदेह है कि उनके भाई की मौत सड़क हादसे में नहीं, बल्कि पुरानी रंजिश के चलते जानबूझकर की गई हत्या है। प्रत्यक्षदर्शी सतीश पटेल ने घटना का विवरण दिया।

हाईवे पर जुटी भीड़

उन्होंने बताया कि सभी युवक हाथीनाला वाटरफॉल घूमने गए थे। लौटते समय वे सड़क किनारे खड़े होकर तस्वीरें ले रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार हाईवा आया और सीधे युवकों को टक्कर मारते हुए आगे निकल गया। हम लोग छह-सात व्यक्ति सड़क किनारे खड़े थे और एक साथी फोटो ले रहा था। तभी अचानक हाईवा आया और सीधे हम लोगों पर चढ़ गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हम लोग उछलकर दूर जा गिरे और उसके बाद बेहोश हो गए।

रात 3 बजे हाईवा जंगल में मिली

मृतकों के परिजनों और साथियों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचकर परिजनों से चर्चा की जाएगी और यदि संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई तो राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी तक इस मामले को लेकर हत्या या साजिश संबंधी किसी आशंका की पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस ने जब सर्चिंग की तो हाईवा दूर जंगल में खड़ी मिली। ड्राइवर फरार है। वह कौन है? पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है।

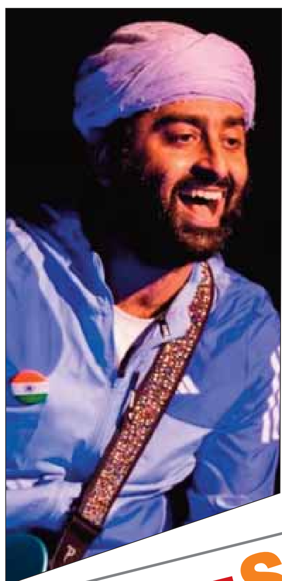

पांच महीने बाद चुपके से अरिजीत ने किया कमबैक

मुंबई। बॉलीवुड की कुछ चुनिंदा आवाजे ऐसी हैं जिन्हें सुनने के लिए फैन्स हमेशा बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन, जैसे ही उन्होंने इंडस्ट्री को अलविदा कहा, फ़ैन्स की उम्मीदें डूबने लगीं। अब एक प्लेबैक सिंगर ने चुपके से अपना रिटायरमेंट प्लान कैंसिल कर दिया है और करीब 5 महीने बाद बॉलीवुड में वापसी की है। सिंगर अरिजीत का यह कमबैक फैन्स को सरप्राइज करने के साथ-साथ खुश भी करने वाला है। अरिजीत सिंह ने 27 जनवरी को अपने रिटायरमेंट की घोषणा की थी। खबरों के मुताबिक, यह मशहूर सिंगर इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'आवारापन 2' के लिए प्लेबैक सिंगिंग में लौट आए हैं।

लाइफ Style

ऐश्वर्या

पहली बार पूर्वोत्तर की सुंदरी को खिताब

जयपुर में आयोजित मिस टीन दिवा 2026 के फिनाले में मेघालय की ऐश्वर्या मलंग को 'मिस टीन अर्थ इंडिया 2026' का ताज पहनाया गया है। यह पहली बार है कि पूर्वोत्तर की सुंदरी को खिताब दिया गया है। 'मिस टीन अर्थ इंडिया 2026' का ताज मेघालय की ऐश्वर्या मलंग के सिर सजा है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

ऐश्वर्या मलंग यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली नॉर्थ ईस्ट से पहली प्रतिभागी हैं। बता दें कि मिस टीन दिवा 2026 का ग्रैंड फिनाले जयपुर में आयोजित हुआ था। इस जीत के साथ ऐश्वर्या 'मिस टीन अर्थ' के इंटरनेशनल स्टेज पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। ऐश्वर्या के अलावा स्निग्धा भुयान मिस टीन ग्रैंड इंडिया 2026 और प्रासुसी मिस टीन यूनिवर्स इंडिया 2026 बनी हैं। मिस टीन अर्थ इंडिया 2026 विनर ऐश्वर्या मलंग का कहना है, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, क्योंकि मैं हमेशा से मेघालय को रिप्रेजेंट करना चाहती थी'। उन्होंने आगे कहा, 'मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। मैं लोगों से बस यही कहूंगी, अगर आप कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आगे बढें। कोई आपको नहीं रोक सकता। जो अच्छा लगे, वह करो'। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, 'मिस टीन अर्थ इंडिया 2026' की विजेता ऐश्वर्या मलंग ने कहा है, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, क्योंकि मैं हमेशा से नेशनल लेवल पर मेघालय को रिप्रेजेंट करना चाहती थी और अब जब मैं जीत गई हूं, तो मुझे बहुत खुशी हो रही है। मुझे कई उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा, क्योंकि मुझे दो बार नीट की परीक्षा देनी थी।

हॉलीवुड मसाला

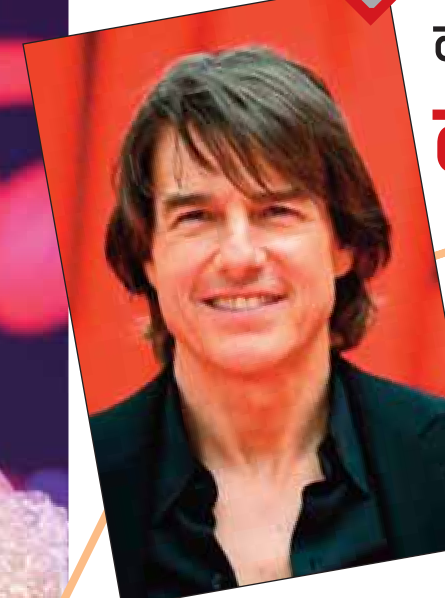

टॉम की डिगर का नया वीडियो जारी

लॉस एंजिल्स। टॉम क्रूज की अपकमिंग फिल्म 'डिगर' के मेकर्स ने एक नया प्रमोशनल वीडियो जारी किया है। इसमें एक्टर अपने किरदार डिगर रॉकवेल के रूप में नजर आ रहे हैं। यह वीडियो न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्लोजिंग सेरेमनी में क्रूज के शामिल होने से पहले आया है। शेयर किए गए इस वीडियो में क्रूज डिगर रॉकवेल के रूप में दिखते हैं और फुटबॉल के कुछ सबसे बड़े नामों जैसे पेले, डिएगो माराडोना, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी का जिक्र करते हुए एक पैगाम देते हैं।

स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे 30 को होगी रिलीज

नई दिल्ली। दुनिया भर के स्पाइडर-मैन फैंस के लिए खुशखबरी है। टॉम हॉलैंड की अगली फिल्म 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' 30 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है। डायरेक्टर डेस्टिन डेनियल क्रेटन की ये फिल्म पीटर पार्कर की जिंदगी में एक ब्रांड न्यू चैप्टर ला रही है। दुनिया पीटर को भूल चुकी है, लेकिन वह अकेले न्यूयॉर्क की सड़कों पर स्पाइडर-मैन बनकर अपराध से लड़ रहा है। नया दुश्मन भी सामने आ चुका है। स्पाइडर-मैन मारवल का वो सुपरहीरो है जिसकी दीवानगी दुनिया भर में है। फिल्म में टॉम हॉलैंड पीटर पार्कर/स्पाइडर-मैन की भूमिका में वापसी कर रहे हैं। जेंडाया एमजे के रूप में नजर आएंगी। जैकब बटालोन नेड लीड्स बनेंगे. सैडी सिंक (स्ट्रेंजर थिंग्स) की भूमिका को लेकर काफी चर्चा है।

मां अनुराधा की विरासत संभाल रहीं कविता

नई दिल्ली। बॉलीवुड की सुरम्य आवाजों और मशहूर भजन गायिका अनुराधा पौडवाल की विरासत को आगे बढ़ा रहीं उनकी बेटी कविता पौडवाल इन दिनों अपनी एक नई पहल से काफी चर्चा में हैं। अपनी मां के दिखाए रास्ते पर चलते हुए कविता भक्ति संगीत की दुनिया में एक बड़ा नाम बन चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कविता ने अपने निजी जीवन के दुखद दौर, मां से मिली सीख, और युवाओं के लिए उनके खास प्रोजेक्ट्स पर खुलकर बात की। कविता पौडवाल इन दिनों भारत समेत कई देशों में कीर्तन क्लबिंग के जरिए युवाओं को भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से जोड़ रही हैं। इस कॉन्सर्ट फॉर्मेट को दुनिया भर में शानदार रिस्पांस मिल रहा है। कविता ने बताया कि आज की युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ना चाहती है।

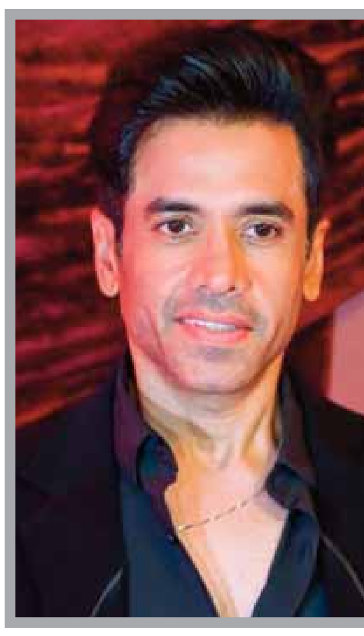

प्रकाश की जनादेश को लेकर उत्साहित

मुंबई। तुषार कपूर अपनी आने वाली नई फिल्म 'जनादेश' को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म की खास बात यह है कि तुषार पहली बार मशहूर निर्देशक प्रकाश झा के साथ काम कर रहे हैं। तुषार के करियर की यह पहली पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे होने पर तुषार कपूर ने अपनी नई फिल्म 'जनादेश' के बारे में खुलकर बात की। तुषार ने कहा, 'फिल्म 'जनादेश' देश के राजनीतिक माहौल पर बनी एक गंभीर और गहरा असर छोड़ने वाली कहानी है।' तुषार ने आगे कहा, 'हालांकि, यह फिल्म आज के समाज का आईना है। प्रकाश झा जैसे बेहतरीन डायरेक्टर के साथ काम करना और ऐसा दिलचस्प किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल नया और अनोखा अनुभव है।' फिल्म 'जनादेश' के निर्देशक प्रकाश झा हैं।

टीवी मसाला

सलमान से लेकर गांगुली तक ये सितारे होंगे बिग बॉस के होस्ट

नई दिल्ली। कई वर्षों से शो 'बिग बॉस' हिंदी दर्शकों का पसंदीदा रहा है। इसे अक्सर बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने होस्ट करते रहे हैं। अब इसके नए सीजन की घोषणा हुई है। सलमान खान 'बिग बॉस 20' के होस्ट के तौर पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। यह रियलिटी शो भारत भर में अपने छठे सीजन के लिए तैयार हो रहा है। सलमान के साथ होस्ट की लिस्ट में विजय सेतुपति (तमिल), नागार्जुन (तेलुगु), किच्चा सुदीपा (कन्नड़) और मोहनलाल (मलयालम) शामिल हैं। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली बांग्ला सीजन के होस्ट के तौर पर डेब्यू करेंगे। पहली बार 'बिग बॉस' के हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और बांग्ला सीजन एक साथ सितंबर में शुरू होंगे। इस खास मौके पर जियो स्टार ने 'इंडियाज बिग रियलिटी' नाम की एक कॉफी-टेबल बुक लॉन्च की है। यह किताब पिछले दो दशकों में इस रियलिटी शो के सफर और इसके कल्चरल असर को दिखाती है। 2025 में यह शो 500 मिलियन से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचा। इसने 438 बिलियन से ज्यादा व्यूइंग मिनट्स हासिल किए। अपने छह भाषाओं के सीजन में दर्शकों की भागीदारी में साल-दर-साल 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। इस कामयाबी पर बयान देते हुए टीवी एंटरटेनमेंट सेल्स के हेड महेश शेट्टी ने कहा 'पिछले दो दशकों में, बिग बॉस ने लगातार खुद को नए सिरे से पेश किया है। यह फेस्टिव सीजन हमारे लिए अब तक का सबसे बड़ा मील का पत्थर है। यह शो का अब तक का सबसे बड़ा सेलिब्रेशन बन गया है।' 'बिग बॉस' के छह सीजन सितंबर 2026 से जियो स्टार टेलीविजन नेटवर्क पर शुरू होंगे।

लॉकअप 2 में किसिंग पर हुई कंट्रोवर्सी!

नई दिल्ली। शो 'लॉकअप' का दूसरा सीजन चल रहा है। इसमें खूब ड्रामा और लड़ाई-झगड़े देखने को मिल रहे हैं। हालिया एपिसोड में श्रेया कालरा का गुस्सा राम कपूर पर फूटा है। अभिनेता के बार-बार किस करने पर वे बुरी तरह झल्ला गई हैं। दरअसल, 'लॉकअप 2' में राम कपूर ने श्रेया कालरा को किस किया था। इससे श्रेया काफी असहज हो गई थीं। हालांकि, उस वक्त उन्होंने कुछ कहा नहीं था। मगर, अब हाल ही में उन्होंने सवाल उठाया है। 'लॉकअप 2' में बीते हफ्ते देखने को मिला था कि राम कपूर और श्रेया कालरा ने साथ में गेम खेला। इस दौरान श्रेया बतौर कंट्रोलर खेलीं। वहीं, राम कपूर उनके डिपेंडेंट बने। इस दौरान राम को एविक्शन से बचाने के लिए टास्क में श्रेया जीतीं। टास्क जीतने के बाद राम कपूर इतने उत्साहित हो गए कि उन्होंने श्रेया को किस किया। एक्टर ने श्रेया को माथे पर और गाल पर कई बार किस की, जिससे श्रेया काफी असहज हो गई थीं।

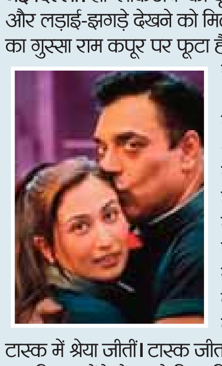

पायलें चुनमुन... गाने वाली इस सिंगर के नाम हैं छह नेशनल अवॉर्ड, बेटी की मौत ने दिया था सदमा

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के म्यूजिक को आगे ले जाने में महिला सिंगर्स की अहम भूमिका रही है। जब भी टॉप सिंगर्स का जिक्र होता है तो लता मंगेशकर, आशा भोसले, गीता दत्त, सुमन कल्यानपुरी, अल्का याग्निक, अनुराधा पौडवाल का नाम सबसे ऊपर आता है। लेकिन एक ऐसी भी सिंगर हुई हैं जिन्होंने हिंदी फिल्मों के लिए गाना गाने से पहले ही अपने नाम 3 नेशनल अवॉर्ड किए हुए थे। बाद में इन नेशनल अवॉर्ड की संख्या 3 से बढ़कर 6 हो गई। इस महिला सिंगर का नाम है केएस चित्रा।

डेब्यू से पहले नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी थीं

केएस चित्रा सालों से गायिकी कर रही हैं। हिंदी फिल्मों में अपने सिंगिंग डेब्यू से पहले साउथ फिल्मों में गाना गाने के लिए उन्होंने 3 नेशनल अवॉर्ड अपने नाम कर लिए थे। 1985 में उन्हें हिंदी फिल्मों में मौका मिला, लेकिन बड़ी पहचान नहीं। लेकिन फिर फिल्म लव में गाए उनके एक गाने ने हिंदी ऑडियंस को भी उनका फैन बना दिया।

अनिल और तब्बू ने निभाया लीड रोल : विरासत में अनिल कपूर और तब्बू ने लीड रोल निभाया था। गाना 'पायलें चुनमुन चुनमुन' तब्बू पर फिल्माया गया जो जबरदस्त हिट हुआ। फिल्म में गाना बिना किसी म्यूजिक के शुरू होता है और ऐसा लगता है जैसे सिंगर चित्रा की आवाज गानों में घुल गई है। चित्रा की ही आवाज में फिल्म क्रिमिनल का गाना 'तुम मिले दिल खिले'भी खूब हिट हुआ था।

इन गानों ने हिंदी फिल्मों में दिलाई पहचान

1991 में सलमान खान और रेवती की फिल्म लव आई थी। इस फिल्म में एक गाना था 'साथिया तूने क्या किया'। ये गाना सलमान के लिए एसपी बालासुब्रमण्यम ने गाया था और रेवती की आवाज बनीं थीं चित्रा। इसके बाद फिल्म रोजा में सिंगर ने एआर रहमान के बने संगीत में गाना गया 'ये हसीं वादियां' गाया। इसके बाद फिल्म बॉम्बे का गाना 'कहना ही क्या' और 1997 में आई फिल्म विरासत के गाने 'पायलें चुनमुन चुनमुन' के लिए चित्रा ने अपने जीवन का चौथा और पांचवा नेशनल अवॉर्ड जीता।

बेटी की हुई मौत : सिंगर चित्रा की जिंदगी में सब कुछ ठीक चल रहा था। फिर कुछ ऐसा हुआ जब उनकी दुनिया ही बदल गई। चित्रा की इकलौती बेटी की एक हादसे में मौत हो गई। साल 2011 की बात है, जब चित्रा अपने परिवार के साथ दुबई के एक होटल में रुकी हुई थीं। उस समय सिंगर एआर रहमान के कॉन्सर्ट में परफॉर्म करने के लिए दुबई पहुंची थीं। इस दौरान होटल के स्विमिंग पुल में डूबने की वजह से उनकी 8 साल की बेटी नंदना का निधन हो गया था। इस सदमे ने सिंगर को अंदर तक तोड़ दिया था, लेकिन संगीत ने उन्हें हिम्मत दी और वो वापसी कर पाई।

छत्रपति शिवाजी महाराज में दिखेगा हॉलीवुड लेवल का एक्शन

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता संदीप सिंह अपनी आने वाली बड़ी ऐतिहासिक फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराज' को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेता ऋषभ शेट्टी छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाते नजर आएंगे. अब इस फिल्म को और खास बनाने के लिए निर्माताओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की एक्शन टीम को शामिल किया है, जो फिल्म के युद्ध और एक्शन दृश्यों को शानदार बनाने पर काम करेगी. फिल्म के लिए मशहूर स्टंटमैन मार्क हेंसन को बुलाया गया है, जो गेम ऑफ थ्रोन्स, वाइकिंग्स, द विचर और ग्रेविटी जैसे चर्चित अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

हॉलीवुड स्टंटमैन : मार्क हेंसन फिल्म में बड़े स्तर के वॉर सीन्स को तैयार करने की जिम्मेदारी संभालेंगे। मार्क हेंसन के अलावा इस स्टंट टीम में व्लाद रिमबर्ग भी शामिल हैं, जिन्होंने द फेट ऑफ द फ्यूरियस, ब्लडशॉट और लूसिफर जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया है। वहीं, इस टीम को और मजबूत बनाते हुए क्रेग मैकरे भी जुड़े हैं, जिनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव 'ट्रॉयः फॉल ऑफ अ सिटी' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स तक फैला हुआ है।

500 करोड़ का बजट

निर्माताओं की ओर से जारी बयान के अनुसार, फिल्म का मकसद मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस, नेतृत्व क्षमता और सैन्य कौशल को बड़े पर्दे पर भव्य रूप में पेश करना है। फिल्म को इस तरह बनाने की तैयारी है कि यह भारत के साथ-साथ दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंच सके.'द प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराज' को करीब 500 करोड़ रुपए के बड़े बजट में बनाया जा रहा है।

मुसाफिर कैफे से आदर्श बाल विद्यालय तक...

इस वीक ओटीटी पर रहेगी बहार, रिलीज होंगी ये फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। इन दिनों सिनेमाघरों में धमाल 4 से लेकर वेलकम टू द जंगल और हॉलीवुड फिल्म द ओडिसी लगी हैं। वहीं, इस हफ्ते द इंडिया स्टोरी से लेकर दुल्हनिया ले आएगी तक नई फिल्में भी थिएटर्स में रिलीज होंगी। इस बीच ओटीटी पर भी इस वीक कई अच्छे विकल्प मौजूद होंगे।

मुसाफिर कैफे

विक्रांत मैसी, वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना की 'मुसाफिर कैफे' इस वीक ओटीटी पर दस्तक देगी। यह सीरीज चंदर (विक्रांत मैसी) और सुधा (वेदिका पिंटो) और प्रीति (महिमा मकवाना) के इर्द-गिर्द है। यह रोमांटिक सीरीज 24 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। 'मुसाफिर कैफे' दिव्य प्रकाश दुबे के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है।

आदर्श बाल विद्यालय

हिमांक गौर के निर्देशन में बनी कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' भी इस वीक की लिस्ट में हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली है। सीरीज में केके मेनन, अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी, अजितेश गुप्ता, अन्नपूर्णा सोनी, प्राची शाह और अभिमन्यु सिंह नजर आएंगे। सात एपिसोड वाली सीरीज 24 जुलाई से भारत और दुनिया भर में हिंदी भाषा और अंग्रेजी सबटाइटल के साथ स्ट्रीम होगी।

पल्लीचट्टंबी

टोविनो थॉमस और कायाडू लोहार की मलयालम भाषा की पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म पल्लीचट्टंबी भी ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह 15 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब 24 जुलाई से इसे सोनी लिव पर स्ट्रीम किया जाएगा।

ब्लीच-थाउजेंड-ईयर ब्लड वॉर

यह सीरीज 25 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस शो की पूरी कहानी सोल रीपर्स और क्विंसी साम्राज्य की आपसी दुश्मनी के इर्द-गिर्द घूमती है।

स्टुअर्ट फेल्स टू सेव द यूनिवर्स

स्टुअर्ट फेल्स टू सेव द यूनिवर्स भी 24 जुलाई से ओटीटी पर आ रही है। यह द बिग बैंग थ्योरी के स्पिन-ऑफ के रूप में बनी साइंस-फिक्शन कॉमेडी सीरीज है, जिसके 10 एपिसोड्स हैं। इसमें स्टुअर्ट ब्लूम (केविन सुसमन) को एक बहु-ब्रह्मांडीय संकट से दुनिया को बचाना है। यह जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

रैनसम कैन्यन सीजन 2

यह रोमांटिक वेस्टर्न ड्रामा सीरीज है। सीरीज का यह दूसरा सीजन है, जिसमें आठ एपिसोड होंगे। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर 23 जुलाई से स्ट्रीम होगी।

द डेट कलेक्टर : नादेच कुगिमिया और दाओ पिट्टाया साएचुअ की मुख्य भूमिका वाली थाई फिल्म 'द डेट कलेक्टर' भी इस वीक आएगी। यह ऐसे शख्स की कहानी है, जो पहले अंडरग्राउंड डेट कलेक्टर था और अब लाइलाज बीमारी से जूझ रहा है। यह एक्शन फिल्म 23 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर आएगी।

72 आवर्स

यह एक अमेरिकी कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन टिम स्टोरी ने किया है। इसमें केविन हार्ट लीड रोल में हैं। उनके अलावा मार्सेलो हर्नांडिज, मेसन गुडिंग, कैम पैटरसन, बेन मार्शल सहित कई और सितारे भी हैं। यह फिल्म 24 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

द डिंक

यह एक स्पोर्ट्स कॉमेडी फिल्म है, जो पिकलबॉल खेल पर बेस्ड है। इसमें एक असफल टेनिस खिलाड़ी (जेक जॉनसन) अपने पिता के कंट्री क्लब को बचाने और उनका सम्मान पाने के लिए इच्छा न होने पर भी पिकलबॉल खेलता है। यह फिल्म 24 जुलाई से ओटीटी प्लेटफॉर्म एप्पल टीवी पर स्ट्रीम होगी।

अब मंगलवार की दोपहर में होगी अगली सुनवाई

हाईकोर्ट में 27% ओबीसी आरक्षण पर सुनवाई जारी

सामान्य वर्ग ने रिपोर्ट, आंकड़ों और पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन पर उठाए सवाल

जबलपुर। मप्र उच्च हाईकोर्ट में 27 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण से जुड़े मामलों की मैराथन सुनवाई सोमवार को भी जारी रही। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच के समक्ष हुई इस सुनवाई में पूरे समय सामान्य वर्ग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप संचेती ने दलीलें रखीं। दूसरी डिवीजन बेंच होने के कारण कोर्ट में बहस शाम 4 बजे तक ही चल सकी, जो अब मंगलवार दोपहर 2:30 बजे से दोबारा शुरू होगी। सुनवाई के दौरान सामान्य वर्ग के अधिवक्ता ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन पर ही सवाल खड़े किए। उन्होंने तर्क दिया कि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय को सर्वे का काम आयोग की वर्ष 2022 की रिपोर्ट के आधार पर सौंपा गया था, लेकिन आयोग का गठन स्वतंत्र नहीं था क्योंकि इसके तीनों सदस्य विधायक थे। नियमों के विपरीत अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व न होने से इसकी कार्यप्रणाली राजनीतिक प्रभाव से मुक्त नहीं मानी जा सकती।

महाजन आयोग की 40 साल पुरानी रिपोर्ट पर सवाल

अदालत को बताया गया कि वर्ष 1983 की महाजन आयोग रिपोर्ट के बाद किसी भी आयोग (राष्ट्रीय या मंडल आयोग) ने नया सामाजिक और शैक्षणिक डेटा एकत्र नहीं किया। इसके बावजूद सरकार ने 40 वर्ष पुरानी रिपोर्ट के आधार पर 2019 में संशोधन किया। केवल जनसंख्या के आधार पर आरक्षण बढ़ाना सुप्रीम कोर्ट के इंदिरा साहनी फैसले की भावना के विपरीत है।

अंबेडकर यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट पर हाई कोर्ट की टिप्पणी

बहस में डॉ. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी के 10 हजार लोगों (सभी ओबीसी) पर किए गए सर्वे के सीमित दायरे और एआईएसएचई (ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन) के राष्ट्रीय आंकड़ों का हवाला दिया गया। इस पर डिवीजन बेंच ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि यूनिवर्सिटी को सामाजिक स्थिति का अध्ययन करना था, तो केवल ओबीसी ही नहीं बल्कि सभी वर्गों का डेटा एकत्र करना चाहिए था ताकि निष्पक्ष तुलना संभव हो पाती। इसके अलावा लेबर फोर्स के आंकड़ों का हवाला देते हुए सामान्य वर्ग ने तर्क दिया कि रिपोर्ट में केवल ओबीसी के आधार पर अतिरिक्त आरक्षण की आवश्यकता साबित नहीं होती।

मां को बच्चे से मिलने से नहीं रोक सकते : हाई कोर्ट

जन्म प्रमाणपत्र और अस्पताल के रिकार्ड का सत्यापन कर पेश करें जवाब, 24 जुलाई तक रोज दो घंटे मुलाकात की अनुमति

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश में साफ किया कि महज संदेह के आधार पर किसी महिला को उसके बच्चे से मिलने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। यदि मातृत्व पर शंका है तो संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन कर तथ्य सामने लाए जाएं। कोर्ट ने दमोह निवासी रीना की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य शासन को जन्म प्रमाणपत्र और अस्पताल के रिकार्ड का सत्यापन कर जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अंतरिम राहत देते हुए याचिकाकर्ता को अगली सुनवाई तक प्रतिदिन सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक बच्चे से मिलने की अनुमति प्रदान की है।यह है मामला :याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अभिनव दुबे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिका के साथ बच्चे का जन्म प्रमाणपत्र तथा जिला अस्पताल, दमोह की डिस्चार्ज टिकट प्रस्तुत की गई है, जिससे स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता ने ही बच्चे को जन्म दिया। इसके विपरीत संबंधित प्राधिकारी ने मातृत्व पर संदेह जताते हुए कहा कि अभिलेख पर्याप्त नहीं हैं। राज्य की ओर से शासकीय अधिवक्ता प्रभांशु शुक्ला ने कोर्ट को बताया कि इस संबंध में विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने के लिए समय चाहिए। इस पर अदालत ने तीन दिन का समय देते हुए निर्देश दिया कि सभी दस्तावेजों का सत्यापन कर तथ्यात्मक जवाब प्रस्तुत किया जाए।

सैलानियों का इंतजार खत्म भेड़ाघाट का ग्लास ब्रिज तैयार

निर्माण पूरा, उद्घाटन की औपचारिकताएं बाकी

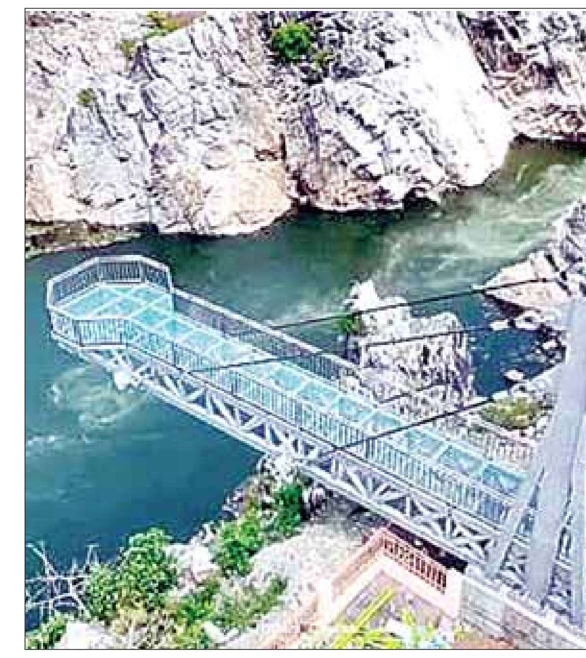

जबलपुर। भेड़ाघाट आने वाले सैलानियों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार अब जल्द खत्म होने वाला है। न्यू सरस्वती घाट पर 4.76 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया ग्लास ब्रिज पूरी तरह तैयार हो चुका है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अब केवल प्रशासनिक औपचारिकताएं शेष हैं। कलेक्टर के निरीक्षण और अंतिम स्वीकृति के बाद इसे जबलपुर टूरिज्म प्रमोशन काउंसिल (जेटीपीसी) को संचालन के लिए सौंप दिया जाएगा। मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम की इस महत्वाकांक्षी परियोजना से भेड़ाघाट के पर्यटन को नई पहचान मिलने की उम्मीद है। धुआंधार जलप्रपात, मार्बल रॉक्स, नौकायन और रोप-वे के बाद अब ग्लास ब्रिज पर्यटकों के लिए नया आकर्षण बनेगा। यहां से पर्यटक संगमरमर की घाटियों और नर्मदा नदी के विहंगम दृश्य का रोमांचक अनुभव ले सकेंगे।

सुरक्षा परीक्षण के बाद ही मिलेगा प्रवेश

अधिकारियों के मुताबिक परियोजना को शुरू करने से पहले सभी सुरक्षा मानकों की अंतिम जांच की जाएगी। बरगी बांध क्रूज हादसे के बाद पर्यटन स्थलों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी कारण ग्लास ब्रिज का संचालन तभी शुरू होगा, जब सभी तकनीकी परीक्षण और सुरक्षा संबंधी औपचारिकताएं पूरी हो जाएंगी।

18 मीटर का कैंटीलीवर बनेगा आकर्षण का केंद्र

ग्लास फ्लोर तकनीक से तैयार इस ब्रिज में करीब 18 मीटर लंबा कैंटीलीवर व्यू प्वाइंट बनाया गया है। छह फीट चौड़े इस हिस्से से पर्यटक नर्मदा नदी और संगमरमर की घाटियों का अद्भुत नजारा देख सकेंगे। आधुनिक सुरक्षा रेलिंग और अन्य व्यवस्थाओं से लैस यह ब्रिज प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी अलग पहचान बनाने की ओर अग्रसर है।

रात होते ही 'बंद' हो जाता है विक्टोरिया अस्पताल?

चाकूबाजी के घायल को बिना इलाज मेडिकल भेजा, मुलाहजा तक नहीं बनाया

जबलपुर। शहर की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर रविवार रात एक ऐसी घटना ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए, जिसने गोल्डन ऑवर में इलाज की पूरी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। आरोप है कि चाकूबाजी में घायल एक युवक को उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल लाया गया, लेकिन यहां न तो उसका प्राथमिक उपचार किया गया और न ही पुलिस कार्रवाई के लिए आवश्यक मुलाहजा रिपोर्ट बनाई गई। अस्पताल से उसे यह कहकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया कि ऑपरेशन करने वाला डॉक्टर उपलब्ध नहीं है।

परिजन घायल को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे तो वहां भी उन्हें करीब दो घंटे तक इंतजार करना पड़ा। बताया गया कि पहले मुलाहजा रिपोर्ट होनी चाहिए। इस तरह घायल युवक इलाज और कानूनी प्रक्रिया के बीच भटकता रहा, जबकि हर मिनट उसकी जान पर भारी पड़ सकता था।

घटना की जानकारी जब जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी को दी गई तो उन्होंने मामले की जानकारी लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन कुछ ही देर बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया। इससे यह सवाल और गहरा गया कि यदि आपात स्थिति में जिले का शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी भी उपलब्ध नहीं है, तो आम नागरिक अपनी शिकायत किससे करे?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विक्टोरिया अस्पताल में रात के समय गंभीर मरीजों को इलाज देने के बजाय अक्सर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जाता है। यदि यह आरोप सही हैं तो यह केवल एक अस्पताल की कार्यप्रणाली का मामला नहीं, बल्कि पूरे आपातकालीन स्वास्थ्य तंत्र की जवाबदेही का प्रश्न है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि रात में किसी व्यक्ति पर हमला हो जाए, सड़क दुर्घटना हो जाए या तत्काल ऑपरेशन की जरूरत पड़ जाए, तो आखिर जबलपुर का नागरिक किस सरकारी अस्पताल पर भरोसा करे? करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई स्वास्थ्य व्यवस्था का उद्देश्य मरीजों को तत्काल उपचार देना है या उन्हें एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक भटकाना?

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद अब निगाहें स्वास्थ्य विभाग पर हैं। देखना होगा कि मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई होती है या यह मामला भी सरकारी फाइलों में दबकर रह जाता है।

भाई का मोबाइल हैक कर बहन के खाते से उड़ाए 55 हजार

जबलपुर। खमरिया थाना अतंर्गत ऑनलाइन धोखाधड़ी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें एक युवती का भाई बनकर आरोपी ने 55 हजार रुपए मोबाइल हैक कर उड़ा लिए। इस मामलें में पुलिस और सायबर सेल की टीम जांच कर रही है।खमरिया पुलिस ने बताया कि वेस्टलेंड खमरिया निवासी कल्पना श्रीवास्तव ने लिखित शिकायत की है कि 11 जुलाई को दोपहर 3-28 बजे उसके भाई रजनीकांत वर्मा के व्हाटसएप नम्बर से उसके व्हाटसएप नम्बर पर मैसेज आया, जिसमें लेख था कि मेरी यूपीआईडी नहीं चल रही है। 55 हजार रूपये यूपीआई कर दो। उसने 30 हजार रूपये एवं 25 हजार रूपये, कुल 55 हजार रूपये पेटीएम से आनलाईन ट्रांसफर कर दिये थे। फिर भैया को कॉल किया, जो लगभग 10-15 मिनिट तक उनसे मोबाइल पर सम्पर्क नहीं हुआ। उसकी बहन ने मोबाइल पर बताया कि उसके भैया का मोबाइल हैक हो गया है। कुछ देर बाद भाई का कॉल आया, जो बताये कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका मोबाइल हैक कर रिश्तेदारों व दोस्तों से पैसे मांग लिये है। इस प्रकार किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके भाई का मोबाइल हैक कर उसका भाई बनकर उसे मैसेज कर उससे धोखाधड़ी करते हुये 55 हजार रूपये आनलाईन यूपीआई करवा लिये। लिखित शिकायत पर अज्ञात के विरूद्ध धारा 318(4), 319(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में फिर अव्वल रहा नगर निगम जबलपुर

जबलपुर। नगर निगम जबलपुर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण में एक बार फिर प्रदेश में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के नेतृत्व, सतत मॉनिटरिंग और अधिकारियों-कर्मचारियों की सक्रिय कार्यशैली के परिणामस्वरूप नगर निगम ने 98.86 प्रतिशत वेटेज स्कोर प्राप्त करते हुए प्रदेश के सभी नगर निगमों में लगातार नौवीं बार प्रथम स्थान हासिल किया है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी जून 2026 की ग्रेडिंग सूची में नगर निगम जबलपुर को ए ग्रेड प्रदान किया गया है।

नगर निगम को प्राप्त 3,801 शिकायतों में से लगभग 59.16 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी संतुष्टि सुनिश्चित करने के बाद किया गया। शिकायतों के सकारात्मक और प्रभावी समाधान के कारण नगर निगम को प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि शासन द्वारा प्रत्येक माह नगर निगमों के कार्यों की ग्रेडिंग जारी की जाती है। जून 2026 की ग्रेडिंग में जबलपुर को ए ग्रेड के साथ प्रदेश में लगातार नौवीं बार प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, जो नगर निगम के लिए गौरव की उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता केवल शिकायतों का निराकरण करना नहीं, बल्कि शिकायतकर्ताओं को संतुष्टिपूर्ण समाधान उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से अधिकांश प्रकरणों का निराकरण संबंधित नागरिकों से चर्चा और उनकी संतुष्टि प्राप्त करने के बाद किया गया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर निगमायुक्त श्री अहिरवार ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण, जवाबदेही और जनहित की भावना के साथ कार्य करते रहने की प्रेरणा दी।

करंट लगने से गिरकर घायल हुए आउट सोर्स कर्मी के मामले में प्रतिवेदन तलब

जबलपुर। जिले की तहसील पाटन में गत 27 जून को 11 केवी विद्युत लाइन का डीओ फ्यूज डीपी के ऊपर चढ़कर लगाने का कार्य किये जाने के दौरान धर्मेंद्र मेहरा नामक आउट सोर्स विद्युत कर्मी की करंट लगने से 15 फीट ऊंचाई से गिरकर गंभीर रूप से घायल होने की घटना सामने आई है। घटना के बाद विद्युत कर्मी की रीढ़ की हड्डी टूट जाने के कारण उसे इलाज के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह कार्य आउट सोर्स कर्मी से ग्रामीण सर्किल के अधीक्षण अभियंता द्वारा कार्य कराया जा रहा था। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रिय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा नें बताया कि मीडिया रिपोर्ट के आधार पर मामले को जनहित मे संज्ञान लेकर आयोग की मुख्य पीठ भोपाल मे प्रकरण पर सुनवाई करते हुये, अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकल पीठ ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

सेवानिवृत्त रेलकर्मी की पेंशन से रिकवरी पर कैट की रोक

जबलपुर। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण(कैट) के न्यायिक सदस्य जस्टिस अखिल कुमार श्रीवास्तव व प्रशासनिक सदस्य मल्लिका आर्या की बेंच ने पश्चिम मध्य रेलवे से सेवानिवृत्त कर्मचारी की पेंशन से की जा रही रिकवरी पर अंतरिम रोक लगा दी है। अधिकरण ने रेलवे को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 22 अक्टूबर, 2026 को होगी।

याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी डीके नेमा की ओर से अधिवक्ता सचिन पांडे ने पक्ष रखा।

पश्चिम मध्य रेलवे को नोटिस

याचिका में कहा गया कि सेवानिवृत्ति के बाद जारी पीपीओ में पेंशन कम्यूटेशन के नाम पर लगभग 15 वर्षों तक प्रति माह 15,300 रुपये की कटौती दर्शाई गई है। इसके अतिरिक्त, बिना किसी पूर्व सूचना के पेंशन से 19,762 रुपये की अतिरिक्त वसूली भी कर ली गई।

याचिका में सुप्रीम कोर्ट के उन निर्णयों का हवाला दिया गया है, जिनमें सेवानिवृत्त कर्मचारियों से इस प्रकार की वसूली को परिस्थितियों के आधार पर अनुचित माना गया है। अधिवक्ता ने अधिकरण को बताया कि रेलवे जल्द ही आगे भी रिकवरी करने जा रहा है, इसलिए तत्काल राहत आवश्यक है। कैट ने अंतरिम आदेश में कहा कि अगली सुनवाई तक यदि याचिकाकर्ता के विरुद्ध कोई रिकवरी की जानी है तो उस पर रोक रहेगी। साथ ही रेलवे प्रशासन को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

लंबे इंतजार के बाद बादलों ने दी राहत की बारिश

दोपहर बाद झमाझम बारिश से शहर तरबतर

जबलपुर। एक-एक दिन बारिश के इंतजार में बीत रहा है। पिछले एक हफ्ते से उमस भरी गर्मी ने लोगों को हैरान कर दी। रविवार की रात बादल मेहरबान हुए और रात भर में करीब 20 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके बाद मौसम खुला था लेकिन बादल छाए थे। दोपहर 3 बजे से झमाझम बारिश शुरु हुई और देर शाम तक बारिश का सिलसिला जारी था। शाम 5.30 बजे तक 15 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, इस दौरान 24 घंटे के दौरान बारिश लगभग डेढ़ इंच दर्ज की गई। रात और दोपहर में तेज बारिश होने पर कई जगहों पर जलप्लावन हो गया। गुरंदी का कपड़ा मार्केट, दीक्षितपुरा मार्ग, अग्रवाल कालोनी, सहित कई क्षेत्रों में पानी भर गया। इसके अलावा कई निचले क्षेत्रों में जलभराव हुआ। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल मानसून दक्षिणी मध्यप्रदेश के ऊपर सक्रिय है और अब पूर्वी-मध्यप्रदेश में मानसून के सक्रिय होने की उम्मीद बन गई है। फिलहाल दिन और रात का तापमान अभी औसत पर चल रहा है लगातार बारिश होगी तभी तापमान में गिरावट आएगी। स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक अब मानसूनी-

बारिश की उम्मीद की जा रही है। बंगाल की खाड़ी में बना हवा के कम दबाव का क्षेत्र उड़ीसा होते हुये मध्यप्रदेश आ सकता है। अगले 24 घंटों के दौरान जबलपुर सहित संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ अच्छी बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकत्तम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया, वहीं न्यूनतम तापमान 24.06 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातः काल 90 प्रतिशत और सायंकाल 95 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.37 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 6.57 मिनिट पर हुआ। दक्षिणी पश्चिमी हवायें 4 से 5 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। पिछले 24 घंटों के दौरान 36.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, 1 जून से लगभग 240.6 मिलीमीटर (लगभग 10 इंच) वर्षा दर्ज की जा चुकी है। गत वर्ष आज के दिन वर्षा नहीं हुई थी जबकि कुल वर्षा 630.05 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

बीमा कंपनी दुर्घटनाग्रस्त कार के बीमा दावे का भुगतान करें : उपभोक्ता आयोग

जबलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पंकज यादव व सदस्य अमित सिंह तिवारी की कोर्ट ने मैहर निवासी अरविंद त्रिपाठी का परिवाद स्वीकार करते हुए दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को दुर्घटनाग्रस्त वाहन के बीमा दावे का भुगतान करने का आदेश दिया है। आयोग ने बीमा दावा निरस्त किए जाने को सेवा में कमी माना है।परिवादी की ओर से अधिवक्ता अरुण जैन ने पैरवी की। आयोग ने बीमा कंपनी को 30 दिन के भीतर 6.98 लाख रुपये (निर्धारित कटौतियों के बाद) अदा करने का निर्देश दिया है। निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं होने पर 30 जून, 2023 से 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा। इसके अलावा मानसिक प्रताड़ना के लिए 15 हजार रुपये तथा वाद व्यय की राशि भी अदा करने के आदेश दिए गए हैं। आयोग ने अपने आदेश में उच्चतम न्यायालय के न्यायादृष्टांत के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि केवल वाहन के स्वामित्व हस्तांतरण जैसे आधार पर बीमा दावा अस्वीकार करना उचित नहीं है। इस आधार पर परिवादी को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत राहत प्रदान की गई।

रेलवे स्टेशन और गोसलपुर में गांजा तस्करी का भंडाफोड़

2 महिलाओं समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच, थाना सिविल लाइन और थाना गोसलपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 8 किलो 765 ग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत करीब साढ़े चार लाख रुपये है, बरामद किया गया। इसके अलावा दो मोबाइल फोन और 11,840 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर जिलेभर में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. आयुष जाखड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनु बेनीवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध जितेंद्र सिंह तथा अन्य अधिकारियों के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

रेलवे स्टेशन से दो तस्कर दबोचे

थाना प्रभारी सिविल लाइन स्वप्निल दास ने बताया कि शनिवार रात रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर-1 स्थित पार्सल कार्यालय के पास ऑटो स्टैंड पर एक महिला और एक युवक संदिग्ध अवस्था में खड़े मिले। पुलिस को देखकर दोनों घबरा गए। पूछताछ में महिला ने अपना नाम 37 वर्षीय नंदनी गढ़वाल और युवक ने 27 वर्षीय महेन्द्र भट्ट निवासी प्रेमसागर, हनुमानताल बताया।तलाशी लेने पर महिला के हैंडबैग और युवक के पिट्ठू बैग से 5 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत लगभग 2.85 लाख रुपये आंकी गई। पूछताछ में दोनों ने बताया कि यह गांजा दिलीप चौधरी निवासी सिंधी कैंप, हनुमानताल के लिए लाया गया था और इसके एवज में उन्हें 10 हजार रुपये एडवांस मिले थे। पुलिस ने दोनों के कब्जे से गांजे के अलावा दो मोबाइल और नकद राशि जब्त कर धारा 8/20 एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

गोसलपुर में तीसरी महिला भी गिरफ्तार

इसी दौरान क्राइम ब्रांच और गोसलपुर पुलिस ने एनएच-30 स्थित यात्री प्रतीक्षालय में बैठी कहकशा बानो (21) निवासी डिंडौरी, हाल निवासी गोसलपुर को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। उसके बैग की तलाशी लेने पर 3 किलो 65 ग्राम गांजा बरामद हुआ।पूछताछ में कहकशा ने बताया कि वह नंदनी गढ़वाल और महेन्द्र भट्ट के साथ ओडिशा के झाड़ सुकड़ा गई थी, जहां से दोनों ने उसे गांजे के दो पैकेट दिए थे। उन्हें गोसलपुर तक पहुंचाने के बदले उसे तीन हजार रुपये देने का लालच दिया गया था। पुलिस ने उसके खिलाफ भी धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

तस्करी नेटवर्क की जांच जारी

पुलिस अब इस पूरे गिरोह के अन्य सदस्यों और गांजा सप्लाई चेन की जांच कर रही है। प्रारंभिक पूछताछ में ओडिशा से गांजा लाकर जबलपुर में खपाने वाले नेटवर्क के संकेत मिले हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर सख्त, सीएम हेल्पलाइन और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर दिया जोर

स्कूलों के आसपास तंबाकू गुटखा दुकानों पर करे कार्रवाई

जबलपुर।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में समाधान किया जाए, ताकि जिले की रैंकिंग में सुधार हो सके। बैठक में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टरों सहित सभी एसडीएम और जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे, जबकि मैदानी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

कलेक्टर ने अनुग्रह सहायता और संबल पंजीयन से जुड़े लंबित आवेदनों की भी नगरीय निकायवार समीक्षा करते हुए जल्द निपटारे के निर्देश दिए। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर उन्होंने होटल और अस्पतालों का अनिवार्य पंजीयन कराने, कचरा परिवहन में लगे सभी वाहनों का रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने तथा बिना परमिट नंबर वाले वाहनों से कचरा संग्रहण नहीं कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

खाद वितरण और ई-केवाईसी की समीक्षा

बैठक में खाद की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने डबल लॉक वितरण केंद्रों से नकदी उठाने के लिए सभी बैंकों को निर्देशित करने की जिम्मेदारी एलडीएम को सौंपी। उन्होंने किसानों को ऑनलाइन भुगतान के लिए जागरूक करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा मूंग खरीदी, कृषि उपज मंडी की साफ-सफाई और उसे आदर्श मंडी के रूप में विकसित करने पर भी चर्चा हुई। समग्र ई-केवाईसी, स्वरोजगार योजनाओं, लाड़ली लक्ष्मी योजना, पीएम जनमन और आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों की भी विभागवार समीक्षा की गई।

स्कूलों के आसपास हटेंगी गुटखा-तंबाकू की दुकानें

बैठक में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शिक्षा विभाग को स्कूलों के आसपास संचालित गुटखा और तंबाकू की दुकानों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय बनाकर चिन्हित दुकानों के खिलाफ हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

ससंघ खितौला पहुंचीं आर्यिका माँ सूत्रमति माताजी

सकल जैन समाज ने की आगवानी

सिहोरा। खितौला परम पूज्य आचार्य गुरुवर विद्यासागर महाराज की शिष्या एवं आचार्य गुरुवर समय सागर महाराज की आज्ञानुवर्ती शिष्या वंदनीय आर्यिका माँ सूत्रमति माताजी ससंघ चातुर्मास हेतु ब्यौहारी से विहार करते हुए आज खितौला पहुंची उनके साथ विराजमान आर्यिका संघ के आगमन पर सकल जैन समाज एवं नगरवासियों ने श्रद्धा,भक्ति और उत्साह के साथ भव्य अगवानी कर नगर प्रवेश के दौरान श्रद्धालुओं ने जयघोष, मंगल गीत एवं धर्मध्वज के साथ संघ की वंदना की। चातुर्मास अवधि में माताजी के पावन सान्निध्य में धर्मसभा,प्रवचन, स्वाध्याय, तप साधना एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे जिनका लाभ समस्त धर्मप्रेमीजन प्राप्त करेंगे। माताजी एवं संघ के आगमन से पूरे खितौला क्षेत्र में धर्ममय वातावरण निर्मित हो गया है तथा चातुर्मास को लेकर समाज जनों में विशेष उत्साह और उमंग का माहौल है।

स्कूल में हुआ 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम

जबलपुर। यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल, आधारताल एवं गोहलपुर में मध्य प्रदेश पुलिस के जन-जागरूकता अभियान "नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" के तहत विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संचालक डॉ. विजयकांत तिवारी द्वारा पुलिस अधिकारियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर एएसआई गोपाल सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक हेमंत प्रधान, आरक्षक उमेश चौरे एवं जीआरपी थाना स्टाफ ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव, उससे होने वाली शारीरिक, मानसिक और सामाजिक हानियों तथा बचाव के उपायों की जानकारी दी। साथ ही सभी विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई गई। समापन अवसर पर डॉ. विजयकांत तिवारी ने पुलिस विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और सामाजिक जागरूकता का विकास करते हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राचार्य सोनल तिवारी एवं प्राचार्य वर्षा झारिया का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-कर्मचारी एवं लगभग 350 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

5 लाख से होगा संत नामदेव सामुदायिक भवन का शेड निर्माण

जबलपुर। संत नामदेव समाज समिति मनमोहन नगर में विधायक डॉ. अभिलाष पांडे एवं राममनोहर लोहिया वार्ड की पार्षद रेणु कोरी द्वारा नामदेव सामुदायिक भवन के शेड निर्माण का भूमि पूजन किया गया। विधायक द्वारा शेड निर्माण की अनुमानित कीमत पांच लाख रूपये तथा भवन तक पहुंचमार्ग निर्माण का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश नामदेव, संदीप कौशल, बाबूलाल नामदेव, विमल मुक्त नामदेव, अध्यक्ष सुधीर नामदेव, अनुराग नामदेव, राजू नामदेव, नरेश नामदेव, कमलेश नामदेव, राजेन्द्र नामदेव, मयंक, मातृ शक्ति श्रीमती गेशू नामदेव, वीणा नामेदव, गायत्री नामदेव, रश्मि नामदेव, मधु नामदेव एवं सभी सामाजिक बंधुओं ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

नगर परिषद की अनियमितताओं के विरोध में कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

बरेला।

नगर परिषद की कार्यप्रणाली एवं नगर की विभिन्न मूलभूत समस्याओं को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) संजय पांडे को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामजी रैकवार ने आरोप लगाया कि नगर परिषद द्वारा भेदभावपूर्ण तरीके से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई वार्डों में नियमित साफ-सफाई नहीं हो रही है और विकास कार्य भी अपेक्षित स्तर पर नहीं किए जा रहे हैं। इसके अलावा नगर की पेयजल व्यवस्था प्रभावित है, मुख्य मार्गों पर आवारा पशुओं का जमाव बना रहता है तथा कई स्थानों पर विद्युत पोल क्षतिग्रस्त होने से दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि लगातार हो रही वर्षा के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। उन्होंने नगर में नियमित रूप से कीटनाशकों का छिड़काव कराने, नालियों एवं नालों की समुचित सफाई कराने तथा बरसाती पानी की निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

ज्ञापन सौंपने के दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी अरविंद तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश, नरेश पटेल, सत्येंद्र गर्ग, पार्षद भूपेंद्र यादव, विपिन झारिया, विजय जैन, शेख सलीम, अनुराग पटेल, सागर सिंह, कपिल पटेल, रोहित पटेल, मुन्ना झारिया, भाईसाहब पटेल, शहीद खान, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'फैशन के नवोदय' का हुआ आत्मीय स्वागत, छात्राओं को दी करियर और उद्यमिता की जानकारी

जबलपुर

शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जबलपुर के फैशन टेक्नोलॉजी विभाग में शैक्षणिक सत्र 2026 की नवप्रवेशी छात्राओं "फैशन के नवोदय" का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्यों ने छात्राओं का तिलक एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

इस अवसर पर छात्राओं को फैशन टेक्नोलॉजी, परिधान निर्माण, टेक्सटाइल डिजाइन, उद्यमिता, रोजगार के अवसरों तथा विभाग की कार्यशालाओं, औद्योगिक भ्रमण, फैशन शो और स्टार्टअप गतिविधियों की जानकारी दी गई। सभी नवप्रवेशी छात्राओं को फाइल कवर, स्केल, स्टिच ओपनर, टेलर्स चॉक एवं चॉकलेट सहित स्वागत किट भी प्रदान की गई। गेम्स के माध्यम से छात्राओं का उत्साहवर्धन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य ने कहा कि फैशन नवाचार और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम है। विभागाध्यक्ष ने छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्यमिता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ व्याख्याता मीना गुप्ता, हरिवंश त्रिपाठी, शशि विश्वकर्मा, रविकांता जैन, रेशमा साहू, स्नेह जाट एवं मेघना शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

40 वर्ष बाद सजा यादों का कारवां, मॉडलियन 1986 बैच के 104 साथियों का हुआ स्नेह मिलन

जबलपुर।

समय भले ही चार दशक आगे बढ़ गया हो, लेकिन स्कूल की यादें आज भी उतनी ही ताज़ा हैं। इसी भावनात्मक जुड़ाव का साक्षी बना शहर का एक होटल, जहां मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल के मॉडलियन 1986 बैच का भव्य स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। करीब 40 वर्ष बाद एक-दूसरे से मिले साथियों की खुशी देखते ही बन रही थी। वर्षों बाद मिले मित्रों ने गले लगकर पुरानी यादों को ताजा किया और छात्र जीवन के अनगिनत संस्मरण साझा किए।

समारोह में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया, ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया के महाप्रबंधक प्रवीण पांडे, भारत स्काउट एवं गाइड, जबलपुर के पूर्व मुख्य आयुक्त अजय तिवारी सहित बैच के 104 पूर्व विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर चुके पूर्व विद्यार्थियों ने अपने संघर्ष, सफलता और अनुभव साझा करते हुए कहा कि विद्यालय में मिली शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों ने उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान सभी साथियों का परिचय कराया गया।

पुराने फोटोग्राफ, स्कूल के दिनों की घटनाओं और शिक्षकों से जुड़े संस्मरणों ने माहौल को भावुक बना दिया। कई पूर्व विद्यार्थियों ने छात्र जीवन के रोचक किस्से साझा किए, जिससे पूरा सभागार ठहाकों और तालियों से गूंज उठा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मनोरंजक गतिविधियों ने समारोह को और भी यादगार बना दिया। वक्ताओं ने कहा कि जीवन की व्यस्तताओं के बीच ऐसे स्नेह मिलन न केवल पुरानी मित्रताओं को फिर से जीवंत करते हैं, बल्कि रिश्तों को नई ऊर्जा भी प्रदान करते हैं। इस अवसर पर सभी साथियों ने एक-दूसरे के परिवार, कार्यक्षेत्र और उपलब्धियों की जानकारी साझा की तथा भविष्य में भी नियमित अंतराल पर इस तरह के आयोजन करते रहने का संकल्प लिया। समारोह को सफल बनाने में विजेंद्र, संजय बजाज, अचिंत्य देव तथा अधिवक्ता विपिन यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन समिति के उत्कृष्ट समन्वय एवं व्यवस्थाओं की सभी प्रतिभागियों ने मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम का समापन सामूहिक छायाचित्र, रात्रिभोज और पुनः मिलने के वादे के साथ भावनात्मक वातावरण में हुआ।

श्रीसिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के शुभारंभ पर निकली घट यात्रा

कटंगी। धर्मनगरी कटंगी में आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज एवं आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के आशीर्वाद से आयोजित श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ भव्य घट यात्रा के साथ हुआ। प्रातःकाल नगर के प्राचीन श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर, बजरिया से घट यात्रा एवं शोभायात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा में भगवान की प्रतिमाओं को श्रद्धापूर्वक विराजमान कर नगर के तीनों दिगंबर जैन मंदिरों से होते हुए नगर भ्रमण कराया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति एवं उत्साह के साथ यात्रा में सहभागिता की। यह धार्मिक आयोजन नगर गौरव बाल ब्रह्मचारी संजीव भैया एवं संजय भैया के मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है। विधान के पुण्यार्जक श्री बाबूलाल जैन परिवार, विकास जैन परिवार एवं विजय जैन परिवार हैं। सकल दिगंबर जैन समाज के श्रद्धालु बड़ी संख्या में आयोजन में भाग ले रहे हैं। अष्टानिका महापर्व के अवसर पर आयोजित यह धार्मिक कार्यक्रम आठ दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन पूजन, विधान एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। आयोजकों ने बताया कि कटंगीवासियों को भगवान की आराधना एवं धर्म लाभ का यह विशेष अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन में सहभागिता करने का आग्रह किया।आयोजन को सफल बनाने के लिए नगर परिषद द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं तथा पुलिस प्रशासन का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। आयोजकों ने सभी सहयोगकर्ताओं एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जबलपुर मेडीकल यूनिवर्सिटी का विखंडन भारत में मेडीकल यूनिवर्सिटी बंटवारे का पहला उदाहरण

जबलपुर। जबलपुर मेडीकल यूनिवर्सिटी का बंटवारा समूचे भारत में पहला उदाहरण बना है, जहां किसी राज्य के मेडीकल यूनिवर्सिटी को टुकड़ों में बांटा गया है। महाराष्ट्र तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल आदि बड़े राज्यों में भी मेडीकल यूनिवर्सिटी एक ही बनाए रखी गई है। ऐसे में क्या सोचकर जबलपुर मेडीकल यूनिवर्सिटी को ही टुकड़ों में बांटा गया है। यह प्रश्न उठाते हुए नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसियेशन, महिला समिति, सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसो. तथा किसान समिति ने आज घंटाघर के पास विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त किया। जन संगठनों ने जबलपुर के सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधियों के सामने प्रश्न खड़ा किया कि आखिर उन्होंने मेडीकल यूनिवर्सिटी के विखंडन पर आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की। जनसंगठनों ने चिंता व्यक्त की कि जबलपुर में संस्थाओं के विखंडन का सिलसिला कब तक चलेगा? हाईकोर्ट, विद्युत मंडल, कृषि विश्वविद्यालय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय आदि संस्थाओं का विखंडन हो चुका है, जिससे जबलपुर का कद घट गया है। प्रदर्शन में डॉ. पीजी नाजपांडे, टीके रायघटक, डीके सिंह, सुभाष चन्द्रा, सुशीला कनौजिया, संतोष श्रीवास्तव, राजेश गिदरोनिया, उमा दाहिया, मनीक्षा अग्रहरि, ममता पटेल, पीएस राजपूत, हरजीवन विश्वकर्मा, अर्जुन कुमार परीड़ा, नन्दकिशोर सोनकर, दिलीप कुंडे, अशोक नामदेव, विनायक सोरते, केसी सोनी, अब्दुल रहमान आदि शामिल थे।

श्री बद्री प्रसाद पाण्डेय- नारायण नगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री बद्री प्रसाद पाण्डेय (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री पूरन लाल कोरी- सिंगल क्वाटर लालमाटी निवासी श्री पूरन लाल कोरी (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती तृषा बाई चौधरी- त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री नीलकंठ चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती तृषा बाई चौधरी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शंकर डुमार- प्रेमसागर पुलिस चौकी के पास निवासी श्री मुन्ना लाल डुमार के पुत्र श्री शंकर डुमार (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लेखावती रजक- मदनमहल स्टेशन रोड निवासी श्री सुदामा प्रसाद रजक की धर्मपत्नी श्रीमती लेखावती रजक (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सचिन शुक्ला- आनंद नगर अधारताल निवासी श्री सचिन शुक्ला का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गोदावरी- करौंदी रांझी निवासी श्री बट्टू लाल की धर्मपत्नी श्रीमती गोदावरी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

एडीएम ने पर्यटकों को सतर्क करने भेड़ाघाट में कर्मचारियों को किया तैनात

जबलपुर।

कलेक्टर के निर्देश पर एडीएम अखिलेश सिंह द्वारा 16 जुलाई 2026 को भेड़ाघाट का आकस्मिक निरीक्षण किया गया जिसमें नगर परिषद द्वारा लगाई गयी रेलिंग एवं पाये गये कर्मचारियों की संख्या में कमी को देखते हुए एडीएम अखिलेश सिंह द्वारा दो कोटवार एवं दो पुलिस कर्मचारी तथा नगर परिषद के दो कर्मचारी निरंतर ड्यूटी पर लगाए जाने के निर्देश दिये गये, सभी कर्मचारियों को खाकी ड्रेस पहनकर ड्यूटी करने और पानी के अधिक किनारे जाने वाले पर्यटकों को रोकने के निर्देश भी दिये गये, वर्तमान में धुआँधार में 6 कर्मचारी तैनात हैं जो पर्यटकों को समझाइश दे रहे हैं और रेलिंग को भी मजबूती से लगाकर रास्ता भी ब्लॉक कर दिया गया है।

जिला प्रशाशन एवं नगर परिषद द्वारा भी आम नागरिकों से विनम्र पूर्वक अपील की जा रही है कि कृपया धुआँधार के अत्यधिक समीप न जाएं, पत्थरों में न चढ़ें, चूंकि नदी के किनारे बरसात के कारण फिसलन बनी हुई है कृपया सुरक्षित रूप से दूर से ही मां नर्मदा के दर्शन किया जा सके।

रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर प्रीमियर का स्थापना दिवस व शपथ ग्रहण समारोह संपन्न, रामेन्द्र करसोलिया बने अध्यक्ष

जबलपुर। रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर प्रीमियर का 6वां स्थापना दिवस एवं शपथ ग्रहण समारोह गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक कृष्ण तन्खा रहे, जबकि अध्यक्षता क्लब के पूर्व अध्यक्ष आशुतोष प्यासी ने की। उन्होंने अपने कार्यकाल में संचालित 50 से अधिक सेवा परियोजनाओं की जानकारी दी। समारोह में रामेन्द्र करसोलिया ने क्लब के अध्यक्ष पद की शपथ लेकर नई कार्यकारिणी के साथ कार्यभार संभाला। पूर्व अध्यक्ष आशुतोष प्यासी ने उन्हें पारंपरिक रोटरी कॉलर पहनाकर अध्यक्षीय दायित्व सौंपा। अपने संबोधन में रामेन्द्र करसोलिया ने समाज के जरूरतमंद, वंचित एवं पीड़ित वर्ग के लिए सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प व्यक्त किया। मुख्य अतिथि विवेक कृष्ण तन्खा ने रोटरी क्लब की सामाजिक एवं मानवीय सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संगठन समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक हैं। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आलम सिंह रूपराह ने नई टीम को शुभकामनाएं दीं।

नाम परिवर्तन सूचना

I, ARMY NO- JC 391232H, Rank - SUB, Name- RAJA KUMAR E presently residing at Vill - PERIYASAKKANAVOOR, POST- NARALA PALLI, Teh - KRISHNAGIRI, Distt - KRISHNAGIRI ,State- TAMIL NADU, PIN- 635120 शपथपूर्वक नि.लि. कथन करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी बेटी का नाम PRITHA दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरी बेटी के आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरी बेटी का नाम PRITHA R दर्ज हैं। जो कि सही है मेरी बेटी के नाम को पढा व सुना एंव मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र नं 38AA 617947 दिनांक 20-07-26 नोटरी जबलपुर म प्र ।

गलत नाम - PRITHA
सही नाम - PRITHA R

निवेशकों को झटका, इक्विटी पर एलटीसीजी टैक्स खत्म नहीं करेगी सरकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पिछले कुछ दिनों से खबरें सामने आ रही थीं कि सरकार जल्दी ही शेयर बाजार में लिस्टेड इक्विटी पर लगने वाला एलटीसीजी टैक्स को हटाने जा रही है। लेकिन अब खुद सरकार की तरफ से ही इस खबर को पूरी तरह से गलत बता दिया गया है।

- पिछले कुछ दिनों से निवेशकों की एलटीसीजी टैक्स हटाने की मांग थी

हाल ही में केंद्र सरकार के एक मंत्री ने बताया है कि सरकार किसी भी टैक्स को हटाने की कोई प्लानिंग नहीं कर रही है। दरअसल सोमवार को लोकसभा में केंद्र सरकार के एक मंत्री ने साफ कर दिया कि लिस्टेड शेयरों पर लगने वाले लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) टैक्स को हटाने की फिलहाल कोई प्लानिंग नहीं है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि सरकार के पास रिटेल और घरेलू निवेशकों के लिए इस टैक्स को खत्म करने का कोई प्रस्ताव ऐसा नहीं है जिस पर कोई सोच- विचार किया जा रहा हो।

सरकार की किसी भी टैक्स को हटाने की कोई प्लानिंग नहीं है

क्यों नहीं हटाया जा रहा टैक्स?

बता दें कि ऐसा कोई कदम नहीं उठाने के पीछे सरकार की एक बड़ी वजह इस टैक्स से होने वाली बढ़ती आय है। संसद में शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक शेयरों पर एलटीसीजी टैक्स से सरकार की कमाई साल 2025-26 में करीब 78 प्रतिशत बढ़कर 1.29 लाख करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले साल ये 72,249 करोड़ रुपए थी। इससे साफ है कि ये टैक्स सरकार के राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनता जा रहा है। ऐसे में सरकार इस टैक्स को हटाकर खुद का नुकसान तो बिलकुल भी नहीं करना चाहेगी।

मई में एफएम ने दिया था जवाब

मई में, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सरकार स्टॉक मार्केट निवेशकों की टैक्स सिस्टम से जुड़ी चिंताओं को सुनने के लिए तैयार है, जिसमें एलटीसीजी और शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन्स (एसटीसीजी) टैक्स से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। स्टॉक मार्केट में शामिल लोगों की ओर से एलटीसीजी और एसटीसीजी टैक्स की समीक्षा की मांग के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि इस खास मुद्दे पर, और किसी भी मुद्दे पर, हम हमेशा लोगों की बात सुनने के लिए तैयार रहते हैं। हम निश्चित रूप से उनके सुझावों पर विचार करेंगे।

निवेशकों ने की थी टैक्स हटाने की मांग

पिछले कुछ दिनों में कई निवेशकों और मार्केट एक्सपर्ट्स ने एलटीसीजी टैक्स हटाने की मांग की थी। उनका कहना है कि ये टैक्स लंबी अवधि के निवेश को निराश करता है और निवेशकों का मुनाफा कम कर देता है। कुछ लोगों ने ये भी मांग की है कि घरेलू निवेशकों को भी वही टैक्स रिलीफ मिले, जो हाल ही में सरकारी बॉन्ड में निवेश करने वाले कुछ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को दी गई है।

खबर संक्षेप

अल्ट्राटेक सीमेंट का पहली तिमाही लाभ 17 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। सीमेंट बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 17.23 प्रतिशत बढ़कर 2,603.72 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की इसी तिमाही में कंपनी ने 2,220.91 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस के लाभ में वृद्धि

नई दिल्ली। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत बढ़कर 28 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से प्रीमियम संग्रह में वृद्धि के कारण लाभ बढ़ा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 23 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

आईओबी का लाभ 49 फीसदी बढ़कर 1659 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडिय ओवरसीज बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 49.3 प्रतिशत बढ़कर 1,659 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार से बैंक का लाभ बढ़ा है। पिछले साल 2025-26 की इसी तिमाही में बैंक को 1,111 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

इंडो एमआईएम का आईपीओ 23 जुलाई को खुलेगा

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी इंडो एमआईएम लिमिटेड ने अपने 3,812 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 461-485 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 24,000 करोड़ रुपये आंका गया है।

श्याम मेटालिक्स के लाभ में 21 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 20.6 प्रतिशत बढ़कर 350.73 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 290.67 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

लोहिया कॉर्प का आईपीओ 23 जुलाई को खुलेगा

नई दिल्ली। औद्योगिक मशीनरी विनिर्माता लोहिया कॉर्प लिमिटेड ने अपने 1,102 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 404-425 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन लगभग 4,500 करोड़ रुपये आंका गया है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि उसका 1,102 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 जुलाई को खुलेगा और 27 जुलाई को बंद होगा।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, संरचनात्मक सुधारों में तेजी लानी होगी

भारत संरचनात्मक सुधारों से आठ से नौ प्रतिशत वृद्धि हासिल कर सकता है: सुब्रमण्यम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यम ने सोमवार को कहा कि भारत कारोबार करने और वित्तपोषण की लागत कम करने के लिए संरचनात्मक सुधारों में तेजी लाकर आठ से नौ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उन्होंने भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों में सुधारों के साथ-साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधार लागू करने की वकालत की।

सुब्रमण्यम ने कहा, ''वृहद आर्थिक स्थिरता ने भारत को सात प्रतिशत वृद्धि तक पहुंचाया। संस्थागत सुधार भारत को नौ प्रतिशत वृद्धि तक ले जा सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''जब निजी निवेश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सा 30 प्रतिशत से अधिक था, तब भारत ने आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हासिल की थी। अभी यह लगभग 22-23 प्रतिशत है, यानी लक्ष्य से सात से आठ प्रतिशत कम।''

- सुब्रमण्यम ने नौकरशाही सुधार लागू करने की वकालत की
- आर्थिक स्थिरता ने भारत को सात प्रतिशत वृद्धि तक पहुंचाया
- संस्थागत सुधार भारत को नौ प्रतिशत वृद्धि तक ले जा सकते हैं

एनपीए कई दशकों से निचले स्तर पर

सुब्रमण्यम ने कहा, ''तब हम सात प्रतिशत से नौ प्रतिशत वृद्धि की छलांग लगाएंगे।'' उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों के सार्वजनिक पूंजीगत व्यय ने वह बुनियादी ढांचा तैयार किया है, जिसके बाद निजी निवेश आता है। साथ ही, सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) कई दशक के निचले स्तर के करीब होने से बैंकिंग प्रणाली भी इसे समर्थन देने के लिए तैयार है।

एफडीआई में तेज गिरावट रही : एफडीआआ और पोर्टफोलियो निवेश में तेज गिरावट पर सुब्रमण्यम ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आक्रामक मौद्रिक सख्ती से सभी उभरते बाजारों से पूंजी डॉलर परिसंपत्तियों की ओर चली गई।

भारत को चैटजीपीटी बनाने की जरूरत नहीं

सुब्रमण्यम ने कहा, ''भारत को अगला चैटजीपीटी बनाने की जरूरत नहीं है। भारत को स्वास्थ्य, शिक्षा, विनिर्माण, एमएसएमई और सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक प्रशासन एवं नियमन में एआई का दुनिया का सबसे प्रभावी उपयोगकर्ता बनना चाहिए। एआई का तेज और व्यापक इस्तेमाल ही उत्पादकता वृद्धि तय करेगा। भारत को यही दौड़ जीतनी है।''

एडीबी ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाया

इस महीने की शुरुआत में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने पश्चिम एशिया संकट से ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका के चलते चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया था। कृत्रिम मेधा (एआई) के बारे में सुब्रमण्यम ने ओपन-सोर्स फ्रंटियर मॉडल को रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बदलाव बताया।

सुब्रमण्यम भारत के 17वें आर्थिक सलाहकार रहे

2018 से 2021 तक भारत के 17वें मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे और बाद में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में कार्यकारी निदेशक रहे सुब्रमण्यम हाल में शिकागो विश्वविद्यालय के 85 वर्षीय इतिहास में 'एलुमनाई अवॉर्ड फॉर प्रोफेशनल अचीवमेंट' पाने वाले पहले भारतीय अर्थशास्त्री बने हैं। यह सम्मान पहले कम से कम 12 नोबेल पुरस्कार विजेताओं और अन्य प्रतिष्ठित वैश्विक हस्तियों को दिया जा चुका है।

भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत है

प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत की व्यापक आर्थिक बुनियाद मजबूत है और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निकट अवधि में अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा। उन्होंने कहा, ..हमें सात प्रतिशत से नौ प्रतिशत वृद्धि तक पहुंचाने वाली अगली लहर भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों के साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधारों की होगी, जो कारोबार करने और वित्तपोषण की लागत कम करें।''

कच्चा तेल 90 डॉलर पार करने के बाद फिसला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- ईरान के विदेश मंत्री के बयान से कच्चे तेल में आई गिरावट
- यूएस ने युद्ध रोकने ईरान को दिए कई प्रपोजल

कच्चे तेल की कीमतें आज 20 जुलाई की सुबह 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई थीं, लेकिन दोपहर करीब 1:40 बजे इनमें अचानक गिरावट देखने को मिली है। अब कच्चे तेल का भाव 88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर क्रूड ऑयल की कीमतें अचानक क्यों फिसल गईं।

असल में, ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री का बयान आया है कि यूएस युद्ध रोकने के लिए कई प्रपोजल मिले हैं। ईरान ने ये भी कहा है कि एमयूओ तभी सार्थक होगा जब पक्ष प्रतिबद्ध होंगे। साथ ही, यूएस वॉर क्राइन रोकने की भी ईरान हर कोशिश करेगा। ईरान के इस बयान के बाद ही कच्चे तेल में गिरावट आई है। इसी बीच बाजार में भी रिकवरी का मूड नजर आया है। मिडकैप और स्मॉलकैप में भी अच्छा रिकवरी देखी जा रही है। बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से आज कच्चे तेल की कीमतों में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली थी। ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया था। सोमवार सुबह अमेरिका ने लगातार नौवें दिन हमले किए, जबकि ईरान भी मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सहयोगी देशों से जुड़े ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई करते हुए नजर आया।

ब्याज दरों पर असर

पिछले हफ्ते के आखिर में 4 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के बाद सोमवार को भी ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई की कीमतों में बढ़त देखने को मिली। ब्रेंट क्रूड 91 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया, जो 11 जून के बाद इसका सबसे हाई लेवल था। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से अब महंगाई बढ़ने की चिंता फिर से बढ़ गई है। इससे दुनियाभर के सेंट्रल बैंक के लिए ब्याज दरें घटाना मुश्किल हो सकता है।

बैंकिंग शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स 443 अंक टूटा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

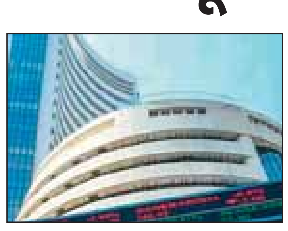

- एचडीएफसी और एक्सिस बैंक में भारी बिकवाली
- खाड़ी युद्ध में तनाव बढ़ने से भी बाजार प्रभावित

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। मार्जिन संबंधी दबाव को लेकर एचडीएफसी और एक्सिस बैंक जैसे प्रमुख बैंकों के शेयरों में बिकवाली के साथ अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से बीएसई सेंसेक्स 443 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी 96 अंक के नुकसान में रहा।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 442.93 अंक टूटकर 77,708.52 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 783.16 अंक टूटकर 77,368.29 अंक पर आ गया था। निफ्टी 95.80 अंक टूटकर 24,238.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में, एक्सिस बैंक सबसे अधिक नुकसान में रहा। बीते शनिवार को तिमाही नतीजों के बाद इसमें 5.48 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं एचडीएफसी बैंक में 5.12 प्रतिशत की गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक ने खासकर शुद्ध ब्याज मार्जिन के मोर्चे पर निराश किया है।''

इन शेयरों में रही घट-बढ़

मारुति, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और भारती एयरटेल शामिल हैं।

निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। इसका कारण यह है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर प्रौद्योगिकी शेयरों की अगुवाई में बिकवाली के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया।

सोना 1,400 रुपए चढ़ा, चांदी में 1,000 रुपए की गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सोना बढ़कर 1.47 लाख रुपए प्रति दस ग्राम पहुंचा
- चांदी टूटकर 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई

मजबूत वैश्विक रुझानों के बीच राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतों में 1,400 रुपये की तेजी आई और यह करीब 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,400 रुपये बढ़कर 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गया जबकि शुक्रवार को यह 1,45,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

हालांकि, चांदी की कीमतों में लगातार छठे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। चांदी 1,000 रुपये टूटकर 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। पिछले सत्र में यह 2,22,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। चांदी में 10 जुलाई के बाद से अब तक कुल 15,500 रुपये यानी करीब 6.5 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। सर्राफा कारोबारियों ने कहा कि पिछले सप्ताह की तेज गिरावट के बाद सोने में निचले स्तर पर खरीदारी देखने को मिली, जिससे इसकी कीमतों को सहारा मिला। वहीं, चांदी में बिकवाली का दबाव बना रहा, क्योंकि निवेशक भू-राजनीतिक जोखिमों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को ऊंचे स्तर पर बनाए रखने की संभावनाओं का आकलन कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार में सराफा रहा तेज

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ करीब 4,020 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी करीब दो प्रतिशत चढ़कर 57 डॉलर प्रति औंस के आसपास पहुंच गई। कोटक सिक्योरिटीज की सहायक उपाध्यक्ष (जिंस अनुसंधान) कायनात चैनवाला ने कहा कि अमेरिका-ईरान तनाव के बीच मध्यस्थता के प्रयास जारी रहने से बाजार पर असर पड़ा है।

एब्सोल्यूट, जिंदल सुप्रीम को निर्गम लाने की मंजूरी

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने एब्सोल्यूट प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड और जिंदल सुप्रीम (इंडिया) लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने की मंजूरी दे दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की तरफ से सोमवार को जारी अद्यतन सूचना के मुताबिक, दोनों कंपनियों को 17 जुलाई को नियामकीय टिप्पणी मिली है, जो आईपीओ लाने की मंजूरी है। दोनों कंपनियों ने अप्रैल-मई के दौरान आईपीओ की मंजूरी के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे। बिजली पारेषण और वितरण अवसंरचना परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़ी एब्सोल्यूट प्रोजेक्ट्स का आईपीओ पूरी तरह दो करोड़ नए इक्विटी शेयरों का निर्गम होगा।

जून में नौ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर बढ़कर पांच प्रतिशत पर

- सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क उत्पादन में रही बढ़ोतरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के नौ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि जून महीने में बढ़कर पांच महीने के उच्च स्तर पांच प्रतिशत पर पहुंच गई। यह तेजी मुख्य रूप से सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क के उत्पादन में बढ़ोतरी से आई। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

जून, 2025 में इन क्षेत्रों की वृद्धि दर 1.1 प्रतिशत थी, जबकि मई, 2026 में यह 3.2 प्रतिशत रही थी। सरकार ने इस बार नए आधार वर्ष 2022-23 के साथ आंकड़े जारी किए हैं, जो 2011-12 के पुराने आधार वर्ष की जगह लेता है। संशोधित श्रृंखला में लौह अयस्क को भी जोड़ा गया है, जिससे बुनियादी उद्योगों की संख्या आठ से बढ़कर नौ हो गई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जून में कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और उर्वरक के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई।

एलएंडटी को धातु एवं खनन क्षेत्र में मिला बड़ा ठेका

नई दिल्ली। अवसंरचना क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों समेत देश की प्रमुख धातु एवं खनन कंपनियों से कई ठेके मिले हैं। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि उसकी धातु एवं खनिज (एमएंडएम) कारोबार इकाई को मिले इन बड़े ठेकों का मूल्य 10,000 करोड़ रुपये से 15,000 करोड़ रुपये के बीच है। बयान के अनुसार, कंपनी को पहला ठेका सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी से मिला है। यह लौह अयस्क उत्पादक कंपनी वर्ष 2030 तक अपनी लौह अयस्क उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 10 करोड़ टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) करने के लिए विस्तार कर रही है।

न्यू जर्सी और टेक्सास में काम करने वाले कर्मचारियों को किया प्रभावित

सैमसंग में बड़ी छंटनी की खबर! सैकड़ों कर्मचारियों की नौकरी गई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने अमेरिका में अपने कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस से जुड़े कई कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने मुख्य रूप से न्यू जर्सी और टेक्सास में काम करने वाले कर्मचारियों को प्रभावित किया है।

- न्यू जर्सी में करीब 739 पद प्रभावित हुए, टेक्सास में 100 पद गए

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब सैमसंग अपने अमेरिकी मुख्यालय को न्यू जर्सी से टेक्सास शिफ्ट कर रही है। इस बदलाव के तहत कई कर्मचारियों को नई जगह पर काम करने का विकल्प दिया गया है, जबकि जो कर्मचारी स्थानांतरण के लिए तैयार नहीं थे या जिनकी भूमिका अब जरूरी नहीं रही, उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग के न्यू

मुख्यालय को स्थानांतरित करने के उद्देश्य से छंटनी

सैमसंग ने अपने बयान में कहा कि मुख्यालय को टेक्सास स्थानांतरित करने का उद्देश्य अलग-अलग टीमों को एक जगह लाकर बेहतर सहयोग बढ़ाना और तेजी से विकसित हो रहे एआई तथा टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम का लाभ उठाना है। कंपनी का कहना है कि फिलहाल उसके कंज्यूमर प्रोडक्ट बिजनेस में किसी तरह का वैश्विक स्तर का बड़े पैमाने पर पुनर्गठन नहीं किया जा रहा है।

मोबाइल कारोबार पहली बार घाटे में जा सकता है : *दूसरी ओर मोबाइल फोन, टीवी और होम अप्लायंसेज जैसे कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस पर दबाव बढ़ गया है। एआई चिप्स की लागत बढ़ने से इन उत्पादों की लागत भी बढ़ी है, जबकि एप्पल, टीसीएल और हाइसेंस जैसी कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सैमसंग का मोबाइल कारोबार पहली बार घाटे में जा सकता है।*

मोबाइल डिविजन के कर्मचारी शामिल

कंपनी का कहना है कि इनमें से अधिकांश कर्मचारियों को टेक्सास में स्थानांतरित होने का प्रस्ताव दिया गया है। वहीं, टेक्सास के प्लानो कार्यालय में भी लगभग 100 कर्मचारियों, जिनमें मोबाइल डिवीजन के कर्मचारी भी शामिल हैं, को नौकरी से निकाल दिया गया है।

चिप प्लांट से कमाया रिकॉर्ड मुनाफा

दरअसल, सैमसंग इस समय दो अलग-अलग परिस्थितियों का सामना कर रही है। एक ओर कंपनी का चिप बिजनेस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती मांग की वजह से रिकॉर्ड मुनाफा कमा रहा है। कंपनी ने हाल ही में नए चिप प्लांट लगाने के लिए अरबों डॉलर के निवेश की भी घोषणा की है।

कई वैश्विक कंपनियां कर चुकी है छंटनी

टेक इंडस्ट्री में यह पहली बड़ी छंटनी नहीं है। पिछले कुछ महीनों में माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, मेटा, टेस्ला और ओराकेल जैसी कई वैश्विक कंपनियां भी कर्मचारियों की संख्या कम कर चुकी हैं। अधिकांश कंपनियां रेगुलर कारोबार से निवेश हटाकर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और नई तकनीकों पर ज्यादा खर्च कर रही हैं। सैमसंग भी इसी रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है।

इलेवन समूह 4,700 करोड़ रुपए का करेगा निवेश

नई दिल्ली। स्वास्थ्य, बिजली समेत विभिन्न कारोबार क्षेत्रों से जुड़े समूह 'इलेवन' ने सोमवार को कहा कि वह हरियाणा के गुरुग्राम और नूंह जिलों में नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित बिजली वितरण नेटवर्क बनाने के लिए 4,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहा है। पहले चरण के लिए वित्त पोषण व्यवस्था की जा चुकी है। इसमें इक्विटी और कर्ज का मिश्रण होगा। 'इलेवन', गुरुग्राम में नया, नवीकरणीय ऊर्जा आधारित बिजली वितरण नेटवर्क बनाने के लिए 4,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगा।

चिंतन

वार्ता से ही निकलेगा सुलह का रास्ता

परीक्षाओं में कथित धांधली के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्रों के 'चलो संसद' मार्च के दौरान पैदा हुए तनाव के बाद जिस प्रकार केंद्र सरकार ने बातचीत की पहल की और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा के साथ प्रतिनिधिमंडल की वार्ता हुई, उसके बाद अभिजीत दीपके द्वारा अनशन समाप्त करने का निर्णय एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है।नड्डा ने प्रदर्शनकारी प्रतिनिधियों से उनकी मांगों पर चर्चा की। बातचीत में सोनम वांगचुक की रिहाई, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग सहित परीक्षा प्रणाली में सुधार जैसे मुद्दे उठाए गए। यह पहल संकेत देती है कि लंबे गतिरोध का समाधान टकराव के बजाय संवाद और सहमति के माध्यम से तलाशने की कोशिश की जा रही है। हालांकि यह भी सच है कि हा मुद्दे का समाधान वार्ता से ही निकलता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां नागरिकों को अपनी बात रखने, सरकार से सवाल पूछने और अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से उठाने का संवैधानिक अधिकार है। यही अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को जीवंत बनाते हैं। दूसरी ओर, सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की होती है। इसलिए जब भी किसी आंदोलन और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बनती है, तब दोनों पक्षों से संयम और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है। सरकार द्वारा प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए आमंत्रित करना और आंदोलनकारियों द्वारा बातचीत का रास्ता स्वीकार करना इस दिशा में एक सकारात्मक शुरुआत है। इससे यह संदेश जाता है कि लोकतंत्र में असहमति के बावजूद संवाद के द्वार कभी बंद नहीं होने चाहिए। यदि दोनों पक्ष पूर्वाग्रह छोड़कर समाधान की भावना से आगे बढ़ें तो कई ऐसे विवाद भी सुलझ सकते हैं जो सड़क पर लंबे गतिरोध का कारण बन जाते हैं। अब आवश्यकता केवल आश्वासन तक सीमित रहने की नहीं है। सरकार को परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए ठोस सुधार लागू करने होंगे। वहीं आंदोलन का नेतृत्व कर रहे युवाओं और आयोजकों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी आवाज रचनात्मक सुझावों के साथ आगे बढ़े और आंदोलन का स्वरूप शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक बना रहे। इससे उनकी मांगों को अधिक व्यापक समर्थन भी मिलेगा और समाधान की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। वहीं, कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। सभी मसलों को मिल बैठकर सुलझाना ही प्राथमिकता होना चाहिए। वहीं, विपक्ष का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों पर रचनात्मक सुझाव देना और समाधान की दिशा में सहयोग करना भी है। शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर रखकर देखा जाना चाहिए, क्योंकि इसका सीधा संबंध देश के युवाओं और भविष्य से है। अंततः यह घटनाक्रम एक महत्वपूर्ण सीख देता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सड़क पर उतरना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन स्थायी समाधान हमेशा संवाद की मेज पर ही निकलता है। टकराव क्षणिक सुर्खियां दे सकता है, पर विश्वास और सहमति केवल बातचीत से ही बनती है।

मुद्दा
कांतिलाल मांडोत

आंदोलन की आड़ में राजनीति अनुचित

परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर दिल्ली में आयोजित 'चलो संसद' मार्च ने शिक्षा सुधार के मुद्दे के साथ-साथ आंदोलनों की प्रकृति और उनकी राजनीतिक भूमिका पर भी नई बहस छेड़ दी है। जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ते प्रदर्शन, पुलिस के साथ टकराव और विपक्षी दलों की सक्रिय मौजूदगी ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या यह केवल छात्रों की आवाज थी या फिर राजनीतिक दलों के लिए सरकार को घेरने का अवसर भी। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सर्वोपरि है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता तभी बनी रहती है जब वह जनहित, संयम, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं के दायरे में आगे बढ़े।

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद तक निकाले गए तथाकथित चलो संसद मार्च ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या देश में हर आंदोलन वास्तव में जनहित के लिए होता है या फिर कुछ आंदोलन केवल राजनीतिक उद्देश्य साधने के लिए खड़े किए जाते हैं। सोनम वांगचुक के अनशन और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन को जिस तरह से आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने खुलकर समर्थन दिया, उससे यह आंदोलन एक स्वतंत्र जनआंदोलन कम और विपक्षी दलों के राजनीतिक मंचन का प्रयास अधिक दिखाई दिया। जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने की कोशिश के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया, कई लोग संसद मार्ग की ओर बढ़े और कुछ प्रदर्शनकारी मेट्रो स्टेशनों तक पहुंच गए, जहां नारेबाजी भी हुई। ऐसे समय में जब संसद का सत्र चल रहा हो और राजधानी में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो, तब बिना अनुमति संसद की ओर मार्च निकालना स्वाभाविक रूप से कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बन जाता है। शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार संविधान देता है, लेकिन उसके साथ कानून का पालन करना भी उतना ही आवश्यक है। लोकतंत्र अधिकार और जिम्मेदारी दोनों के संतुलन पर ही चलता है।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाना नागरिकों का अधिकार है। लेकिन जब विरोध प्रदर्शन संसद, राष्ट्रपति भवन या अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की ओर बढ़ने लगते हैं, तब प्रशासन के सामने सुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि प्रदर्शनकारी और प्रशासन दोनों संयम बरतें। यदि कहीं अनावश्यक बल प्रयोग हुआ है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, वहीं यदि कानून तोड़ने का प्रयास हुआ है तो उसके लिए भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली बात यह रही कि मंच पर और प्रदर्शन में कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। मनीष सिसोदिया, आतिशी, संजय सिंह और अन्य विपक्षी नेताओं की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि आंदोलन अब शिक्षा सुधार की मांग से आगे बढ़कर राजनीतिक रंग ले चुका है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि यह वास्तव में छात्रों का आंदोलन था तो फिर विपक्षी दलों की इतनी सक्रिय भूमिका क्यों दिखाई दी। लोकतंत्र में राजनीतिक समर्थन असामान्य नहीं है, लेकिन जब किसी आंदोलन की पहचान उसके मूल मुद्दे से अधिक राजनीतिक दलों की उपस्थिति से होने लगे, तो उसके स्वरूप पर चर्चा होना भी स्वाभाविक है। पेपर लीक का मुद्दा निश्चित रूप से गंभीर है और किसी भी परीक्षा में अनियमितता होने पर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखना सरकार और संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी है। प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं लाखों मेहनती छात्रों के भविष्य से जुड़ी होती हैं और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। इसलिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी

सुधार और पारदर्शिता सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। लेकिन पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को विफल घोषित कर देना या हर परीक्षा को संदेह के घेरे में खड़ा कर देना भी उचित नहीं कहा जा सकता। लाखों विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम के बाद परीक्षाएं दीं और बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत का प्रमाण दिया। ऐसे में यह कहना कि पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, उन लाखों ईमानदार विद्यार्थियों की मेहनत का भी अपमान माना जा सकता है। सुधार की आवश्यकता स्वीकार करना और पूरे तंत्र को असफल घोषित कर देना दोनों अलग-अलग बातें हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी लगातार शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रही हैं। विपक्ष का यह अधिकार भी है और लोकतंत्र में उसकी जिम्मेदारी भी। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि देश की शिक्षा व्यवस्था का बड़ा हिस्सा दशकों तक उन्हीं सरकारों के अधीन विकसित हुआ, जिनका नेतृत्व कांग्रेस ने किया। यदि आज विपक्ष शिक्षा सुधार की बात करता है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए उसने कौन-सी ऐसी व्यवस्थाएं विकसित की थीं जो भविष्य की चुनौतियों का समाधान कर सकें। लोकतांत्रिक बहस तब अधिक प्रभावी होती है जब उसमें आत्ममंथन भी शामिल हो। यह भी देखने योग्य है कि इस पूरे आंदोलन में अभिजीत दीपके को प्रमुख चेहरा बनाया गया, जबकि राजनीतिक समर्थन विपक्षी दलों की ओर से प्रमुखता से दिखाई दिया। इससे ऐसी धारणा बनी कि आंदोलन का सामाजिक पक्ष धीरे-धीरे राजनीतिक रणनीति के साथ जुड़ गया। किसी भी जनआंदोलन की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्वतंत्रता और विश्वसनीयता होती है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि आंदोलन किसी राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बन गया है, तो उसके मूल उद्देश्य पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठने लगते हैं। देश इस समय आधारभूत संरचना, डिजिटल प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष, परिवहन, विनिर्माण और वैश्विक कूटनीति जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ने का दावा कर रहा है। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और आर्थिक संभावनाओं पर दुनिया की नजर है। ऐसे समय में सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ उसकी कमियों पर भी चर्चा होनी चाहिए। लेकिन आलोचना तथ्यों, प्रमाणों और रचनात्मक सुझावों पर आधारित होनी चाहिए। केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से न तो शिक्षा व्यवस्था सुधरेगी और न ही विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान होगा। यह भी आवश्यक है कि सरकार ऐसे आंदोलनों को केवल राजनीतिक चुनौती मानकर खारिज न करे। यदि छात्रों और युवाओं के बीच किसी विषय को लेकर असंतोष है तो उसके कारणों को समझना और समाधान निकालना भी सरकार की जिम्मेदारी है। संवाद किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। जहां संवाद समाप्त होता है, वहीं टकराव शुरू होता है। इसलिए सरकार और प्रदर्शनकारियों—दोनों को संवाद का रास्ता खुला रखना चाहिए। आज जरूरत केवल विरोध या समर्थन की राजनीति करने की नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने की है। परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय हो, डिजिटल सुरक्षा मजबूत की जाए, पेपर लीक मामलों की समयबद्ध जांच हो और दोषियों को शीघ्र सजा मिले। इससे विद्यार्थियों का भरोसा मजबूत होगा और आंदोलन की आवश्यकता भी कम पड़ेगी। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। वह समय के साथ यह तय करती है कि कौन-सा आंदोलन वास्तविक जनहित से प्रेरित है और कौन-सा राजनीतिक लाभ की संभावना से। शिक्षा सुधार पर गंभीर चर्चा अवश्य होनी चाहिए, लेकिन उसके लिए रचनात्मक संवाद, संस्थागत सुधार और ठोस नीति आवश्यक है, न कि केवल सड़क पर शक्ति प्रदर्शन।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

निर्णायक कदम
महेन्द्र तिवारी

शून्य उत्सर्जन की दिशा में भारतीय रेलवे का सफर

भारतीय रेल नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े और व्यस्ततम रेल नेटवर्कों में से एक है। अपनी स्थापना के समय से लेकर आज तक भारतीय रेलवे ने समय के साथ अपनी तकनीक और कार्यप्रणाली में कई बड़े और परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं। कोयले से चलने वाले भाप इंजनों से लेकर डीजल और फिर व्यापक विद्युतीकरण तक का सफर रेलवे की निरंतर तकनीकी प्रगति को दर्शाता है। इसी विकास यात्रा में अब एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। भारत ने अपनी पहली हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित ट्रेन का सफलतापूर्वक संचालन शुरू कर दिया है। नमो ग्रीन रेल के नाम से जानी जाने वाली यह अत्याधुनिक ट्रेन हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच पटरियों पर उतरी है। यह केवल एक नई ट्रेन का उद्घाटन मात्र नहीं है बल्कि यह ऊर्जा के स्वच्छ विकल्पों की ओर भारत के एक बड़े और निर्णायक कदम का प्रतीक है। इस ट्रेन का निर्माण रेलवे की चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया गया है जो भारत की आत्मनिर्भरता और इंजीनियरिंग क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। इस ट्रेन के स्वरूप और क्षमता की बात करें तो इसमें दो विशेष रूप से डिजाइन की गई हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार और आठ वातानुकूलित यात्री कोच शामिल किए गए हैं। अपनी पूरी क्षमता के साथ यह ट्रेन एक बार में लगभग छब्बीस सौ यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित और सुगमता से पहुंचाने में सक्षम है। गति के मोर्चे पर भी यह ट्रेन काफी उन्नत है। हालांकि इसकी अधिकतम डिजाइन गति एक सौ दस किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है, लेकिन वर्तमान प्रायोगिक चरण में इसे पचहत्तर किलोमीटर प्रति घंटे की सुरक्षित रफ्तार से संचालित किया जा रहा है। यह हाइड्रोजन ट्रेन अपनी बिजली खुद बनाती है। ट्रेन की छतों या विशेष डिब्बों में उच्च दबाव वाले मजबूत टैंक लगे होते हैं जिनमें हाइड्रोजन गैस सुरक्षित रूप से भरी होती है। यह गैस ट्रेन में लगे अत्याधुनिक फ्यूल सेल के भीतर जाती है। वहां यह गैस वायुमंडल से खींची गई ऑक्सीजन के साथ एक इलेक्ट्रो रासायनिक प्रतिक्रिया करती है। इस पूरी रासायनिक प्रक्रिया के परिणामस्वरूप भारी मात्रा में बिजली पैदा होती है और यही वह बिजली है जो ट्रेन की भारी भरकम मोटरों को चलाकर उसे पटरियों पर आगे बढ़ाती है। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे खूबसूरत और पर्यावरण के अनुकूल पहलू यह है कि इसमें कोई हानिकारक धुआं या कार्बन गैस वातावरण में नहीं घुलती है। जींद रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन में गैस भरने के लिए एक विशेष रिफ्यूलिंग स्टेशन बनाया गया है जो इंजीनियरिंग का एक जटिल नमूना है। भविष्य में अगर इन ट्रेनों को पूरे देश में चलाना है तो ऐसे सैकड़ों स्टेशन बनाने होंगे। इसके लिए हरित हाइड्रोजन का उत्पादन बड़े पैमाने पर बढ़ाना होगा और उसे सुरक्षित रूप से देश के कोने कोने तक ले जाने के लिए विशेष टैंकरों की व्यवस्था करनी होगी। भंडारण की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित किए बिना इस तकनीक का विस्तार संभव नहीं है। जब तक हाइड्रोजन के उत्पादन से लेकर उसके अंतिम वितरण तक का एक सस्ता और सुलभ तंत्र पूरी तरह से विकसित नहीं हो जाता तब तक इस तकनीक का व्यावसायिक रूप से पूरे भारत में विस्तार करना एक बड़ी आर्थिक और व्यावहारिक चुनौती बनी रहेगी। रखरखाव और सुरक्षा के मामले में भी यह नई तकनीक रेलवे के कर्मचारियों के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव और चुनौती लेकर आई है। डीजल इंजनों के भारी भरकम यांत्रिक पुर्जों और तेल से अलग इस ट्रेन का रखरखाव मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक और रासायनिक प्रणालियों की सटीकता पर निर्भर करता है। हाइड्रोजन गैस बहुत ही अधिक ज्वलनशील होती है इसलिए इसके जरा से भी रिसाव का पता लगाने के लिए ट्रेन के चप्पे चप्पे पर अति संवेदनशील सेंसर लगाए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वचालित प्रणालियां स्थापित की गई हैं। इन सब अत्याधुनिक उपकरणों की नियमित जांच और मरम्मत के लिए भारतीय रेलवे को अपने तकनीकी कर्मचारियों और इंजीनियरों को सिरे से नया प्रशिक्षण देना होगा ताकि सुरक्षा मानकों के साथ किसी भी स्तर पर कोई समझौता न हो सके। संक्षेप में कहा जाए तो भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन केवल धातु और तारों से बनी कोई सामान्य मशीन नहीं है बल्कि यह भविष्य के आत्मनिर्भर भारत की एक स्पष्ट झलक है। जींद और सोनीपत के बीच चल रही यह प्रायोगिक ट्रेन अगर लागत समय की पाबंदी और सुरक्षा के कड़े पैमानों पर पूरी तरह से खरी उतरती है तो आने वाले कुछ ही वर्षों में हम हर कोने में ऐसी ट्रेनें दौड़ते हुए देख सकेंगे। यह न केवल भारतीय रेलवे का चेहरा हमेशा के लिए बदल देगी बल्कि पूरी दुनिया को भी एक स्वच्छ सुरक्षित और टिकाऊ परिवहन का रास्ता दिखाएगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शांति से दुखों को किया जा सकता है खत्म

संकलित
दर्शन

हम स्वयं शांति के सर्वश्रेष्ठ प्रहरी हैं। हमें कोई दूसरा व्यक्ति या वस्तु या स्थान शांति दे सकता है, यह एक काल्पनिक विचार है। हम स्वयं शांति से रह सकते हैं और दूसरों को भी शांतिपूर्वक रख सकते हैं। शांति एक मानवीय गुण तो है ही, लेकिन यह आत्मिक शक्ति है। शांति सभी सुखों की मूल है। इससे सभी वैभव एवं ऐश्वर्य की पूर्ति संभव है। शांति द्वारा सभी दुखों का शमन किया जा सकता है। इससे हर रोग का निदान होता है। शांति का माध्यम सभी समस्याओं का समाधान तैयार करता है। शांति ही देश का निर्माण करती है, वहीं अशांति से देश का पतन आरंभ होता है। शांति और अशांति के बीच समाज, समुदाय, वर्ग, कौम, जाति और संस्थाएं गतिहीन हो जाती हैं। देश की उन्नति, विकास और पुनर्निर्माण के लिए शांति का वातावरण अनिवार्य है। शांति एक शब्द मात्र नहीं है। शांति को मन मंदिर में बसाने वाले लोग देव तुल्य होते हैं। इसलिए स्वयं भी शांति के प्रहरी बनिए और दूसरों को भी शांति दूत बनाइए। यही संसार के मंगल का भेद है। शांति से बड़ी कोई दौलत नहीं है। परिवार में शांति एक वट वृक्ष की तरह है, जिसकी छाया में आनंद की अनुभूति पाई जा सकती है। अशांति कालांतर में अग्नि के समान जीवन के हर अंग को भस्म कर देती है। मानवता का मूल इसी शांति के गर्भ में स्थिर है। यदि जीवन को सुख और वैभव से संपन्न करना हो तो निश्चित ही शांति की पूजा करनी होगी। देश में जन सामान्य को शांति के सूत्र अपनाने चाहिए। सावधानी के साथ प्रेम का व्यवहार शांति के मार्ग को निष्कंटक करेगा।

बल प्रयोग अंतिम विकल्प

संकलित
प्रेरणा

एक चिड़िया का एक दाना पेड़ के कंदरे में कहीं फंस गया था। चिड़िया ने पेड़ से बहुत अनुरोध किया उस दाने को दे देने के लिए लेकिन पेड़ उस छोटी सी चिड़िया की बात भला कहां सुनने वाला था। हार कर चिड़िया बढ़ई के पास गई और उसने उससे अनुरोध किया कि तुम उस पेड़ को काट दो, क्योंकि वो उसका दाना नहीं दे रहा। भला एक दाने के लिए बढ़ई पेड़ कहां काटने वाला था। फिर चिड़िया राजा के पास गई और उसने राजा से कहा कि तुम बढ़ई को सजा दो क्योंकि बढ़ई पेड़ नहीं काट रहा और पेड़ दाना नहीं दे रहा। राजा ने उस नन्हीं चिड़िया को डांट कर भगा दिया कि कहां एक दाने के लिए वो उस तक पहुंच गई है। चिड़िया हार नहीं मानने वाली थी। वो महावत के पास गई कि अगली बार राजा जब हाथी की पीठ पर बैठेगा तो तुम उसे गिरा देना। चिड़िया आखिर में चींटी के पास गई और वही अनुरोध दोहराकर कहा कि तुम हाथी की सूंढ़ में घुस जाओ। चींटी ने चिड़िया से कहा, चल भाग यहां से...बड़ी आई हाथी की सूंढ़ में घुसने को बोलने वाली। अब तक अनुरोध की मुद्रा में रही चिड़िया ने रौद्र रूप धारण कर लिया। उसने चींटी से कहा तुझे तो अपनी चोंच में डाल कर खा ही सकती हूँ। चींटी डर गई...भाग कर राजा के पास पहुंची। राजा ने फौरन बढ़ई को बुलाया उससे कहा कि पेड़ काट दो नहीं तो सजा दूंगा। बढ़ई को देखते ही पेड़ बिलबिला उठा कि मुझे मत काटो। मैं चिड़िया को दाना लौटा दूंगा...! अंत में चिड़िया ने अपना दाना पेड़ से प्राप्त कर लिया और वो खुशी खुशी अपने घोंसले में चली गई।

अंतर्मन

आज की पाती

घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार का समय

भारत की सीमाओं की सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की संप्रभुता और आंतरिक स्थिरता से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण विषय है। लंबे समय से बांग्लादेश और म्यांमार की सीमाओं से होने वाली अवैध घुसपैठ देश के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। यह समस्या केवल अवैध रूप से देश में प्रवेश करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ फर्जी दस्तावेज, मानव तस्करी, हवाला, नशीले पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का जाल भी जुड़ जाता है। इसलिए इस चुनौती से निपटने के लिए अब आधे-अधूरे नहीं, बल्कि निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है। केंद्र सरकार द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन कराना, सीमा पर बाड़ लगाने की गति तेज करना और घुसपैठ रोकने के उपायों की समीक्षा बढ़िया कदम हैं। **- प्रतीक शर्मा, कैथल**

ट्रेंड

युवा इतिहास रच रहे

युवा आज इतिहास रच रहे हैं। नए स्टार्टअप अंतरिक्ष तक पहुंचे हैं। मुझे बताया गया कि स्काईरूट कंपनी की जिस टीम ने यह कारनामा कर दिखाया है। उनकी औसत उम्र 28 साल है। हालांकि मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा। **-नरेंद्र मोदी,** पीएम

बटुकेश्वर दत्त को नमन

महान स्वाधीनता सेनानी एवं अमर क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उन्होंने भगत सिंह जी के साथ केंद्रीय विधानसभा में बम फेंककर अंग्रेजों के अन्याय के विरुद्ध पूरे देश में आजादी की अलख जलाई। कठोर यातनाएँ सहकर भी स्वाधीनता के संकल्प को अडिग रखा। **-अमित शाह,** गृहमंत्री

पीएम मोदी युवा विरोधी

प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं। वह इतने युवा-विरोधी हैं कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते। 152 पेपर लीक की घटनाओं से 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए, लेकिन किसी दोषी को सजा नहीं मिली। **-राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

हमारी मांग स्पष्ट

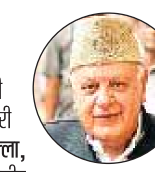

हमारी मांग स्पष्ट है, जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। यह हमारी जायज मांग है और हमारा वैध अधिकार है। हम इस मुद्दे को लेकर पूरी तरह से गंभीर हैं। केंद्र सरकार को हमारी मांग पूरी करनी होगी। **-फारूक अब्दुल्ला,** पूर्व सीएम, जम्मू-कश्मीर

करंट अफेयर

कांगो में इबोला के प्रकोप से अब तक 930 लोगों की मौत

कांगो में इबोला के प्रकोप से कम से कम 930 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 37 लोगों की मौत शुक्रवार से शनिवार के बीच 24 घंटे के दौरान हुई। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शनिवार तक इबोला के 2,344 मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें से 930 मरीजों की मौत हो चुकी है। पूर्वी कांगो में इबोला के प्रकोप की घोषणा 15 मई को की गई थी। यह रिकॉर्ड में, सबसे तेजी से फैलने वाला इबोला प्रकोप बन गया है। इस प्रकोप के लिए जिम्मेदार बंडिबुग्यो वायरस, इबोला बीमारी फैलाने वाले अन्य वायरस की तुलना में कम पाया जाता है और इसके लिए फिलहाल कोई मंजूरी प्राप्त टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है।

इबोला अत्यधिक संक्रामक बीमारी है और यह जंगली जानवरों से मनुष्यों में फैल सकती है। यह बीमारी कई मामलों में जानलेवा साबित होती है। मौत के आंकड़ों में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण सबसे अधिक प्रभावित प्रांत 'इतुरी' में राहत और बचाव अभियान पर असर पड़ा है। कुल पांच प्रांत प्रभावित हुए हैं और ये सभी पूर्वी इलाके में हैं, जहां विद्रोहियों का बोलबाला है।

ऑफ बीट

ग्रीक फायर: रोमन साम्राज्य का सबसे विनाशकारी हथियार

आधुनिक काल के सामूहिक विनाश के हथियारों से बहुत पहले एक ऐसा हथियार था, जिसे 'ग्रीक फायर' (इग्निस ग्रेकस) के नाम से जाना जाता है।

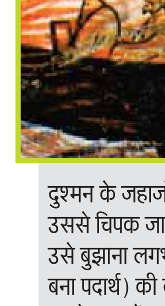

ग्रीक फायर का सूत्र इतना गोपनीय रखा गया था कि 1453 में बीजान्टिन साम्राज्य के ओटोमन साम्राज्य के हाथों पतन के साथ ही इसका रहस्य भी हमेशा के लिए खो गया। तब से लेकर आज तक अनेक रसायनविद, इतिहासकार, वैज्ञानिक और प्रायोगिक पुरातत्वविद इस रहस्यमयी हथियार का वास्तविक सूत्र जानने की कोशिश करते रहे हैं। ग्रीक फायर एक ज्वलनशील तरल पदार्थ था, जिसे बीजान्टिन युद्धपोतों के अगले हिस्से पर लगी पीतल या कांसे की नली (साइफन) के माध्यम से दुश्मन के जहाजों पर फेंका जाता था। यह तरल जिस सतह पर गिरता, उससे चिपक जाता था। यहां तक कि पानी पर भी यह जलता रहता था और उसे बुझाना लगभग असंभव था। नेपाम (नैप्थालीन और नारियल के तेल से बना पदार्थ) की तरह काम करने वाला यह हथियार बीजान्टिन नौसेना को अपने दुश्मनों पर बड़ा सामरिक लाभ देता था। सातवीं शताब्दी में उभरती हुई अरब शक्ति की समुद्री ताकत ने बीजान्टिन साम्राज्य के सामने नयी चुनौतियां खड़ी कर दी थीं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

अर्जेंटीना में हार के बाद हुए दंगे

ब्यूनस आयर्स। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से हार के बावजूद अर्जेंटीना के प्रशंसकों का अपनी टीम और लियोनेल मेसी के प्रति प्यार कम नहीं हुआ। हजारों समर्थक ब्यूनस आयर्स के ओबेलिस्को पहुंचे और टीम का हौसला बढ़ाया। हालांकि, इसी दौरान कुछ जगहों पर झड़प की घटनाएं भी सामने आईं, न के खिलाफ फाइनल में 1-0 की हार के बाद ब्यूनस आयर्स स्थित ओबेलिस्को के आसपास बड़ी संख्या में लोग जुटे। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ जगहों पर झड़प की स्थिति बनने पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर किया।

बारामुला में आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले के कांडी वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने संयुक्त अभियान के दौरान बड़ी आतंकवाद विरोधी सफलता हासिल की है। खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए तलाशी अभियान में जंगल के भीतर छिपाकर रखे गए हथियार, आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार यह संयुक्त अभियान भारतीय सेना की 52 राष्ट्रीय राइफल्स, बारामुला पुलिस, सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन और एसएसबी ने मिलकर चलाया।

जम्मू-भद्रवाह हाईवे पर हादसा, 2 की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के रग्गी नाला क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। लगातार हो रही बारिश के बीच पहाड़ी से अचानक बड़े-बड़े पत्थर और मलबा गिरने लगा, जिसकी चपेट में एक यात्री बस समेत कई वाहन आ गए। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री घायल हो गए। वही बस भद्रवाह से जम्मू की ओर जा रही थी। सुबह करीब 10 बजे रग्गी नाला के पास अचानक पहाड़ी से बोल्डर गिरने लगे। देखते ही देखते एक बड़ा पत्थर बस पर आ गिरा, जिससे बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

जंग की आहटः अमेरिका ने 50 और फाइटर जेट मिडिल ईस्ट भेजे

ईरान पर टूटेगा अब ट्रंप का कहर, अमेरिका का बड़े पैमाने पर हवाई अभियान शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में अमेरिका ने अपनी हवाई ताकत तेजी से बढ़ा दी है। मिडिल ईस्ट में 50 से ज्यादा अतिरिक्त फाइटर जेट भेजे गए हैं। यह कदम ईरान पर हमलों को और तेज करने और क्षेत्र में तनाव बढ़ने की तैयारी का संकेत देता है। अमेरिका अब ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता को और कमजोर करने के लिए बड़े पैमाने पर हवाई अभियान चला सकता है।

मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार जर्मनी से एफ-16 और ब्रिटेन से एफ-35 भी भेजे जा रहे हैं। साथ में एरियल रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट भी भेजे गए, जो लंबी दूरी के हमलों के लिए जरूरी हैं। ये तैनातियां शुक्रवार को जॉर्डन में ईरानी हमले से पहले शुरू हुई थीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने इन तैनातियों पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका क्षेत्र में अपनी हवाई श्रेष्ठता सुनिश्चित करना चाहता है।

ईरान के लगातार हमलों से परेशान, अमेरिका मिडिल ईस्ट में 50 से ज्यादा फाइटर जेट भेज रहा है। एफ-35, एफ-15 और एफ-16 की तैनाती हो रही है।

अमेरिका बढ़ा रहा हवाई ताकत

ईरान युद्ध अब नौवीं रात तक पहुंच चुका है। अमेरिका ईरान के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों पर हमलों और मिसाइल हमलों को रोकना चाहता है। ईरान ने जॉर्डन, कतर, बहरीन जैसे देशों में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए। इनमें अमेरिकी सैनिकों के मारे गए और घायल हुए। अमेरिका की यह तैनाती डिटरेंस की रणनीति है। एफ-35 जैसी स्टेल्थ जेट्स दुश्मन के राडार से बचकर हमला कर सकती हैं, जबकि एफ-15 और एफ-16 हमले और डिफेंस के लिए मजबूत हैं। एरियल रिफ्यूलिंग विमान इन जेट्स को लंबे समय तक उड़ान भरने में मदद करेंगे।

अमेरिका-ईरान पर सटीक हमले की तैयारी में

अमेरिका ईरान पर और सटीक हमले करने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले भी अमेरिका ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल साइटों, कमांड सेंटर और बंदरगाहों पर हमले किए। अब ज्यादा जेट्स से हवाई हमलों की संख्या और तीव्रता बढ़ सकती है। मिडिल ईस्ट में यह बढ़ती तैनाती पूरे क्षेत्र को प्रभावित कर रही है। जॉर्डन में पहले ही अमेरिकी बेस निशाने पर आए। कतर के अल उदेद बेस और बहरीन की सुविधाएं भी प्रभावित हुईं।

ईरान का दावाः अभी काफी मिसाइल स्टॉक बचा

ईरान का दावा है कि उसके पास अभी भी काफी मिसाइल स्टॉक बचा है। लेकिन लगातार अमेरिकी हमलों से उसके बुनियादी ढांचे – पुल, पानी के प्लांट, तेल निर्यात केंद्र को नुकसान पहुंचा है। होर्मुज में तेल जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से वैश्विक तेल कीमतें बढ़ रही हैं।

ईरान बदल सकता है अपनी रणनीति

रणनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की यह तैनाती सिर्फ बचाव नहीं, बल्कि आक्रामक रुख है एफ-35 और एफ-15 जैसे एडवांस जेट्स ईरान की एयर डिफेंस को भेद सकती है। इससे ईरान पर दबाव बढ़ेगा और वह होर्मुज में अपनी रणनीति बदल सकता है।

तेहरान में भारतीय दूतावास के निर्देश, देश छोड़ने पर करें विचार

तेहरान। ईरान में बढ़ते संघर्ष और अस्थिरता के बीच भारतीय दूतावास ने रविवार को वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एक नई और संशोधित एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीय नागरिकों को फिलहाल ईरान की यात्रा टालने की सख्त सलाह दी है। इसके साथ ही, जो भारतीय पहले से ही ईरान में मौजूद हैं, देश छोड़ने पर विचार करने को कहा गया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। भारतीय दूतावास की ओर से जारी आधिकारिक एडवाइजरी के मुताबिक, सुरक्षा माहौल में सुधार होने तक किसी भी उद्देश्य के लिए ईरान जाने वाले भारतीय नागरिक अपनी यात्रा को स्थगित कर दें। जो भारतीय इस समय ईरान में ही हैं, उन्हें उपलब्ध उड़ान विकल्पों का उपयोग करके अस्थायी रूप से देश से बाहर निकल जाना चाहिए।

हमास ने गाजा के प्रमुख वार्ताकार अल-हैया को बनाया अपना लीडर

यरूशलम। फिलिस्तीन मिलिटेंट ग्रुप हमास ने खलील अल-हैया को अपना लीडर बनाया है। यह बात हमास की तरफ से सोमवार को जारी एक बयान में कही गई। इजराइली हमलों में इस्माइल हनैया और याहया सिनवार की मौत के बाद खलील अल-हैया हमास के बड़े नेता बनकर उभरे हैं। वह गाजा के प्रमुख वार्ताकार भी हैं। 2014 में इजराइल के साथ युद्धविराम कराने में उनकी बड़ी भूमिका रही है।

खलील अल-हैया

इजराइल की हिट लिस्ट में खलील अल-हैया

इजराइल 2007 और 2014 में दो बार उनके घर पर बमबारी कर चुका है। पहली बार हैया के करीबी रिश्तेदार और दूसरी बार इनके बड़े बेटे, बहू और तीन पोतों की जान चली गई। कतर के दोहा में इजराइली हमले में उनको निशाना बनाने की कोशिश की गई। वह कतर की मध्यस्थता से इजराइल और फलस्तीन के बीच युद्धविराम समझौते के लिए अमेरिकी प्रस्ताव पर चर्चा के लिए पहुंचे थे।

हमास के सबसे प्रभावशाली नेता खलील

साल 2014 में गाजा छोड़ने के बाद से खलील अल-हैया अरब और इस्लामी जगह में हमास के प्रतिनिधि के तौर कर काम करने लगे। साथ ही उन्होंने कतर को अपना ठिकाना बना लिया। वही फरवरी 2006 से गाजा शहर के प्रतिनिधि के रूप में फिलिस्तीनी विधान परिषद में भी चुना गया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंची मोल्दोवा, प्रेसिडेंट सैंडू से की मुलाकात

व्यापार, निवेश, सप्लाई चेन सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक गहरा करने पर चर्चा

एजेंसी ▶▶ चिशिनाउ

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में मोल्दोवा पहुंच गई हैं। उन्होंने माल्दोवा की राष्ट्रपति माइया सैंडू के साथ चिसीनाउ के प्रेसिडेंशियल पैलेस में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग को और अधिक गहरा करने के तरीकों पर चर्चा हुई।

वही हमने हाल के वर्षों में हुई प्रगति की समीक्षा की और उन विभिन्न क्षेत्रों में अपने सहयोग को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की, जो हमारे लोगों के प्रगति और आर्थिक सहयोग की हमारी साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। हम व्यापार और निवेश को बढ़ावा देंगे, सप्लाई चेन को मजबूत करेंगे, कनेक्टिविटी में सुधार करेंगे तथा अपनी बिजनेस कम्युनिटी के बीच घनिष्ठ जुड़ाव को प्रोत्साहित करेंगे।

दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों और भविष्य के अनुकूल पर की चर्चा | राष्ट्रपति मुर्मू का गार्ड ऑफ ऑनर देकर गर्मजोशी से स्वागत किया

दोनों नेताओं ने भारत-मोल्दोवा सहयोग की समीक्षा की

इस बैठक की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चिसीनाउ के प्रेसिडेंशियल पैलेस में मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया सैंडू के साथ बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-मोल्दोवा सहयोग के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा की और सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। बातचीत में नए मौके पाने और आपसी संबंधों को बढ़ाने के लिए साझा प्रतिबद्धता को फिर से सुनिश्चित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया सैंडू ने चिसीनाउ में प्रेसिडेंशियल पैलेस में गर्मजोशी से स्वागत किया। भारत की राष्ट्रपति को औपचारिक स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दोनों नेताओं ने हमारी द्विपक्षीय साझेदारी के पूरे दायरे को कवर करते हुए फायदेमंद और भविष्य के अनुकूल बातचीत की।

राष्ट्रपति मुर्मू का मोल्दोवा का पहला दौरा

राष्ट्रपति मुर्मू राष्ट्रपति मैया सेंडू के निमंत्रण पर मोल्दोवा के आधिकारिक दौरे पर पहुंचीं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा का पहला दौरा है। राष्ट्रपति मुर्मू मोल्दोवा पार्लियामेंट के प्रेसिडेंट इगोर ग्रोसु से मिलेंगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह मोल्दोवा-इंडिया पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप के सदस्यों से भी बातचीत करेंगी। इसके अलावा, वह एक बिजनेस फोरम और भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करेंगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत और मोल्दोवा के बीच अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। यह दौरा एक अहम और ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा और दोनों देशों के संबंधों को एक बड़ी साझेदारी तक ले जाएगा। खेती, स्वास्थ्य सुविधा और फार्मास्यूटिकल्स, आईटी और शिक्षा के क्षेत्रों में आपसी फायदे वाले सहयोग की अच्छी गुंजाइश है।

राष्ट्रपति मुर्मू व्यापारिक मंच को करेंगी संबोधित

राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि चिशिनाउ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर, मोल्दोवा गणराज्य के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मिहाई पोपसोई ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अपनी यात्रा के पहले चरण के अंतर्गत, राष्ट्रपति मुर्मू मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया सैंडू के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। वे मोल्दोवा गणराज्य की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसू से भी मुलाकात करेंगी। राष्ट्रपति मोल्दोवा-भारत संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों के साथ चर्चा करेंगी। एक व्यापार मंच को संबोधित करेंगी और भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगी।

यूएई प्रतिनिधिमंडल ने ओम बिरला से की मुलाकात

भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर की चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला बिन तूक अल मर्री के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि यूएई के प्रतिनिधिमंडल का संसद भवन में स्वागत करते हुए उन्हें खुशी हुई। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात भारत और यूएई के बीच आपसी विश्वास, साझा हितों और घनिष्ठ सहयोग पर आधारित मजबूत साझेदारी को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा जन-से-जन संपर्क को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

दोनों देशों के बीच मजबूत हवाई संपर्क

राम मोहन नायडू ने बताया कि दोनों देशों के बीच मजबूत हवाई संपर्क लंबे समय से द्विपक्षीय साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार रहा है। बैठक में भारत के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र में सहयोग के नए अवसरों, विशेष रूप से मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल और विमान निर्माण के क्षेत्र पर विचार-विमर्श किया गया। भारत और यूएई के बीच लंबे समय से व्यापारिक और आर्थिक संबंध रहे हैं। और यह साझेदारी में बदल गया है।

विमानन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने हुई चर्चा

इस दौरान यूएई के मंत्री अब्दुल्ला बिन तूक अल मरी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से भी मुलाकात की। बैठक में भारत और यूएई के बीच विमानन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

400 किमी दूर तक रूस के अहम ठिकाने पर साधा निशाना, ऑयल डिपो पर भी किया हमला

जेलेंस्की ने कहा- रूस के हर हमले का जवाब दिया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने रूस के भीतर कई अहम सैन्य और लॉजिस्टिक्स ठिकानों को निशाना बनाया है। उन्होंने साफ किया कि रूस के हर हमले का लगातार जवाब दिया

यूक्रेन के राष्ट्रपत व्लोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी मॉस्को क्षेत्र में हमारी लंबी दूरी की कार्रवाई और प्रतिबंधों का असर दिखा है। दुश्मन के लॉजिस्टिक्स केंद्रों और एक तेल भंडार (ऑयल डिपो) को निशाना बनाया गया। इसके लिए मैं हमारी अनमैन्ड सिस्टम्स फोर्सेज, खुफिया एजेंसियों, मिसाइल और आर्टिलरी बलों, और स्पेशल ऑपरेशंस फोर्सेज के जवानों का धन्यवाद करता हूं। जेलेंस्की ने बताया कि जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, वे हमारी सीमा से 400 किलोमीटर से भी जयादा दूर थे। इसके अलावा, काला सागर में रूस के तथाकथित शैडो फ्लीट के दो टैंकरों और चार मालवाहक जहाजों को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा की रूस हमारे शहरों और बस्तियों पर जो भी हमला करता है, उसका हम हर बार उचित जवाब दे रहे हैं। इस युद्ध को खत्म होना चाहिए। यह तभी संभव है, जब इस युद्ध की एकमात्र वजह रूस पर दबाव और बढ़ाया जाए।

आईसीएमआर की रिपोर्ट में खुलासा

भारतीयों में हृदय रोग का बढ़ा खतरा 90% लोगों में फैट का स्तर असामान्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर जिस तरह से कम उम्र के लोगों में भी हृदय स्वास्थ्य की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, इससे स्पष्ट होता है कि ये बीमारी केवल बुजुर्गों की नहीं रही है। दिल की बीमारी को लेकर हम अक्सर यही सोचते हैं कि खतरा सिर्फ उन लोगों को होता है जो मोटापे या डायबिटीज का शिकार हैं, जिनका ब्लड प्रेशर हमेशा हाई रहता है। लेकिन हर मामले में ऐसा जरूरी नहीं है। इन्हीं जोखिमों को लेकर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद आईसीएमार की एक रिपोर्ट ने देश के लोगों में बढ़ती कोलेस्ट्रॉल की समस्या की गंभीर तस्वीर पेश की है। लगभग 90 प्रतिशत वयस्कों के खून में कम से कम एक तरह की फैट का स्तर सामान्य नहीं है।

भारत ने ब्रिक्स अभियोजन सेवा प्रमुखों की आठवीं बैठक की मेजबानी की

आर्थिक विकास को समर्थन देने पर चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोमवार से शुरू हुई ब्रिक्स अभियोजन सेवा प्रमुखों की 8वीं बैठक का आयोजन कर रहा है। दो दिवसीय आभासी बैठक भारत के ब्रिक्स के व्यापक दृष्टिकोण लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण को आगे बढ़ाती है। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने कहा कि यह बैठक ब्रिक्स ब्लॉक में आर्थिक विकास को समर्थन देने वाले स्थिर, निष्पक्ष और पूर्वानुमानित ढांचे को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता को उजागर करती है। इस वर्ष के संवाद का एक प्रमुख केंद्र आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और पीड़ित-केंद्रित बनाने का साझा लक्ष्य है। मंत्रालय ने कहा कि सदस्य देश अभियोजन की प्रभावशीलता में सुधार लाने और अभियोजन सेवाओं में जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए अपने अनूठे अनुभवों को साझा करेंगे। दो दिनों के दौरान, वरिष्ठ नेता आधुनिक संस्थागत चुनौतियों पर चर्चा करेंगे और न्यायनिर्णय की महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करेंगे।

बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित न्याय प्रणाली, आपराधिक मामलों के डिजिटलीकरण, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के प्रबंधन और समयबद्ध मुकदमों के संचालन जैसे विषय प्रमुखता से शामिल रहेंगे।

पूर्व सेना प्रमुख द्विवेदी बोले

'डबल फर्स्ट बटालियन' के जवान भारत का झंडा हमेशा ऊंचा रखें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व सेना प्रमुख और जम्मू-कश्मीर राइफल्स और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंट के मानद कर्नल जनरल उपेंद्र द्विवेदी, (रिटायर्ड) ने जाने-माने 'डबल फर्स्ट बटालियन' का दो दिवसीय दौरा किया।

इस दौरे ने भारतीय सेना की सबसे प्रतिष्ठित इन्फैंट्री रेजिमेंट्स में से एक के साथ उनके गहरे और लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते को फिर से मजबूत किया। यह दौरान सैनिकों की अगली पीढ़ी को ऑपरेशनल एक्सीलेंस के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है। इस दौरे से पाकिस्तान को 1965 और 1971 के युद्धों में हार का सबक याद आ गया होगा। इस दौरान उन्होंने सर्वश्रेष्ठ इक्कीस के सीओ और जोरावर बटालियन के सैनिकों से बातचीत की। जनरल ने सभी रैंक के जवानों से रेजिमेंट के खास मूल्यों, परंपराओं और बेहतरीन प्रदर्शन की भावना को बनाए रखने और रेजिमेंट का झंडा हमेशा ऊंचा रखने का आह्वान किया।

विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र के दौरान वैश्विक जागरूकता दिया जोर

जलवायु संकट और युद्ध की मार से विश्व धरोहरें संकट में, यूनेस्को ने जताई गहरी चिंता

एजेंसी ▶▶ बुसान

यूनेस्को ने जलवायु परिवर्तन और बढ़ते संघर्ष के बीच वैश्विक धरोहरों पर मंडराते खतरे का उल्लेख किया। शीर्ष अधिकारियों ने सोमवार को जलवायु परिवर्तन और सशस्त्र संघर्षों से विश्व की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को लेकर 'वैश्विक जागरूकता' और सामूहिक स्तर पर निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी शहर बुसान में आयोजित वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी (विश्व धरोहर समिति) के 48वें सत्र के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में यूनेस्को के संस्कृति मामलों के सहायक महानिदेशक नायेफ अल-फायेज ने कहा कि विश्व धरोहर स्थलों का लगातार हो रहा विनाश पूरी वैश्विक समुदाय पर मिलकर समाधान खोजने की बड़ी जिम्मेदारी डालता है।

मार्गदर्शिका का उद्देश्य धरोहरों पर मंडराते खतरे से बचाव करना | नकारात्मकता से दूर रहकर सकारात्मक संरक्षण प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना

धरोहरों का सही तरीके से संरक्षण और रखरखाव होः अल-फायेज

नायेफ अल-फायेज ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं या संघर्षों के बाद मरम्मत करने के बजाय पहले से रोकथाम के उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, भौतिक क्षति की भरपाई कई बार संभव होती है, लेकिन प्रभावित समाजों को होने वाली मानसिक और सांस्कृतिक क्षति की भरपाई करना बेहद कठिन होता है। इस जिम्मेदारी को निभाना केवल सरकारों का काम नहीं है। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि इन अमूल्य धरोहरों का सही तरीके से संरक्षण और रखरखाव हो। यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र के निदेशक लाजारे एलाउंडू असोमो ने भी इस चिंता को दोहराते हुए कहा कि वैश्विक धरोहरें इस समय अभूतपूर्व दबाव का सामना कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इन धरोहरों के सामने कई परस्पर जुड़े खतरे हैं।

विश्व धरोहर पर बुसान घोषणा को अपनाया

सोमवार को समिति ने सर्वसम्मति से बुसान डेक्लरेशन ऑन वर्ल्ड हेरिटेज' (विश्व धरोहर पर बुसान घोषणा) को अपनाया, जिसमें दुनिया भर की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों पर बढ़ते खतरों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करने का आह्वान किया गया। असोमो ने इस घोषणा को समिति का एक स्पष्ट और सशक्त संदेश बताते हुए कहा कि हमें धरोहरों की रक्षा के प्रयासों को रोकना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें और अधिक मजबूत करना चाहिए। विश्व धरोहर समिति का इस वर्ष का सत्र सोमवार को औपचारिक रूप से शुरू हुआ। उद्घाटन समारोह रविवार को आयोजित किया गया था। 1988 में यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन का सदस्य बनने के बाद यह पहला अवसर है जब दक्षिण कोरिया इस बैठक की मेजबानी कर रहा है। यह 10 दिवसीय सत्र अगले बुधवार तक चलेगा।

मुख्यमंत्री ने जगदीशपुर में कैबिनेट की बैठक के बाद जारी की राशि

मुख्यमंत्री ने 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में जारी की 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि अंतरित की। यह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2025 के फसल बीमा की दावा राशि है। मुख्यमंत्री ने जगदीशपुर में कैबिनेट की बैठक के तुरंत बाद किसानों को यह राशि जारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए विशेष रूप से संवेदनशील हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल हानि होने पर कृषकों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा के तहत खरीफ-2025 की दावा राशि सिंगल क्लिक से अंतरित

सीएम ने हितग्राहियों के खाते में राशि वितरित की।

सीएम बोले, राज्य सरकार हर परिस्थिति में कृषकों के साथ

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में कृषकों के साथ है। उन्होंने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण अच्छे मानसून का अनुमान नहीं है। ऐसी स्थिति में किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा, निर्धारित तिथि से पहले करवा लें। इससे उपज में हानि होने की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकेगी। राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है।

किसानों को 2016 से 2025 तक 30 हजार 942 करोड़ रुपए का भुगतान

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वर्ष 2016-17 से वर्ष 2024-25 तक 30 हजार 942 करोड़ 34 लाख रुपए का भुगतान प्रभावित किसानों को किया गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल रहे मौजूद

महाराज गोविंद राहुल देव सिंह ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

खंडेलवाल की मौजूदगी में नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल तथा पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समक्ष रविवार को दतिया के होटल प्राक्षी स्थित मीडिया सेंटर में महाराज गोविंद राहुल देव सिंह, शिवसेना जिला अध्यक्ष रवि दीक्षित एवं वरिष्ठ समाजसेवी विष्णु दीक्षित ने अपने चार दर्जन से अधिक समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने पार्टी में शामिल होने वाले सभी नए सदस्यों को पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर भाजपा परिवार में आत्मीय स्वागत किया तथा मुह मीठा कराकर शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस में बढ़ रही गुटबाजी: हेमंत

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस में लगातार बढ़ रही गुटबाजी, नेतृत्व की कार्यशैली और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा के कारण पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं का विश्वास कांग्रेस नेतृत्व से समाप्त होता जा रहा है। कांग्रेस के अधिकांश कार्यकर्ताओं का अपने प्रदेश अध्यक्ष तथा पार्टी नेतृत्व से मोहभंग हो चुका है। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन है।

सीएम ने 10 करोड़ की लागत से किले का किया लोकार्पण, 73 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन के लिए राशि स्वीकृत

कैबिनेट की बैठक ऐतिहासिक स्थल जगदीशपुर में संपन्न, यूसीसी समेत 9 विधेयकों को मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गौंड वंश के वैभवशाली दुर्ग जगदीशपुर के चमन महल में समानता और न्याय की भावना को समर्पित कैबिनेट की बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मप्र समान नागरिक संहिता 2026 को विधान सभा में प्रस्तुत करने के लिए अनुमोदन किया। कैबिनेट ने 8 अन्य विधेयकों को आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किए जाने के लिए भी अनुमोदन किया है।

कैबिनेट की बैठक में एक अन्य निर्णय में प्रदेश के 73 अस्पतालों के उन्नयन को भी मंजूरी दी गई है। इस कार्य के लिए 898 करोड़ 96 लाख रुपए भी स्वीकृत किए हैं। कैबिनेट ने समानता और न्याय की भावना को समर्पित मप्र समान नागरिक संहित के साथ ही आवश्यक संवैधानिक एवं प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं पूर्ण कर मप्र विधानसभा में प्रस्तुत करने के लिए विधि और विधायी कार्य विभाग को अधिकृत किया गया।

> कैबिनेट ने 8 अन्य विधेयकों को आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किए जाने के लिए भी अनुमोदन किया

खास बातें

- एक अन्य निर्णय में प्रदेश के 73 अस्पतालों के उन्नयन को भी मंजूरी
- इस कार्य के लिए 898 करोड़ 96 लाख रुपए भी स्वीकृत किए

कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई।

73 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन के लिए 776 करोड़ 13 लाख रुपए की स्वीकृति

कैबिनेट ने प्रदेश के नागरिकों को गुणवतापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की सहज एवं सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के 73 उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सिविल अस्पताल में उन्नयन के लिए 776 करोड़ 13 लाख रूपये की स्वीकृति दे दी है। पिछली कैबिनेट की बैठक में इसे लेकर काफी उहापोह की स्थिति बन गई थी।

खुद मुख्यमंत्री ने कहा था कि पहले डॉक्टरों की व्यवस्था करें, इसके बाद अस्पताल का उन्नयन करें। उन्होंने डॉक्टरों की कमी के बारे में भी स्वास्थ्य मंत्री से पूछा था। कैबिनेट ने 29 उप स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन 6-बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 19 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में, 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल में और 7 संस्थाओं को 100 बिस्तरीय अस्पताल में उन्नयन को मंजूरी दी। इन संस्थाओं में 1600 नियमित एवं 71 संविदा के नवीन पदों के सृजन तथा कुल 560 व्यक्तियों को आउटसोर्सिंग एजेन्सी के माध्यम से कार्य पर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पर प्रति वर्ष 122.83 करोड़ रुपए के व्यय की भी मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की है। स्वास्थ्य संस्थाओं की स्थापना और उन्नयन से क्षेत्र की जनता तथा आस-पास के क्षेत्रों की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी

सीएम ने मंत्रिमंडल से कहा-

कैबिनेट बैठक समानता और न्याय की भावना को समर्पित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जगदीशपुर का गौरवशाली इतिहास रहा है। जगदीशपुर लंबे संघर्ष, समृद्ध संस्कृति और सभ्यता का साक्षी रहा है। जगदीशपुर, गोंड राजवंश के साथ ही सिंधिया और राजपूत शासन काल की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। यहां के गौरवशाली इतिहास के प्रति सम्मान के प्रकटीकरण के लिए कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समानता और न्याय की भावना को समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के पास स्थित जगदीशपुर में कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

जगदीशपुर दुर्ग पर केंद्रित फिल्म का हुआ प्रदर्शन

सीएम की अध्यक्षता में समानता और न्याय की भावना को समर्पित कैबिनेट की बैठक वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री का अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने पौधा और पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

सेवा क्षेत्र से जुड़े महान व्यक्तित्वों को समर्पित बैठकें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कैबिनेट की विशेष बैठकें शौर्य-सुशासन-लोककल्याण और सेवा क्षेत्र में विशेष स्थान रखने वाले प्रदेश के महान व्यक्तित्वों से जुड़े स्थानों पर आयोजित की गई हैं। इस कड़ी में पहली डेस्टिनेशन बैठक जबलपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के शौर्य को समर्पित रही। इसके बाद दमोह जिले के सिंग्रामपुर, लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में कैबिनेट की बैठक की गई।

अपना दल (एस) की प्रदेशस्तरीय बैठक

सदस्यता अभियान के जरिए संगठन विस्तार पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अपना दल (एस) मप्र ने रविवार को राजधानी में प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह बिसेन ने की। मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मप्र प्रभारी आर. बी. सिंह पटेल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी रणनीति एवं पिछड़े वर्गों के सा मा जि क - रा ज नी ति क सशक्तिकरण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्य प्रदेश प्रभारी आर. बी. सिंह पटेल ने संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की नीतियों और विचारों को पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में पार्टी के अमृत लाल पटेल, देवेंद्र प्रताप सिंह, कैलाश गवांडे, मनभरण कोल, एस आर नागले, पूर्व जिला अध्यक्ष भोपाल सुरेंद्र नाहर, कुबेर पटेल, इंदौर जिला अध्यक्ष टीकम चंद शर्मा, सिवनी जिला अध्यक्ष चैतराम प्रजापति, सागर अध्यक्ष मनीष सरवैया, रीवा अध्यक्ष अशोक पटेल, मऊगंज अध्यक्ष अजय बिहारी पटेल, ग्वालियर अध्यक्ष राहुल सिंह सहित प्रदेशभर से पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह के आवास पर हुआ आयोजन

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना को बढ़ावा देने 'सूर्य सभा' का आयोजन

हितग्राहियों को प्रदान किए प्रमाण-पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सूर्य सभा' का आयोजन किया गया। यह सभा विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह के आवास पर हुई। कार्यक्रम में सोलर ऊर्जा अपनाने वाले परिवारों और संस्थानों को सम्मानित किया गया। इन परिवारों और संस्थानों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों में रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित कर बिजली उत्पादन शुरू किया है। इस दौरान सभी हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और हार पहनाकर उनका सम्मान किया गया। रमन सिंह ने कहा कि बिजली

की बढ़ती खपत के कारण लोगों के बिल लगातार बढ़ रहे हैं। जबकि सोलर ऊर्जा अपनाने वाले परिवारों के बिजली बिल बेहद कम या कई मामलों में शून्य तक पहुंच रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने से उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ भी मिल रहा है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

10 लाख की विशेष प्रोत्साहन राशि

रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव को इस योजना के क्रियान्वयन में प्रदेश में प्रथम स्थान पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने एक विशेष घोषणा भी की। नगर के जिन वार्डों में 50 फीसदी से अधिक घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराने का लक्ष्य पूरा होगा। उन वार्डों के संबंधित पार्षदों को विकास कार्यों के लिए 10 लाख रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से मिलकर इस अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। ताकि अधिक से अधिक परिवार सौर ऊर्जा से जुड़कर बिजली खर्च में बचत कर सकें। इससे स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

हल्दीबाड़ी चौक की घटना

ट्रक का ब्रेक फेल, तीन घायलों में से एक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी

नगर निगम क्षेत्र के हल्दीबाड़ी चौक पर एक सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। यह हादसा एक ट्रक का ब्रेक फेल होने के कारण हुआ। ट्रक ने पहले एक पिकअप वाहन को टक्कर मारी, जिसके बाद पिकअप स्कूटी सवार से टकरा गया। घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया है। स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और यातायात भी बाधित हुआ। मौके पर पुलिस टीम और महापौर पहुंचे हैं।

त्रिकुंडा थाना क्षेत्र की घटना, दोनों आरोपी गिरफ्तार

स्कूल के लिए निकले शिक्षक का चचेरे भाइयों ने संपत्ति विवाद के चलते गला रेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बलरामपुर

जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। स्कूल के लिए निकले शिक्षक पर उसके ही चचेरे भाइयों ने घात लगाकर हमला किया। टीचर का गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया है। घटना सोमवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे के आस-पास की है। यह खूनी वारदात त्रिकुंडा थाने क्षेत्र की है। इस घटना से गांव में दहशत का माहौल है। सूचना पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। जानकारी मिलने पर त्रिकुंडा पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है।

हेडमास्टर के पद पर थे पदस्थ

बताया जाता है कि त्रिकुंडा के राधानगर निवासी जयकरन जगते ग्राम धमनी कुमीहा के विद्यालय में हेडमास्टर के पद पर पदस्थ थे। वे

रोज की तरह अपने स्कूल धमनी कुमिहा विधायक जाने के लिए अपने मोटरसाइकिल से निकले थे। अपने घर से करीब आधा किलोमीटर ही निकले थे, तभी पहले से घात लगाए बैठे उसके चचेरे भाई बृजमोहन और हरिमोहन ने उसका रास्ता रोक लिया। हथौड़े और चाकू से उन पर ताबड़तोड़ प्रहार किया। इससे शिक्षक जयकरन मोटरसाइकिल से गिर पड़े, जिसके बाद आरोपियों ने बड़ी ही बेरहमी से चाकू से उसका गला रेत दिया। इससे शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीणों ने आरोपियों का घर फूंका

मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षक जयकरन जगते, उसके चचेरे भाई बृजमोहन 25 वर्ष, हरिमोहन 24 वर्ष के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। मामले में परिवार के बीच जमीन का बंटवारा भी हो चुका था। इसके बाद भी शिक्षक उन्हें अपने हिस्से की जमीन का सीमांकन करने और जोतने नहीं दे रहा था, जिससे विवाद की स्थिति बनी हुई थी। इस घटना से गुस्साये ग्रामीणों ने आरोपियों के घर में आग लगा दी। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। एहतियात के तौर पर पुलिस की चारों तरफ पैनी नजर है।

आरोपी हिरासत में, पुलिस कर रही मामले की जांच

नशे में धुत पति ने शराब पीने के विवाद के चलते पत्नी को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भैसामुड़ा में रविवार देर रात एक दुखद घटना हुई। नशे में धुत पति ने शराब पीने को लेकर हुए विवाद में अपनी पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर दी। इस पिटाई से पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान 32 वर्षीय अगहन बाई धनवार के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मड़वारानी गांव की निवासी थी। अगहन बाई पिछले कुछ दिनों से अपने पति परदेसी धनवार के साथ भैसामुड़ा में रह रही थी। दोनों रोजी-मजदूरी कर जीवन यापन करते थे। उनकी एक बेटी है जिसकी शादी हो चुकी है। पुलिस के अनुसार, रविवार देर रात पति-पत्नी ने साथ में शराब पी थी। पार्टी के बाद बची हुई शराब अगहन बाई ने पी ली। इसी बात पर पति परदेसी को गुस्सा आ गया। नशे में परदेसी ने रात भर अगहन बाई को डंडे से पीटा।

आरोपी ने सुबह पड़ोसियों को दी जानकारी

चीख-पुकार सुनकर एक बुजुर्ग बचाने पहुंचा, जिसे आरोपी ने उठाकर पटक दिया। डर के मारे बुजुर्ग वहां से भाग निकला। पिटाई के बाद अगहन बाई की मौत हो गई। आरोपी देर रात तक शव से लिपटा रहा। सोमवार सुबह उसने खुद गांव वालों को पत्नी की हत्या की जानकारी दी। ग्रामीणों की सूचना पर उरगा थाना प्रभारी नवीन पटेल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आरोपी पति परदेसी धनवार को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने शराब और गुस्से में हत्या करना स्वीकार किया है। नवीन पटेल ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

2 घंटे चली विधायक दल की बैठक, उमंग बोले - सरकार थोपना चाहती है यूसीसी

विधानसभा सत्र से पहले कांग्रेस ने बनाई घेराबंदी की रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले रविवार शाम नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के आवास पर कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में कांग्रेस के अधिकांश विधायक शामिल हुए। बैठक में आगामी विधानसभा सत्र के दौरान सरकार को जनहित के मुद्दों पर घेरने और हर विधायक को समन्वित तरीके से सदन में अपनी भूमिका निभाने की रणनीति बनाई गई।

बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि विधानसभा का मानसून सत्र केवल चार दिन का है, जबकि प्रदेश में जनता से जुड़े कई गंभीर मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केन-बेतवा परियोजना, गरीब कल्याण योजनाओं की स्थिति, शिक्षा व्यवस्था, युवाओं के स्वास्थ्य, भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों, बेरोजगारी और अन्य जनहित के मामलों पर सरकार से जवाब मांगेगी। उनका कहना था कि सीमित अवधि के कारण सभी विषयों पर विस्तृत चर्चा संभव नहीं होगी, फिर भी कांग्रेस प्रमुख मुद्दों को मजबूती से सदन में उठाएगी। उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनता से जुड़े मूल मुद्दों पर चर्चा करने से बच रही है। उन्होंने कहा कि सरकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जैसे विषय को बिना व्यापक जनचर्चा के आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है। उनके अनुसार, इस विषय पर कई विधायकों और विभिन्न वर्गों की आपत्तियों तथा सुझावों पर पर्याप्त विचार नहीं किया गया है। बैठक के दौरान सभी कांग्रेस विधायकों से कहा गया कि वे सदन में पूरी तैयारी के साथ पहुंचें और पार्टी द्वारा तय रणनीति के अनुसार एकजुट होकर सरकार से जवाब मांगें। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि जनता से जुड़े हर महत्वपूर्ण मुद्दे को समन्वित तरीके से उठाया जाएगा, ताकि सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर किया जा सके। कांग्रेस का कहना है कि वह मानसून सत्र में प्रदेश के किसानों, युवाओं, महिलाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ सदन में उठाएगी।

सड़क के गड्ढों में बेशरम के पौधे लगाकर कांग्रेस का अनोखा विरोध प्रदर्शन

भोपाल। अवधपुरी क्षेत्रवासी लंबे समय से जर्जर सड़क और गड्ढों की समस्या से परेशान है। इसी को लेकर रविवार को वार्ड क्रमांक-61 में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क के गड्ढों में बेशरम के पौधे लगाकर प्रशासन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के माध्यम से क्षेत्र की सड़क का शीघ्र निर्माण कराने की मांग उठाई गई। आयोजक महेंद्र विश्वकर्मा (अधिवक्ता) ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से खराब सड़क से परेशान है। यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो आंदोलन और व्यापक किया जाएगा। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, वार्ड कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र भारती, अभिषेक शर्मा, टीआर गहलोत, दीपक गुप्ता, सुशील प्रजापति ओंकार सिंह व रामपाल घोंसले सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

अनोखा प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

जब्त जमीन-मकानों पर आरबीआई का शिकंजा

नई दिल्ली। लोन डिफॉल्ट के बाद बैंकों के कब्जे में आई जमीन, मकान और दुकानों जैसी अचल संपत्तियों को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सख्त कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने बैंकों को निर्देश दिया है कि खराब कर्ज के बदले हासिल की गई अचल संपत्तियों को तय समय सीमा के भीतर बेचना होगा। आरबीआई के नए नियमों के मुताबिक, बैंक ऐसी संपत्तियों को अनिश्चित समय तक अपने पास नहीं रख सकेंगे। उन्हें इन संपत्तियों की बिक्री अधिकतम सात साल के भीतर करनी होगी। बिक्री प्रक्रिया सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट के तहत सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से करनी होगी।

शोधकर्ता, शिक्षाविद उद्योग विशेषज्ञ और विद्यार्थी हुए शामिल

वीआईटी भोपाल में आईईईई का पहला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'आईईसीएस 2026' हुआ संपन्न, 232 शोध-पत्र हुए प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी में आयोजित आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटेलिजेंट इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्यूटेशनल सिस्टम्स (आईईसीएस 2026) का पहला संस्करण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दो दिवसीय सम्मेलन में भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और विद्यार्थियों ने भाग लेकर इंटेलिजेंट इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटेशनल सिस्टम्स और उभरती प्रौद्योगिकियों पर अपने शोध एवं विचार साझा किए।

दो दिवसीय सम्मेलन

देशों के शोधकर्ताओं की सम्मेलन में रही भागीदारी

देश के प्रमुख संस्थानों जैसे आईआईटी इंदौर, आईआईटी जम्मू, एनआईटी पुडुचेरी, आईआईटीआरएएम अहमदाबाद, आईईटी-डीएवीवी इंदौर, बिट्स पिलानी, बेनेट यूनिवर्सिटी, एमएएनआईटी भोपाल और आरजीपीवी के अलावा फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, चीन और बेल्जियम सहित कई देशों के शोधकर्ताओं ने भी सम्मेलन में भागीदारी की। सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. सत्य गुप्ता का मुख्य व्याख्यान रहा।

नई तकनीकी संभावनाओं से अवगत कराया

इस दौरान बिल्डिंग अ सेल्फ रिलायंट सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विषय पर विशेष पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें शिक्षा, उद्योग और शासन क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण, प्रतिभा विकास और नीतिगत प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा, डॉ. विवेक तिवारी और डॉ. अंबिका पी. शाह ने भी तकनीकी व्याख्यान देकर प्रतिभागियों को नई तकनीकी संभावनाओं से अवगत कराया।

232 शोध-पत्रों का चयन नौ तकनीकी सत्रों में हुआ

स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग द्वारा आईईईई स्टूडेंट ब्रांच के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन को वैश्विक स्तर पर व्यापक प्रतिक्रिया मिली। सम्मेलन के लिए 2,300 से अधिक शोध-पत्र प्राप्त हुए, जिनमें कठोर सहकर्मी समीक्षा (पीयर रिव्यू) के बाद 232 शोध-पत्रों का चयन नौ तकनीकी सत्रों में मौखिक प्रस्तुति के लिए किया गया। लगभग 10 प्रतिशत की स्वीकृति दर ने सम्मेलन की उच्च अकादमिक गुणवत्ता को दर्शाया। सम्मेलन का उद्घाटन प्रो. राजीव दीक्षित, वाइस चेयरमैन, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल ने किया। इस अवसर पर आईईईई मध्य प्रदेश सेक्शन के अध्यक्ष प्रो. जीएस तोमर, चेयर-इलेक्ट डॉ. मनीष दीक्षित, आरजीपीवी के डॉ. जितेंद्र अग्रवाल तथा आईईईई मध्य प्रदेश सेक्शन के सचिव प्रो. एमपीएस चावला सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, फैकल्टी सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। सम्मेलन के दौरान डेटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वीएलएसआई डिजाइन, आरएफ एवं एंटीना डिजाइन, कम्युनिकेशन एवं नेटवर्क, इलेक्ट्रिकल एवं पावर सिस्टम, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्लाउड एवं साइबर सुरक्षा, सिग्नल एवं इमेज प्रोसेसिंग, कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी तथा हेल्थकेयर एवं बायोटेक्नोलॉजी जैसे विषयों पर शोध प्रस्तुत किए गए।

इंटरनेशनल कैमेस्ट्री ओलम्पियाड में भारत का परचम

एलन के विद्यार्थियों ने 4 में से 3 गोल्ड मेडल अपने नाम किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोटा

इंटरनेशनल ऑफिशियल ओलम्पियाड्स में भारत का मान बढ़ाते हुए एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया है। 58वें इंटरनेशनल कैमेस्ट्री ओलम्पियाड (आईसीएचओ) 2026 में भारतीय टीम के चार में से तीन गोल्ड मैडल एलन के विद्यार्थियों ने हासिल किए हैं। इस उपलब्धि के साथ भारत ने 93 देशों में चीन और वियतनाम के साथ संयुक्त रूप से रैंक-1 स्थान प्राप्त किया है।

उज्बेकिस्तान के ताशकंद में 10 से 19 जुलाई तक आयोजित आईसीएचओ-2026 के फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में शामिल एलन के क्लासरूम स्टूडेंट्स कक्षा 11 के देबदत्ता प्रियदर्शी, हर्षित सिंगला और कक्षा 12 के कबीर छिल्लर ने गोल्ड मैडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। कबीर छिल्लर ने जेईई-एडवांस्ड 2026 में ऑल इंडिया रैंक-2 हासिल की थी, जबकि देबदत्ता प्रियदर्शी एलन कोटा में जेईई-एडवांस्ड की तैयारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों को बधाई दी है।

सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन

कबीर छिल्लर क्लासरूम · देबदत्ता प्रियदर्शी क्लासरूम · हर्षित सिंगला क्लासरूम

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल एलन की नहीं, बल्कि पूरे देश की उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पिछले 27 वर्षों में इंटरनेशनल कैमेस्ट्री ओलम्पियाड में भारत का यह सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन है। साथ ही पहली बार किसी एक इंस्टीट्यूट के तीन विद्यार्थियों ने एक ही ओलम्पियाड में गोल्ड मैडल हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि एलन स्टूडेंट्स अब तक विभिन्न ऑफिशियल इंटरनेशनल ओलम्पियाड्स में 191 मैडल जीत चुके हैं, जिनमें 93 गोल्ड, 75 सिल्वर और 23 ब्रॉन्ज मैडल शामिल हैं। आईसीएचओ-2026 में 93 देशों के 363 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (एचबीसीएसई) के अनुसार भारत पिछले 27 वर्षों से इस ओलम्पियाड में भाग ले रहा है और इस वर्ष का प्रदर्शन अब तक का सर्वश्रेष्ठ रहा है।

चार चरणों में हुआ चयन

इंटरनेशनल कैमेस्ट्री ओलम्पियाड के लिए चयन प्रक्रिया चार चरणों में आयोजित की गई। पहले चरण में नेशनल स्टैंडर्ड एग्जामिनेशन इन कैमेस्ट्री (एनएससीई) का आयोजन इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (आईएपीटी) ने किया, जिसमें एलन के 189 विद्यार्थियों का चयन हुआ। दूसरे चरण इंडियन नेशनल कैमेस्ट्री ओलम्पियाड में एलन के 16 विद्यार्थियों ने स्थान बनाया।

इंटरनेशनल ओलम्पियाड में एलन का शानदार रिकॉर्ड

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने अब तक विभिन्न इंटरनेशनल ओलम्पियाड्स में 191 पदक हासिल किए हैं। इनमें 93 गोल्ड मैडल शामिल हैं। एलन विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल जूनियर साइंस ओलम्पियाड, इंटरनेशनल फिजिक्स ओलम्पियाड, इंटरनेशनल कैमेस्ट्री ओलम्पियाड, इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलम्पियाड, इंटरनेशनल मैथेमेटिकल ओलम्पियाड सहित कई प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए सफलता हासिल की है।

भारत की युवा शक्ति दुनिया भर में अपनी छाप छोड़ रही

58वें इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में गोल्ड मेडल जीतने पर देबदत्ता प्रियदर्शी, हर्षित सिंघल, कबीर चिल्लर और संदीप कुची की टीम को बधाई। इस प्रतिष्ठित मंच पर यह भारत का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था। उनकी काबिलियत, लगन और विज्ञान के प्रति उनके जुनून ने पूरे देश का मान बढ़ाया है। इससे अनगिनत युवा केमिस्ट्री की पढ़ाई करने और उसमें बेहतर करने के लिए प्रेरित होंगे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने दिए सख्त निर्देश

मध्य प्रदेश में मिलावटी दूध के खिलाफ चलेगा विशेष अभियान

वाणिज्य

प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

नियंत्रक मनोज पुष्प ने जारी किए आदेश

महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में मिलावटी और सिंथेटिक दूध के निर्माण से जुड़े मामले सामने आने के बाद मध्यप्रदेश में दूध की गुणवत्ता को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग सतर्क हो गया है। आम लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण दूध उपलब्ध कराने के लिए प्रदेशभर में विशेष निगरानी, निरीक्षण और सैंपलिंग अभियान शुरू करने के निर्देश जारी किए गए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्य प्रदेश के नियंत्रक मनोज पुष्प ने भोपाल सहित सभी जिलों के अभिहित अधिकारियों को निर्देश जारी कर दूध से जुड़े खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच करने को कहा है।

पुलिस और प्रशासन के साथ होगी संयुक्त कार्रवाई

विभाग ने निर्देश दिए हैं कि मिलावटी दूध, नकली दूध या खाद्य अपमिश्रण से जुड़ी गतिविधियां मिलने पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग के साथ समन्वय बनाकर संयुक्त कार्रवाई की जाए। साप्ताहिक अभियान के दौरान किए गए निरीक्षण, लिए गए नमूने, त्वरित जांच और की गई वैधानिक कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट सभी जिलों को 31 जुलाई 2026 तक मुख्यालय भोपाल भेजनी होगी।

डेयरी और चिलिंग प्लांट की होगी जांच

जारी आदेश के अनुसार अभियान के तहत जिले के सभी दूध चिलिंग प्लांट, डेयरी इकाइयां, दूध संग्रहण केंद्र, दूध निर्माण इकाइयां, थोक दूध विक्रेता अन्य संबंधित खाद्य व्यवसाय संचालक का निरीक्षण किया जाएगा। विभाग ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि संदेहास्पद दूध और दुग्ध उत्पादों के पर्याप्त नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत लिए जाएं। निरीक्षण के दौरान यदि दूषित, मिलावटी या सिंथेटिक दूध पाया जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला जबलपुर

संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति

जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर के अंतर्गत जबलपुर में संभागीय प्रतियोगिता में खिलाडियो / ऑफिशियल्स को भोजन व्यवस्था में सुबह का नाश्ता, दोपहर का खाना एंव रात्रि का भोजन उपलब्ध कराने हेतु अधिकृत फर्म से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र अधेहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर, पी.एस.एम.परिसर, कलेक्ट्रेट के सामने जबलपुर से दिनांक 21.07.2026 से 2000/- अंकन दो हजार रुपए नगद जमा कर क्रीड़ा कक्ष से प्राप्त किये जा सकते है।

नियम एंव शर्त निविदा प्रपत्र में दर्शित की गई है। इच्छुक निविदा कर्ता अपनी दरें निर्धारित स्थल एंव समय पर जमा करें। सीलबंद निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 23.07.2026 को दोपहर 02:00 बजे तक कार्यालयीन दिवसों तथा कार्यालयीन समय में निविदा बॉक्स में डाली जा सकेंगी।

निविदा दिनांक 23.07.2026 को 04:00 बजे कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर में उपस्थित निविदा कर्ताओं एंव क्रय समिति के समक्ष खोली जावेगी।
(नोट- निविदा सत्र 2026-27 एंव 2027 28 हेतु पात्र की जायेगी।)

जिला शिक्षा अधिकारी
G-15944/26 "स्वच्छता ही सेवा" जिला जबलपुर

डीजल में भी शुरू होगा बायोडीजल मिश्रण सरकार जल्द बाजार में बी5 ईंधन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण (ई20) के बाद केंद्र सरकार अब डीजल में भी बायोडीजल मिश्रण को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। सरकार जल्द ही बी5 बायोडीजल बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। इसमें 95 प्रतिशत सामान्य डीजल और 5 प्रतिशत बायोडीजल का मिश्रण होगा। सरकार का कहना है कि बी5 ईंधन को मौजूदा डीजल इंजनों में बिना किसी तकनीकी बदलाव के इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसका उद्देश्य आयातित कच्चे तेल पर देश की निर्भरता कम करना और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है।इंडियन ऑयल के अनुसार इस बायोडीजल का उत्पादन मुख्य रूप से जटरोफा और करंज जैसे गैर-खाद्य वनस्पति तेलों से किया जाएगा। इनका उपयोग खाद्य तेल के रूप में नहीं होता, इसलिए इन्हें बायोडीजल उत्पादन के लिए उपयुक्त माना जाता है।सरकार पहले भी बायोडीजल का विभिन्न स्तरों पर परीक्षण कर चुकी है। हरियाणा रोडवेज, भारतीय रेलवे और टाटा समूह के सहयोग से डीजल में 5 से 10 प्रतिशत तक बायोडीजल मिलाकर सफल परीक्षण किए गए हैं।

कार्यालय वनमंडलाधिकारी, वनमंडल उमरिया (म. प्र.)
फोन (कार्यालय- 222217 ई-मेल- dfotumaria@mp.gov.in

क्रमांक/ई-टेण्डर/2026/1538 उमरिया, दिनांक: 16.07.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

वनमंडल उमरिया अंतर्गत वन एवं वन्यप्राणी की सुरखा एवं शासकीय कार्यो के सम्पादन के लिए वर्ष 2026-27 हेतु 07 वाहनो के लिए ई-टेडरिंग पद्धति से ऑनलाईन पोर्टल https://mptenders.gov.in/ के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है, निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	वनमंडल उमरिया अंतर्गत (वन एवं वन्यप्राणी की सुरक्षा एवं शासकीय कार्यो के सम्पादन) के लिए वर्ष 2026-27 हेतु किराया के 04 नग बुलेरो वाहन एवं 03 नग बुलेरो कैम्पर हेतु निविदा	30,000/- (तीस हजार रुपए) मात्र प्रति वाहन	1000/-

इस निविदा के लिए दिनांक 17.07.2026 से आवेदन केवल ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित किए जा रहे है, निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी https://mptenders.gov.in के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। निविदा जमा करने की अंतिम निर्धारित तिथि 31.07.2026 समय 03.00 बजे तक रहेगी। निविदा खोलने की तिथि 01.08.2026 को समय 04.00 बजे रहेगा। उक्त निविदा वन विभाग की विभागीय वेबसाईट https://mpforest.gov.in पर भी देखजी जा सकती है।

वनमंडलाधिकारी
G-15955/26 सामान्य, वनमंडल उमरिया (म.प्र.)

राशिफल

मेष – मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान रहेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। तरक्की के योग हैं।

वृष – मन थोड़ा परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जाना हो सकता है।

मिथुन – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कारोबारी कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क – वाणी में मधुरता रहेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

सिंह – आत्मविश्वास भी बहुत रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। खर्च बढ़ेंगे। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

कन्या – किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती हैं।

तुला – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार में सुधार होगा। कारोबार के विस्तार के लिए पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता के योग हैं।

वृश्चिक – किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार से लाभ के अवसर भी मिल सकते हैं। यात्रा के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु – आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे, परन्तु मन अशान्त भी हो सकता है। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।

मकर – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

कुंभ – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंता परेशान करेंगी।

मीन – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे, परन्तु आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। खर्च अधिक रहेगा। मित्रों से भेंट होगी।

वी ने मप्र में 5जी सेवाओं का विस्तार किया

भोपाल। दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने मध्य प्रदेश में अपने 5जी नेटवर्क का विस्तार करते हुए सागर, सतना और जबलपुर में 5जी सेवाएं शुरू करने की घोषणा की है। इससे पहले कंपनी भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में अपनी 5जी सेवाएं लॉन्च कर चुकी है। कंपनी के अनुसार, सागर, सतना और जबलपुर राज्य के प्रमुख औद्योगिक, शैक्षणिक, प्रशासनिक और व्यावसायिक केंद्र हैं। जबलपुर प्रशासनिक, न्यायिक और पर्यटन गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है, जबकि सतना को 'सीमेंट सिटी ऑफ इंडिया' के रूप में जाना जाता है।

सिल्वर स्टॉर्म पार्क्स का आईपीओ 24 को खुलेगा

मुंबई। एकीकृत मनोरंजन (इंटीग्रेटेड अम्यूज़मेंट) डेस्टिनेशन सिल्वरस्टॉर्म पार्क्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड ने 24 जुलाई, 2026 को अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) खोलने का प्रस्ताव किया है। कंपनी का लक्ष्य 82.43 करोड़ रु. जुटाने का है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इस इश्यू में 10 रु. अंकित मूल्य वाले 61,98,000 नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। आईपीओ का प्राइस बैंड 123 से 133 रु. प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सूचना

कोच पुनर्निर्माण कार्यों हेतु अभिरुचि अभिव्यक्ति (Expression of Interest) आमंत्रण

सूचना क्रमांक: MIBW-2026-19-06-09/EOI दिनांक 16.07.2026

मोतीबाग कारखाना, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, द्वारा नागपुर एवं आसपास स्थित सक्षम, अनुभवी तथा वित्तीय रूप से सुदृढ़ फर्मों से कोच पुनर्निर्माण कार्यों हेतु अभिरुचि अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित करता है।

इस EOI का मुख्य उद्देश्य ऐसी योग्य स्थानीय एजेंसियों की पहचान करना है जो रेलवे के निरीक्षण डिब्बों (इंस्पेक्शन कैरिज) को अपग्रेड, रिस्टोर और रिफर्बिश करने में सक्षम हों। कार्य का दायरा broadly निम्नलिखित कार्यों को सम्मिलित करेगा:

- आंतरिक पैनलिंग कार्य, बढ़ईगिरी एवं साज-सज्जा, प्लंबिंग एवं शौचालय उन्नयन तथा विद्युत फिटिंग कार्य।

इच्छुक फर्मों का प्रमुख कार्यशाला, विनिर्माण इकाई अथवा पंजीकृत कार्यालय नागपुर अथवा आसपास के जिलों (नागपुर शहर केंद्र से 100 किमी. की परिधि में) स्थित होना वांछनीय है।

प्रस्तुति की अंतिम तिथि	01.08.2026
प्रस्तुति का माध्यम	पंजीकृत डाक / कूरियर द्वारा हार्डकॉपी अथवा ई-मेल (dycme.mibw@gmail.com)
प्रस्तुति एवं पूछताछ हेतु पता:	मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, मोतीबाग कारखाना, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, कड़बी चौक के पास, कामठी रोड, नागपुर – 440004

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता,
PAM/25/55 मोतीबाग वर्कशॉप / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे / नागपुर

f South East Central Railway X @secrail

शब्द पहेली - 6293

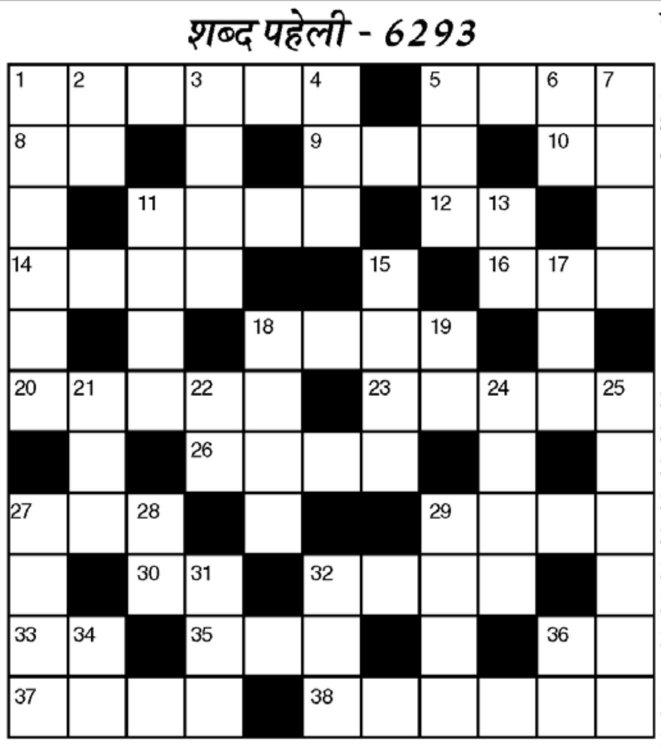

बाएँ से दाएँ
1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे
1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली- 6292 का हल

सूडोकु नवताल - 6303

✱✩✩✩✩ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 630 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

हरिभूमि सहेली

हर किसी की जिंदगी में कोई ना कोई ऐसी घटना घटित होती है या वह किसी ऐसे बुरे अनुभव से गुजरता है, उसका जीवन पर गहरा असर पड़ता है, बहुत ही दुखदायी, पीड़ाजनक। लेकिन इसका असर पूरी जिंदगी भर रहे, इंसान अकेला होकर जीवन जीने लगे, उदासी-निराशा से घिरा रहे, यह स्थिति स्वयं के लिए चिंताजनक है। किसी भी दर्द-तकलीफ को जीवन का अंतिम सत्य नहीं मान लेना चाहिए।

किसी बुरे अनुभव का असर क्यों रहे जिंदगी भर

कवर स्टोरी

स्नेहा सिंह

जीवन में कभी-कभी कोई दर्दनाक घटना या बुरा अनुभव हमारे भीतर गहरे तक बैठ जाता है। यह बुरा अनुभव धोखा, असफल विवाह, विश्वासघात या किसी अपने का साथ छूट जाना हो सकता है। ये बातें केवल उस पल तक सीमित नहीं रहतीं, अकसर हमारे वर्तमान और भविष्य पर भी असर डालती हैं। हम भारी तनाव से घिर जाते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे लोगों में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की होती है, जो अपने अतीत के कड़वे अनुभवों से बाहर नहीं निकल पाते।

नई आशाएं बनाए रखें

सवाल यह है कि क्या एक बुरा अनुभव ताउम्र के लिए एक फैसला हो जाती है? बिल्कुल नहीं। सावधानी जरूरी है, लेकिन डर के कारण जीवन के सारे दरवाजे बंद कर देना समझदारी नहीं है। यदि कभी कोई रिश्ता टूट गया, विश्वास बिखर गया या जीवन में कोई कठिन मोड़ आया, तो इसका अर्थ यह नहीं कि आगे भी हर रास्ता ऐसा ही होगा। हर नया दिन नई आशाएं और संभावनाएं लेकर आता है। गहना का ही उदाहरण लें, उसकी अपने परिवार की पसंद से हार्दिक से अरेंज मैरिज हुई। हार्दिक पढ़ा-लिखा, सुलझा हुआ और उसे व्यवहार कुशल भी लगा। गहना ने बिना ज्यादा कुछ सोचे, रिश्ते के लिए हां कह दी। सगाई के कुछ ही महीनों बाद विवाह हो गया। लेकिन शादी के बाद हार्दिक का व्यवहार पूरी तरह बदल गया। वह गहना की भावनाओं की कोई परवाह नहीं करता था। देर रात घर लौटता, गहना से बातचीत नहीं करता, उसके हाथ का बना खाना नहीं खाता और हर समय दूरी बनाए रखता। पूरे एक साल तक गहना ने यह सब सहा, लेकिन एक दिन उसकी सहनशक्ति जवाब दे गई। उसने अपनी मां को फोन करके सारी बातें बताईं और बोली, 'अगर आप मुझे यहां से नहीं ले जाएंगी तो मैं किसी दिन अपनी जान दे दूंगी।' माता-पिता ससुराल आकर उसे अपने साथ ले गए। अंततः गहना और हार्दिक का तलाक हो गया, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। मायके में भी उसे भाभी के तानों का सामना करना पड़ता। लगातार मानसिक पीड़ा से तंग आकर वह नौकरी खोजने के बहाने दूसरे शहर में शिफ्ट हो गई। वहां उसे बाहरी शांति तो मिली, लेकिन अकेलापन उसके साथ बना रहा। दोस्त उसे दोबारा जीवन शुरू करने और नया साथी चुनने की सलाह देते थे, लेकिन गहना अब किसी रिश्ते पर विश्वास करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही थी। वह अपने जीवन से हताश-निराश हो चुकी थी। लेकिन कुछ समय बाद उसने अपने आप को संभाला, वह अकेलेपन से बाहर आई। लोगों से नए रिश्ते बनाए, पुराने रिश्तों से भी जुड़ी। उसने एक अच्छी जॉब ही नहीं खोजी, एक अच्छा जीवन साथी भी खोजा। आज वह अपने पति के साथ सुखी वैवाहिक जीवन बीता रही है। उसका एक तीन साल का बेटा भी है।

अकेलेपन से ऐसे बचें

किसी बुरे अनुभव से गुजरा व्यक्ति प्रायः हताश-निराश होकर लोगों से खुद को दूर करके अपने आपको अकेला कर लेता है, यह सही नहीं है। आप अपनों के बीच बनी रहें। अपनों का साथ हमें सुरक्षा, अपनापन और भावनात्मक संबल देता है। याद करें, जब आप युवावस्था में थीं, तब सखी-सहेलियों से सभी तरह की बातें साझा करते हुए कभी अपने आपको कमजोर महसूस नहीं करती थीं। सहेलियों की सलाह पर हर दर्द का सामना करती थीं, अकेलापन महसूस नहीं करती थीं। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता जाता है, आप और आपकी सहेलियां अपने-अपने परिवार और जिम्मेदारियों में व्यस्त हो जाती हैं। आपकी बातें साझा करने वाला कोई नहीं रह जाता है, लेकिन आपके पास नए रिश्ते तो होते ही हैं, इनमें जो आपके करीब हैं, विश्वसनीय हैं, उनसे अपनी तकलीफें शेयर करें, इससे आप एक हल्कापन महसूस करेंगी।

करिए नई शुरुआत

किसी बुरे अनुभव या हादसे से गुजरकर अपने आपको अकेलेपन में मत धकेलिए। कुछ समय तो अकेलेपन की इच्छा एक शांति, राहत दे सकती है, लेकिन यह इच्छा हमेशा नहीं बनी रहती। कुछ समय बाद मन किसी अपने की आवाज, किसी अपने का स्पर्श, किसी के साथ और अपनापन तलाशने लगता है। इंसान रिश्तों के बीच रहकर ही जीवंत रहता है, खुश रहता है। इसलिए आपको कोई दर्द मिला है तो उसे जीवन का अंतिम सत्य मत मानिए। अपने मन को समय दीजिए, स्वयं को संभालिए और जब लगे कि दिल फिर से भरपूर जिंदगी जीने को तैयार है, तब जीवन को एक और अवसर दीजिए। याद रखिए, किसी बुरे अनुभव का असर जिंदगी भर नहीं रहता। जीवन हर मोड़ पर नई उम्मीद लेकर आपका इंतजार करता है। बस जरूरत होती है, अपने भीतर के विश्वास को जगाने की, नई ऊर्जा के साथ अपनी जिंदगी जीने की। a

अकेलापन घेरता है कई बीमारियों से

हमें कभी भी लंबे समय तक अकेलेपन से नहीं घिरे रहना चाहिए। जीवन में कुछ समय तो एकांत अच्छा लगता है, लेकिन लंबे समय तक अकेले रहना व्यक्ति के स्वभाव और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए सही नहीं है। इस तरह की स्थितियों में धीरे-धीरे इंसान लोगों से दूर होने लगता है। उसके भीतर चिड़चिड़ापन, उदासी और निराशा घर करने लगती है। बाहर से तो सब सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर का खालीपन लगातार उसे कमजोर करता रहता है। मनोविज्ञान भी मानता है कि लंबे समय तक अकेलापन कई मानसिक समस्याओं को जन्म देता है। इसलिए यदि आपको कोई भावनात्मक चोट मिली है तो उससे सबक लीजिए और अपने सुखी जीवन के सारे दरवाजे हमेशा के लिए बंद मत कीजिए। हर व्यक्ति एक जैसा नहीं होता। हर रिश्ता भी पिछले रिश्ते जैसा नहीं होता। थोड़ा समय लीजिए, अपने आपको संभालिए और फिर से लोगों पर, अपने आप पर विश्वास कीजिए। अच्छे साथी बनाइए। कभी-कभी एक सच्चा साथी जीवन के पुराने घावों पर मरहम की तरह काम करता है।

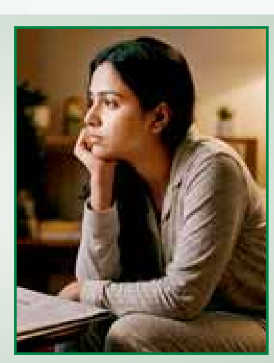

फिटनेस का नया साथी वियरेबल टेक्नोलॉजी

आज महिलाएं अपनी हेल्थ और फिटनेस को साइंटिफिक तरीके से समझना चाहती हैं। आइए, जानते हैं कि वियरेबल टेक्नोलॉजी किस प्रकार हेल्थ मैनेजमेंट को साइंटिफिक, ईजी और इफेक्टिव बनाती है?

फिटनेस गैजेट

मधु सिंह

अभी कुछ वर्षों पहले तक फिटनेस का मतलब केवल वजन कम करने या जिम जाने तक सीमित था, लेकिन आज महिलाएं अपनी संपूर्ण सेहत पर नजर रखती हैं, वियरेबल टेक्नोलॉजी के माध्यम से। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, पुणे, बैंग्लुरु जैसे महानगरों में आज वर्किंग वूमेन और युवतियों के बीच वियरेबल टेक्नोलॉजी तेजी से पॉपुलर हुई है। स्मार्ट वॉच, फिटनेस बैंड, स्मार्ट रिंग, ये कुछ ऐसे उपकरण हैं, जो अब केवल फैशन एक्सेसरीज नहीं हैं, पर्सनल हेल्थ एडवाइजर का रूप ले चुके हैं।

साइंटिफिक और बॉडी के अनुकूल: वियरेबल टेक्नोलॉजी फिटनेस का ऐसा तरीका है, जो ज्यादा साइंटिफिक और शरीर के ज्यादा अनुकूल है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण नीति के बिना कोई फिटनेस कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता। वियरेबल डिवाइस ये बताते हैं कि व्यक्ति कितनी देर नींद में रहा, कितनी बार नींद टूटी और कुल मिलाकर कितना आराम मिला? यदि लगातार नींद खराब हो रही है, तो समय रहते जीवनशैली में बदलाव किए जा सकते हैं।

मूवमेंट और एक्टिविटीज की मॉनिटरिंग: वियरेबल टेक्नोलॉजी शरीर के विभिन्न पहलुओं की लगातार निगरानी करती है और यूजर्स को उसकी लगातार जानकारी देती है। एक छोटी सी स्मार्ट वाच के जरिए हम यह जान जाते हैं कि सुबह घर से निकलने के बाद शाम को घर तक पहुंचने के पहले हम कितने कदम चल चुके होते हैं। दिनभर में हम कितनी कैलोरी खर्च कर चुके हैं। कितनी देर बैठे रहे या कितनी देर एक्टिव रहे, इस सबका हिसाब इस वियरेबल टेक्नोलॉजी के पास रहता है।

पीरियड्स का रिकॉर्ड और सलाह: वियरेबल टेक्नोलॉजी की बदौलत आज महिलाएं अपने पीरियड्स का रिकॉर्ड ही शुद्धता से नहीं रखतीं बल्कि वो इस चक्र के शुरू होने और उसके बीच और अंत तक के संकेतों की अच्छी तरह से रिव्यू करके इस कठिन समय को अपने अनुकूल ढालती हैं, क्योंकि वियरेबल टेक्नोलॉजी उन्हें बता देती है कि पीरियड्स कब शुरू हो रहे हैं, किस-किस तरह की परेशानी होगी, क्या करें कि परेशानी कम हो।

मेंटल हेल्थ के प्रति करती है अवेयर: महिलाओं पर काम, परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच मानसिक दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में नई पीढ़ी की स्मार्ट वॉच उनकी हृदय गति और अन्य संकेतों के आधार पर तनाव के स्तर का अनुमान लगाती है। कई डिवाइस तनाव बढ़ने पर गहरी सांस लेने या कुछ मिनटों तक आराम करने की सलाह देती है।

हर तरह के वर्कआउट का एनालिसिस: आज के स्मार्ट वॉच केवल चले गए कदम या आपकी दौड़ को ही नहीं मापती बल्कि योग, पिलेट्स, साइकिलिंग, तैराकी, नृत्य और हाई-इंटेंसिटी, इंटरवल ट्रेनिंग जैसे अनेक व्यायामों का अलग-अलग रिकॉर्ड रखती है, जिससे महिलाओं को यह समझने में आसानी होती है कि उनकी किस गतिविधि से वो अपनी कितनी कैलोरी बर्न कर रही हैं। इससे फिटनेस प्लान बनाने में आसानी होती है।

करती है मोटिवेट भी: अकसर लोग कुछ दिनों तक व्यायाम करने के बाद अपना उत्साह खो देते हैं। लेकिन वियरेबल डिवाइस लगातार आपको लक्ष्य पूरा होने पर बधाई देती है, बार-बार लक्ष्य पूरा करने को याद दिलाती है, लगातार रिपोर्ट देती है। यानी वह बिना रुके आपको अपनी फिटनेस मेंटेन रखने के लिए इंस्पायर करती रहती है। a

मानसून में फ्रेश फीलिंग के लिए परफेक्ट हैं ये परफ्यूम फ्रेगरेंस

सजेशन

श्रुति आयंगर

बारिश के मौसम में बढ़ी हुई ह्यूमिडिटी, उमस और पसीने की वजह से परफ्यूम की खुशबू जल्दी फीकी पड़ सकती है। ऐसे में सही फ्रेगरेंस चुनना जरूरी हो जाता है। अगर आप चाहती हैं कि इस सीजन में भी दिनभर आप फ्रेश, कॉन्फिडेंट और महकती रहें, तो हल्की, रिफ्रेशिंग और लंबे समय तक टिकने वाली खुशबू को अपनी परफ्यूम कलेक्शन में शामिल करें। सही फ्रेगरेंस न सिर्फ पूरे दिन ताजगी का एहसास बनाए रखती है, बल्कि आपके स्टाइल और पर्सनालिटी को भी एक खास पहचान देती है। आइए जानते हैं ऐसी फ्रेगरेंस के बारे में, जो मानसून के दौरान भी आपके लुक को और इंप्रेसिव बना सकती है।

व्हाइट मस्क फ्रेगरेंस: अगर आपको हल्की लेकिन लंबे समय तक टिकने वाली खुशबू पसंद है, तो व्हाइट मस्क फ्रेगरेंस आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती है। इसकी सॉफ्ट, क्लीन और एलिगेंट महक मानसून की उमस में भी पूरे दिन फ्रेशनेस बनाए रखती है। यही वजह है कि यह ऑफिस, कॉलेज जाने वाली ही नहीं डेली यूज के लिए भी महिलाओं की पसंदीदा फ्रेगरेंस में शामिल है।

एक्वा फ्रेगरेंस: मानसून के दौरान यूज किए जाने वाले परफ्यूम्स में एक्वा फ्रेगरेंस भी सबसे पसंदीदा चॉइस में से एक मानी जाती है। इसकी खुशबू समुद्री हवा और बारिश की फुहारों जैसी ताजगी का एहसास कराती है। अगर आपका दिन भाग-दौड़ भरा रहता है, तो यह फ्रेगरेंस आपको लंबे समय तक फ्रेश और एनर्जेटिक महसूस कराने में मदद करेगी।

सिट्रस फ्रेगरेंस: नीबू, संतरा, बर्गामोट और ग्रेपफ्रूट जैसे सिट्रस नोट्स वाली फ्रेगरेंस, मानसून के लिए बेहतरीन मानी जाती है। इनकी हल्की और रिफ्रेशिंग खुशबू दिनभर आपको तरोताजा महसूस कराती है और आपकी एनर्जी बनाए रखने में मदद करती है। यह डेली वियर के लिए भी एक अच्छा विकल्प है।

ग्रीन टी फ्रेगरेंस: अगर आपको बहुत तेज खुशबू पसंद नहीं है, तो ग्रीन टी फ्रेगरेंस जरूर ट्राई करें। इसकी नेचुरल, हल्की और सुकून देने वाली महक मानसून के मौसम के लिए एकदम उपयुक्त मानी जाती है। यह पूरे दिन फ्रेश फील कराने के साथ-साथ मन को भी तरोताजा रखती है।

जैस्मिन फ्रेगरेंस: फ्लोरल खुशबू पसंद करने वाली महिलाओं के लिए जैस्मिन फ्रेगरेंस एक एवरग्रीन चॉइस है। इसकी भीनी-भीनी महक हर मौके पर आपकी पर्सनालिटी में एलिगेंट टच जोड़ती है। चाहे ऑफिस हो, आउटिंग हो या कोई खास अवसर, यह फ्रेगरेंस आपको अलग पहचान देती है। a

बारिश के मौसम में कुछ लोग अकसर डल फील करते हैं। इसके साथ ही थकान, मूड स्विंग्स, अकेलापन भी महसूस होता है। ये लक्षण मानसून ब्लूज के हो सकते हैं। इसके क्या कारण हैं और इससे बचने के क्या उपाय हैं, जानिए।

अकसर फील करती हैं डलनेस-थकान कहीं आप मानसून ब्लूज का शिकार तो नहीं!

सीजनल हेल्थ

नम्रता उपाध्याय
क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट

बारिश के मौसम में रिमझिम फुहारें जहां तन को ठंडक पहुंचाती हैं, वहीं कई बार मन की उदासी का कारण भी बनने लगती हैं। मानसून के दौरान कई लोगों को उदासी और बेवजह डलनेस, थकान का अनुभव होता रहता है। बायोमेड सेंट्रल की रिपोर्ट के अनुसार क्लाइमेट चेंजेज का हमारे मूड पर गहरा प्रभाव देखने का मिलता है। इससे अधिकतर लोगों को स्ट्रेस और एंग्जाइटी का सामना करना पड़ता है और वे दिनभर परेशान और उदास रहते हैं।

मानसून ब्लूज का असर

इस मौसम के चलते कई लोगों को मानसिक तौर पर कई प्रकार के बदलावों का सामना करना पड़ता है, जिसका असर उनकी वर्क प्रोडक्टिविटी और ओवरऑल हेल्थ पर भी नजर आने लगता है। बारिश के दिनों में सन एक्सपोजर की कमी के चलते शरीर में विटामिन डी की मात्रा घट जाती है और शरीर में मूड बूस्टर न्यूरोट्रांसमीटर प्रभावित होने लगता है, जिसका असर इटिंग हैबिट्स, नींद और डाइजेशन के साथ ही हमारे कंसंट्रेशन पर भी नजर आने लगता है, जिससे गुस्सा और चिड़चिड़ापन भी बढ़ जाता है। इस समस्या को मानसून ब्लूज कहा जाता है।

मूड खराब होने के कारण

बारिश के मौसम में मानसून ब्लूज का शिकार होने की कई वजहें हैं।

सूरज की कम रोशनी: इन दिनों सूरज की रोशनी हमें कम मिल पाती है, जिसके कारण बॉडी में विटामिन डी की कमी हो जाती है। इससे थकावट, कमजोरी और चिड़चिड़ापन महसूस होने लगता है।

बचाव के उपाय: मानसून के दौरान हमें कम धूप मिलने से शरीर में 'सेरोटोनिन' (खुशी देने वाला हार्मोन) का स्तर भी कम हो जाता है। इसके उलट 'मेलाटोनिन' (नींद लाने वाला हार्मोन) का स्तर बढ़ सकता है, जिससे मूड स्विंग्स और सुस्ती होती है। इससे बचने के लिए अंधेरे में बैठने से बचें। दिन के समय घर के खिड़की-दरवाजे खुले रखें, ताकि घर में पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी आए। रोशनी के लिए इनडोर लाइट्स की मदद लें और खाली वक्त में किताबें पढ़ें या कोई भी पसंदीदा एक्टिविटीज को करें।

फिजिकली एक्टिव न होना: बारिश के दिनों में आउटडोर वर्कआउट की कमी से स्ट्रेस का सामना करना पड़ता है, जिसके चलते शरीर में कार्टिसोल का स्तर बढ़ने लगता है, जिससे नींद नहीं आती है।

बचाव के उपाय: मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए रोजाना भरपूर नींद लें। ऐसा करने से मन को शांति और सुकून की प्राप्ति होती है। इससे शरीर एक्टिव रहता है और आलस से मुक्ति मिलती है। साथ ही बारिश के मौसम में अगर बाहर या जिम जाना संभव नहीं, तो घर पर ही हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करें। सुबह स्ट्रेचिंग और ब्रीदिंग एक्सरसाइज से मेंटल हेल्थ को मजबूत बनाएं।

डाइट में करें बदलाव: बारिश के दिनों में अकसर लोग फ्राइड फूड्स खाने लगते है, जिससे शरीर में पोषण की कमी बढ़ जाती है और एंप्टी कैलोरीज इनटेक बढ़ने लगता है। इस वजह से इनडाइजेशन और मूड स्विंग की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बाहर से जंक फूड खाने के बजाय मूड बूस्ट करने वाली ताजी सब्जियों और फलों का सेवन करें, घर का ताजा खाना खाएं। a

प्रस्तुतिः ललिता गोयल

लगातार दूसरी बार एमबाप्पे के नाम गोल्डन बूट, रौड्री सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

स्पेन के गोलकीपर युनाइ सिमोन ने जीता 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार

एजेंसी ▶▶ ईस्ट रदरफोर्ड

फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे लगातार दो विश्व कप में 'गोल्डन बूट' जीतने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन गए और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का 'गोल्डन बॉल' पुरस्कार लियोनेल मेस्सी को नहीं बल्कि स्पेन के कप्तान रौड्री को मिला।

स्पेन ने अर्जेंटीना का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना तोड़ा और उसके कप्तान रौड्री ने मेस्सी को व्यक्तिगत पुरस्कार से भी वंचित कर दिया। सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार टूर्नामेंट में महज एक गोल गंवाने वाले स्पेन के युनाइ सिमोन ने जीता जबकि स्पेन के ही पाउ कुबारासी ने अपनी ही टीम के लामिन यमाल को पछाड़कर सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। फाइनल में अर्जेंटीना को स्पेन ने एक गोल से हरा दिया और लियोनेल मेस्सी एक भी गोल नहीं कर सके।

स्पेन कप्तान रौड्री

स्पेन के कप्तान रौड्री ने जीता गोल्डन बॉल का खिताब

मेस्सी को रिकॉर्ड तीसरी बार 'गोल्डन बॉल' मिलने की उम्मीद थी, जो दो बार यह पुरस्कार जीत चुके हैं। 39 वर्ष की उम्र में लगातार दूसरी बार अर्जेंटीना को फाइनल तक ले जाने के कारण उनका दावा मजबूत भी था लेकिन स्पेन को 2010 के बाद दूसरा खिताब दिलाने वाले कप्तान रौड्री को चुना गया। मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रौड्री ने टूर्नामेंट में कोई गोल नहीं किया लेकिन मिडफील्ड में पासिंग और गेंद पर नियंत्रण के कारण स्पेन की जीत के सूत्रधार रहे। वह युएफा चैंपियंस लीग, बलोन डिओर और विश्व कप जीतने वाले 11वें पुरुष खिलाड़ी बने।

वर्ल्ड कप के बेहतरीन रिकॉर्ड

1 हैट्रिक मारने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी मेसी
2 नॉकआउट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने एम्बाप्पे
3 लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम बनी स्पेन
4 स्पेन, एक सीजन में सबसे कम गोल खाने वाली टीम
5 एम्बाप्पे के वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत गोल
6 6 विश्व कप में गोल करने वाले इकलौते खिलाड़ी बने रोनाल्डो
7 ग्रुप स्टेज में सबसे ज्यादा हुए 215 गोल
8 स्पेन टीम के लुइस डे ला फुएंते सबसे उम्रदराज मैनेजर
9 एक संस्करण में हुए सबसे ज्यादा 308 गोल
10 एम्बाप्पे बने लगातार दो गोल्डन बूट जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी
11 78 वर्षीय कोच डिक ऐडवोकाट बने सबसे उम्रदराज कोच
12 मेसी और रोनाल्डो बने सबसे ज्यादा विश्व कप खेलने वाले खिलाड़ी
13 केप वर्डे बना विश्व कप खेलने वाला सबसे छोटा देश

आखिरी मैच में बेनूर रहे मेस्सी

मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे उनके समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने-कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाए बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेस्सी लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। मेस्सी लगातार दूसरी बार चैंपियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा। एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेस्सी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी।

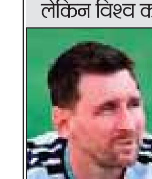

अर्जेंटीना के गोलकीपर मार्टिनेज ने बनाया रिकॉर्ड

अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने अपने साथियों की अधीरता के विपरीत बेहद धैर्य से काम लिया और यही वजह थी कि वह स्पेन के खिलाफ विश्व कप के फाइनल में 11 बचाव करने में सफल रहे, जो टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले का नया रिकॉर्ड है। लेकिन आखिर में एक मौके पर उनकी भी नहीं चल पाई और स्पेन ने इस मौके का फायदा उठाकर दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। लेकिन अगर 2022 विश्व कप विजेता गोलकीपर मार्टिनेज ने प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं किया होता तो हार का अंतर इससे ज्यादा होता। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा इस्तेमाल करके रिकॉर्ड 11 बचाव किए। स्पेन लगातार हमला करता रहा, लगातार शॉट मारता रहा और आखिरकार एक गोल करके बढ़त बना ली, जिससे स्टेडियम में जोरदार जश्न का माहौल छा गया। स्पेन के प्रशंसक नाचने लगे, एक-दूसरे को गले लगाने लगे और ताजपोशी से पहले झंडा लहराने लगे।

फीफा प्रमुख इन्फेंटिनो ने तय की 60 हजार मील की दूरी

न्यूयॉर्क। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने समाप्त हुए विश्व कप के दौरान लगभग 60 हजार मील की दूरी तय की और इस दौरान लगभग 115 घंटे विमान में बिताए। इन्फेंटिनो ने अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेले गए विश्व कप के दौरान तीन देशों के 16 शहरों का दौरा किया। उनकी यह यात्रा आखिर में अर्जेंटीना और स्पेन के बीच न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त हुई। इन्फेंटिनो ने टूर्नामेंट के दौरान विश्व कप के 44 मैच देखे। उन्होंने विश्व कप के सभी 16 स्टेडियमों में कम से कम एक मैच जरूर देखा। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में उन्होंने सर्वाधिक पांच मैच देखे। फीफा प्रमुख ने 13 दिन दो-दो मैच देखे और वह भी ऐसे स्टेडियमों में, जो सैकड़ों मील दूर स्थित थे। इस बीच उनके विमान ने 21 हवाई अड्डों से उड़ान भरी या उनमें उतरा। सेमीफाइनल तक उनके विमान ने 23 बार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की। इन्फेंटिनो ने इस दौरान केवल मैच देखने के लिए एक शहर से दूसरे शहर जाने में 59,281 मील (95,403 किलोमीटर) की दूरी तय की। इनमें से 26 जून को 5,772 मील (9,289 किलोमीटर) तय की गई दूरी भी शामिल है। इसकी शुरुआत मियामी से डलास की सुबह की उड़ान से हुई। वहां से विमान सिएटल गया जहां इन्फेंटिनो ने मिस्र और ईरान का मैच देखा। उनका विमान उसी रात सिएटल से रवाना हुआ और अगली सुबह मियामी पहुंचा। इन्फेंटिनो ने वहां कोलंबिया और पुर्तगाल का मैच देखा।

नाथन स्मिथ ने जीता प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब

शुभमन गिल और ऑलराउंडर मोसाद्देक को पीछे छोड़ा

एजेंसी ▶▶ दुबई

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कीवी खिलाड़ी ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेशी ऑलराउंडर मोसाद्देक हुसैन जैसे दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। 27 वर्षीय स्मिथ ने इंग्लैंड में खेली गई 3 मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 23 की औसत से सर्वाधिक 16 विकेट चटकाए थे।

जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा : स्मिथ

नाथन स्मिथ ने कहा, यह वाकई बहुत खास है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। मैं आमतौर पर व्यक्तिगत अवॉर्ड के लिए नहीं खेलता, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी जरूरी बात यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया। व्यक्तिगत रूप से, जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा।

डैनी वायट-हॉज ने जीता विमेंस 'प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड

इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट-हॉज को जून के लिए 'आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड का विजेता चुना गया है, जिन्होंने 'आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप' में शानदार प्रदर्शन किया था। डैनी ने स्कॉटलैंड की कप्तान कैथरीन ब्राइस और भारत की लेफ्ट-आर्म स्पिनर श्रीचरणी को पछाड़कर यह अवॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले नवंबर 2024 में भी डैनी इस खिताब को अपने नाम कर चुकी थीं।

दलीप ट्रॉफी : गायकवाड़ संभालेंगे वेस्ट जोन की कमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए वेस्ट जोन टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर शम्स मुलानी को उप-कप्तानी सौंपी गई है। यह टीम जोनल सिलेक्शन कमिटी की बैठक के बाद घोषित की गई। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ग्राउंड्स पर खेला जाएगा। पिछले साल, भारत के सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने वेस्ट जोन की कमान संभाली थी। टीम सेमीफाइनल तक तो पहुंची, लेकिन इससे आगे नहीं बढ़ सकी, क्योंकि सेंट्रल जोन ने पहली पारी में बढ़त हासिल कर ली थी। अब, आगामी टूर्नामेंट के लिए कप्तानी की जिम्मा गायकवाड़ को सौंप दिया गया है।

टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु में खेला जाएगा

देसाई और पटेल स्पेशलिस्ट विकेटकीपर

वेस्ट जोन के खेमे में हार्विक देसाई और उर्विल पटेल के रूप में दो स्पेशलिस्ट विकेटकीपर को शामिल किया गया है। गायकवाड़ के अलावा, पृथ्वी शॉ और खान बंधु (सरफराज और मुशीर) भी टीम में हैं। स्पिन बॉलिंग की जिम्मेदारी उप-कप्तान मुलानी, ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियान और बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ देसाई को सौंपी गई है। तेज गेंदबाजी विभाग में ठाकुर के साथ-साथ तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी और ऑलराउंडर अतीत सेठ शामिल हैं।

वनडे सीरीज : न्यूजीलैंड की वेस्टइंडीज पर रोमांचक जीत, श्रृंखला की अपने नाम

एजेंसी ▶▶ ब्रिजटाउन

मार्क चैपमैन ने 80 रन बनाए और मिचेल सैंटनर ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ अच्छा तालमेल बिठाया, जिससे न्यूजीलैंड ने चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज पर 1 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड को जब तीन रन की जरूरत थी और एक विकेट हाथ में था, तभी सैंटनर को जीवनदान मिला। अंतिम बल्लेबाज जेडन लेनोक्स विकेटकीपर के हाथों कैच आउट और एलबीडब्ल्यू के लिए 'रिव्यू' से बचे। इसके बाद न्यूजीलैंड ने 35 गेंदें शेष रहते वेस्टइंडीज के 188 (सभी आउट) के स्कोर को 9 विकेट खोकर पार कर दिया। न्यूजीलैंड के कप्तान सैंटनर ने 45वें ओवर की पहली गेंद पर विजयी रन बनाया। वह 34 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे वेस्टइंडीज की सीरीज बराबर करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

रोहित ने हमें संन्यास के बारे में कुछ नहीं बताया : शुभमन

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर को लेकर उनसे कोई बात नहीं की है, जिनके संन्यास को लेकर पिछले कुछ दिनों से अटकलों का बाजार गर्म था। गिल से पूछा गया कि क्या रोहित ने उन्हें अपने भविष्य को लेकर कुछ संकेत दिया है। गिल ने कहा, 'हमें उनसे बात करने का मौका ही नहीं मिला। उन्होंने (रोहित ने) हमें कुछ नहीं बताया। मुझे लगता है कि सारी बातें मीडिया में आ चुकी हैं। लेकिन इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है।' गिल ने कहा, 'रोहित भाई ने बड़े ही शानदार तरीके से पारी को संवारा। मैं नॉन-स्ट्राइकर छोर से उनकी बल्लेबाजी देख रहा था। रहमारी बातचीत मुख्य रूप से इसी बात पर केंद्रित थी कि अगर हम विकेट बचाकर रखते हैं तो हमारे पास लक्ष्य तक पहुंचने का मौका रहेगा।' उन्होंने कहा, 'पावरप्ले में हम इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि शॉट मारें या नहीं। नई गेंद के सामने बल्लेबाजी करना इतना आसान नहीं होता। मुझे लगता है कि जिस तरह से उन्होंने अपनी पारी को गति दी और फिर 70 रन पर पहुंचने के बाद जिस तरह से उन्होंने तेजी से रन बनाए, वह शानदार था।'

आज से चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सिंधू के कंधों पर भारतीय चुनौती, सात्विक-चिराग बाहर

एजेंसी ▶▶ चांग्झू

स्टार शटलर पीवी सिंधू मंगलवार से शुरू हो रहे चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी लेकिन पुरुष युगल की शीर्ष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी कंधे की चोट से उबर रहे सात्विक के कारण इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेगी। भारतीय टीम बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर पिछले सप्ताह के शानदार प्रदर्शन की लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। सिंधू लगभग दो वर्ष बाद जापान ओपन का खिताब जीतकर बेहतरीन लय में चीन पहुंची हैं।

सिंधू और उन्नति में होगा मुकाबला

सिंधू अपने अभियान की शुरुआत हमवतन उन्नति हुड्डा के खिलाफ करेंगी। दूसरे दौर में उनका सामना चीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई से हो सकता है। महिला एकल में भारत की अन्य खिलाड़ी देविका सिहाग अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ करेंगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी का सामना पहले दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से होगा। पुरुष युगल में हरिहरन अम्साकरुणन और एम.आर. अर्जुन की जोड़ी अपने पहले मुकाबले में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी से भिड़ेगी।

जापान के युशी तनाका से भिड़ेंगे लक्ष्य

पुरुष एकल में भारत की चुनौती का जिम्मा लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और अनुभवी एचएस प्रणय संभालेंगे। लक्ष्य सेन शुरुआती दौर में जापान के युशी तनाका से भिड़ेंगे। आयुष शेट्टी का सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा, प्रणय पहले दौर में मलेशिया के लिओंग जुन हाओ से खेलेंगे। मिश्रित युगल में भारत की उम्मीदें तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी पर टिकी होंगी, जिनका पहले दौर में चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी गुओ शिन वा और चेन फांग हुई से मुकाबला होगा।

यूथ टेस्ट

भारतीय अंडर-19 टीम की दमदार बल्लेबाजी, ओझा का नाबाद शतक

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

भारत की अंडर-19 टीम ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में जारी दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार बल्लेबाजी की। शुरुआती दिन सिर्फ 65 ओवरों का खेल हुआ, जिसमें मेहमान टीम ने 3 विकेट खोकर 253 रन बनाए।

बारिश के बाद गीली आउटफील्ड के कारण इस चार दिवसीय मुकाबले के टॉस में काफी देरी हुई, जिसके बाद श्रीलंकाई कप्तान विमथ दिनसारा ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेहमान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही, जिसने 6 ओवरों की समाप्ति तक लक्ष्य राजेश रायचंदानी (0) और सागर विर्क (0) के रूप में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए। उस समय तक टीम का खाता भी नहीं खुल सका था। इसके बाद कुशाग्र ओझा ने कप्तान यशबर्धन चौहान के साथ तीसरे विकेट के लिए 144 गेंदों में 122 रन जोड़कर पारी को संभाला। शबर्धन चौहान 89 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 78 रन बनाकर आउट हुए। यहां से कुशाग्र ने मनल चौहान के साथ पारी को आगे बढ़ाया। पहले दिन की समाप्ति तक इस जोड़ी के बीच 210 गेंदों में 131 रन की साझेदारी हो गई थी।विपक्षी खेमे से गिम्हान मेंडिस 42 रन देकर 2 विकेट हासिल कर चुके हैं, जबकि सेथमिका सेनेविरत्ने ने 1 विकेट चटकाया है। श्रीलंका ने तीन मुकाबलों की अनाधिकारिक वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी, जिसके बाद अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज का पहला मैच ड्रॉ रहा।

परिजनों के बयान पर रेत कारोबारी आनंद लोधी के खिलाफ मामला दर्ज करने की घोषणा के बाद खुला जाम, पुलिस ने जांच शुरू की

पांच युवकों की मौत के बाद फूटा गुस्सा चार घंटे तक जाम रहा एनएच-45

हरिभूमि, जबलपुर/नरसिंहपुर। जबलपुर-नरसिंहपुर सीमा पर एनएच-45 पर अज्ञात हाइवा की टक्कर से पांच युवकों की दर्दनाक मौत के बाद सोमवार को परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। हादसे से आक्रोशित लोगों ने दोपहर करीब 12 बजे जबलपुर-भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग-45 पर चक्काजाम कर दिया। करीब चार घंटे तक चले प्रदर्शन के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा।

मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और मृतकों के परिजन एकत्र हो गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि यह सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि रेत कारोबार से जुड़े लोगों की लापरवाही अथवा साजिश का परिणाम है। उन्होंने दोषियों के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज करने और शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।

स्थिति को देखते हुए नरसिंहपुर और जबलपुर जिले का पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से लगातार चर्चा की। अंततः नरसिंहपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के निर्देश पर सुआतला थाना प्रभारी प्रियंका केवट ने परिजनों के बयान के आधार पर रेत कारोबारी आनंद लोधी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए जाने की जानकारी दी। पुलिस के इस आश्वासन के बाद शाम करीब 4 बजे परिजन और ग्रामीण शांत हुए

तथा राजमार्ग से जाम हटाया गया।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं हाइवा चालक और वाहन की तलाश भी तेज कर दी गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पुलिस जांच में जुटी हुई है।

उल्लेखनीय है कि इस भीषण हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है और उसका उपचार जबलपुर मेडिकल कॉलेज में जारी है। मृतकों में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र पटेल भी शामिल हैं। एक साथ पांच लोगों की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है।

मुख्य बिंदु

- एनएच-45 पर दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चक्काजाम।
- परिजनों और ग्रामीणों ने दोषियों पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की।
- एएसपी संदीप भूरिया के निर्देश पर परिजनों के बयान के आधार पर रेत कारोबारी आनंद लोधी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने की घोषणा।
- नरसिंहपुर और जबलपुर पुलिस की मौजूदगी में खुला जाम।
- हाइवा चालक की तलाश जारी, पुलिस सभी पहलुओं की जांच में जुटी।

......और कितनी जानें लेगी रेत?

रेत का काला कारोबार या मौत का कारोबार?

प्रदेश में अवैध रेत खनन और उसके परिवहन को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आए दिन कहीं हाइवा, डंपर या ट्रैक्टर से लोगों को कुचलने की घटनाएं सामने आती हैं तो कहीं अवैध खनन रोकने पर हमले और फायरिंग की खबरें सुर्खियां बनती हैं। इसके बावजूद रेत माफियाओं पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। जबलपुर के बेलखेड़ा और शहपुरा थाना क्षेत्र लंबे समय से अवैध रेत खनन और परिवहन को लेकर चर्चा में रहे हैं। वहीं नरसिंहपुर जिले में भी रेत कारोबार को लेकर समय-समय पर विवाद और गंभीर घटनाएं सामने आती रही हैं। हालिया हादसे में पांच युवकों की मौत ने एक बार फिर अवैध रेत परिवहन की व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेत के काले कारोबार को राजनीतिक संरक्षण मिलने के कारण कार्रवाई प्रभावी नहीं हो पाती। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन यह जरूर है कि रेत से जुड़े हादसों में अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर रेत का यह खूनी खेल कब रुकेगा और प्रशासन कब तक केवल हादसों के बाद कार्रवाई करता रहेगा?

जिला बार एसोसिएशन चुनाव : पहले से सील लगे मिले मतपत्र, मतदान स्थगित

जबलपुर । जिला बार एसोसिएशन के वर्ष 2026-28 के लिए हो रहे चुनाव सोमवार को उस समय विवादों में घिर गए, जब मतदान के दौरान कुछ मतपत्र पहले से सील लगे होने और मतपत्रों की अव्यवस्थित तैयारी का मामला सामने आया। इस पर अधिवक्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बढ़ते हंगामे के बीच मतदान स्थगित करना पड़ गया। आक्रोशित अधिवक्ताओं ने निर्वाचन अधिकारी का पुतला दहन कर नारेबाजी भी की। अधिवक्ताओं का आरोप था कि मतपत्रों के बंडल पहले से तैयार नहीं थे और मतदान शुरू होने के बाद उन्हें व्यवस्थित किया जा रहा था। इसी दौरान कुछ बैलेट पेपर पहले से सील लगे होने का आरोप भी लगाया गया, जिससे निष्पक्षता को लेकर विवाद गहरा गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में अधिवक्ता मतदान केंद्र पर एकत्र हो गए और चुनाव रोकने की मांग करने लगे। स्थिति बिगड़ने पर निर्वाचन अधिकारी जीएस ठाकुर ने लिखित आदेश जारी कर कहा कि चुनाव प्रक्रिया में उत्पन्न व्यवधान के कारण निष्पक्ष मतदान कराना संभव नहीं रह गया है। उन्होंने 20 जुलाई का शेष मतदान तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की घोषणा करते हुए स्वयं को निर्वाचन अधिकारी के दायित्व से मुक्त कर लिया। आदेश में शेष चुनाव प्रक्रिया का दायित्व एमपी स्टेट बार काउंसिल को सौंपने का उल्लेख किया गया है। घटना के बाद वरिष्ठ अधिवक्ताओं की बैठकें देर शाम तक चलती रहीं। फिलहाल, यह तय नहीं हो सका है कि शेष मतदान कब और किस व्यवस्था में कराया जाएगा। चुनाव स्थगित होने से अधिवक्ता समुदाय में असमंजस और नाराजगी का माहौल बना हुआ है।

ई-रिक्शा की टक्कर से अज्ञात व्यक्ति की मौत

जबलपुर। हनुमानताल थाना अतंर्गत मथुरा सेठ की बाड़ी मेन रोड डिवाईडर के पास एक ई रिक्शा ने एक अज्ञात व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया और उसे विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने चैक कर उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार टेढ़ीनीम निवासी 19 वर्षीय फैजान अरबाज गत शाम 7.30 बजे अपने दोस्त फजल खान और मोहम्मद इरफान के साथ सिंधी केम्प से डुमना तरफ घूमने जा रहा था मथुरा सेठ की बाड़ी मेन रोड डिवाईडर के पास एक ई-रिक्शा क्रमांक एमपी 20 जेड एच 0814 के चालक ने एक अज्ञात व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे अज्ञात व्यक्ति के दोनों हाथ पैर सिर एवं शरीर में चोटे आ गयी। फैजान ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर घायल को उपचार हेतु विक्टोरिया अस्पताल लेकर गये, जहां डाक्टर ने चैक कर अज्ञात व्यक्ति मृत घोषित कर दिया। अज्ञात व्यक्ति की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए आरोपी ई-रिक्शा चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 106(1), 281 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हत्या के मामले में उम्रकैद निरस्त हाई कोर्ट ने बरी आरोपित के पुनर्वास के दिए निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा को निरस्त करते हुए आरोपी को दोषमुक्त कर दिया। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने पाया कि मामले की जांच दुर्भावनापूर्ण और बेहद खराब तरीके से की गई थी। साक्ष्यों के गलत मूल्यांकन के कारण आरोपित को गलत तरीके से दोषी ठहराया गया। कोर्ट ने राज्य सरकार को बरी हुए आरोपी के पुनर्वास की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए हैं।कटनी निवासी डब्बू उर्फ देव सोनखरे ने ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को चुनौती देते हुए अपील दायर की थी। उसका तर्क था कि सह-आरोपित को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया गया, जबकि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की कड़ी पूरी हुए बिना उसे दोषी ठहरा दिया गया। अभियोजन ने मोबाइल काल डिटेल के आधार पर मृतक अर्जुन कोरी और अपीलकर्ता की बहन के कथित संबंधों को हत्या का मकसद बताया था। साथ ही, कंकाल से मिले तार को आरोपी के घर से बरामद तार से जोड़ने का दावा किया गया था।सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने पाया कि घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं था। जिन गवाहों ने मृतक को अंतिम बार देखा, उन्होंने अपीलकर्ता की मौजूदगी का कोई उल्लेख नहीं किया। कोर्ट ने यह भी पाया कि पुलिस ने न तो मृतक और न ही अपीलकर्ता की बहन के मोबाइल फोन जब्त किए। कथित प्रेम संबंध का भी कोई स्वतंत्र साक्ष्य पेश नहीं किया गया। केवल काल डिटेल को हत्या का आधार नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने यह भी माना कि कंकाल से मिले तार की जब्ती की प्रक्रिया गंभीर रूप से त्रुटिपूर्ण थी। तार का अलग से पंचनामा नहीं बनाया गया और उसे बिना सील किए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कोर्ट ने कहा कि यह जांच की गंभीर खामियों को दर्शाता है और ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपी को फंसाने का प्रयास किया गया।

जांच को बताया दुर्भावनापूर्ण व खराब, राज्य सरकार को छह माह का प्रशिक्षण और पुनर्वास सुनिश्चित करने के आदेश

जेल डीजी का हलफनामा गुमराह करने वाला, हाई कोर्ट ने जताई नाराजगी

कैदियों की डाइट, मेन्यू और भोजन व्यवस्था का पूरा ब्योरा तलब, आडिट रिपोर्ट भी मांगी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कैदियों की भोजन व्यवस्था से जुड़े मामले में जेल एवं सुधार सेवाओं के महानिदेशक (डीजी जेल) डा. वरुण कपूर द्वारा प्रस्तुत हलफनामे पर कड़ी नाराजगी जताई है। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने कहा कि हलफनामा न्यायालय को गुमराह करने वाला प्रतीत होता है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि हिरासत में बंद कैदी से कुछ भी कहलवाया जा सकता है, इसलिए केवल उसके बयान के बजाय भोजन के समय, तय मेन्यू और आधिकारिक रिकार्ड प्रस्तुत किए जाने चाहिए। हाई कोर्ट ने चेतावनी दी कि संतोषजनक हलफनामे प्रस्तुत नहीं किए गए तो जेल महानिदेशक और पुलिस महानिदेशक को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ सकता है।दरअसल, यह मामला दहेज हत्या के प्रकरण में सजा काट रहे रीवा केंद्रीय जेल के बंदी अब्दुल माजिद की अपील से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान अदालत ने बंदी को लाने वाले पुलिसकर्मियों से भोजन व्यवस्था के बारे में पूछा। उन्होंने बताया कि कैदी के भोजन के लिए अलग से कोई राशि नहीं मिलती और वे अपने दैनिक भत्ते से ही भोजन कराते हैं। इसे गंभीर मानते हुए हाई कोर्ट ने पहले जेल प्रशासन से जवाब मांगा था। डीजी जेल की ओर से दाखिल हलफनामे में कहा गया कि बंदी को रीवा जेल से रवाना होने से पहले चाय और चार रोटियां दी गई थीं। इस पर कोर्ट ने कहा कि हलफनामा संतोषजनक नहीं है। न्यायालय ने कहा कि जेलों के निरीक्षण के दौरान यह देखा गया है कि सामान्यतः सुबह 11 बजे तक भोजन तैयार नहीं होता। ऐसे में भोजन वितरण का पूरा शेड्यूल, तय मेन्यू और प्रत्येक कैदी के लिए निर्धारित भोजन की मात्रा रिकार्ड सहित प्रस्तुत की जानी चाहिए।

चेतावनी : संतोषजनक हलफनामे प्रस्तुत नहीं, तो जेल महानिदेशक व पुलिस महानिदेशक को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ेगा

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240